खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 11 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-11

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रथम पॉडकास्ट-इंटरव्यू का ट्रेलर जारी

युवा मिशन लेकर राजनीति में आएं, महत्वाकांक्षा लेकर नहीं

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देश के युवाओं से राजनीति में आने की अपील की, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि युवकों को देश की राजनीति में मिशन लेकर आना चाहिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं लेकर राजनीति में नहीं आना चाहिए। प्रधानमंत्री ने पहली बार पॉडकास्ट पर दिए इंटरव्यू में कहा, मैं 2047 तक विकसित भारत के लिए सभी समस्याओं का समाधान चाहता हूं। सरकारी योजनाओं की 100 प्रतिशत डिलीवरी होनी चाहिए। यही वास्तविक सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता है। इसके पीछे प्रेरक शक्ति है एआई, यानी एस्पिरेशनल इंडिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तीनों कार्यकाल और विकसित भारत के मुद्दे पर चर्चा की है। पॉडकास्ट पर पीएम मोदी के पहले इंटरव्यू के चुनिंदा अंश अभी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी किए गए हैं। इसके विस्तृत प्रसारण की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन इसका ट्रेलर ही दर्शकों को काफी आकर्षित कर रहा है।

योजनाओं की 100% डिलीवरी ही सच्चा सामाजिक न्याय है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंटरव्यू में कहा, पहले कार्यकाल में लोग मुझे समझने की कोशिश कर रहे थे और मैं दिल्ली को समझने की कोशिश कर रहा था। दूसरे कार्यकाल में मैं अतीत के दृष्टिकोण से सोचता था। तीसरे कार्यकाल में मेरी सोच बदल गई है, मेरा मनोबल ऊंचा है और मेरे सपने बड़े हो गए हैं। पीएम मोदी ने राजनीति के अपने अनुभवों को साझा करते हुए यह माना कि गलतियां होती हैं, सबसे होती हैं, मुझसे भी हुई है। मैं कोई देवता नहीं हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी दुनिया में जंग की स्थिति पर कहा, मैं हमेशा से कहता रहा हूं कि हम तटस्थ नहीं है, बल्कि शांति के पक्षधर हैं। उन्होंने तेजी से बदलते राजनीतिक माहौल और मापदंड, दुनिया के वर्तमान हालात और अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण को साक्षी रखते हुए भारत के युवाओं की राजनीति में भागीदारी पर खुलकर बात की। उन्होंने राजनीति में युवाओं की भागीदारी पर जोर दिया और कहा कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को राजनीति में शामिल होना चाहिए, लेकिन उन्हें मिशन लेकर राजनीति में आना चाहिए न कि महत्वाकांक्षाएं लेकर।पीएम मोदी ने कहा कि ये मेरा पहला पॉडकास्ट है, पता नहीं देश के लोगों को यह पसंद आएगा या नहीं। मुझे घबराहट बहुत ज्यादा है। यह मेरे लिए एक कठिन बातचीत है। इंटरव्यू ले रहे निखिल कामत ने पीएम से कहा कि वो ऐसे घर में पले-बढ़े जहां राजनीति को काफी नकारात्मक रूप से देखा जाता था। इस पर पीएम मोदी ने चुटकी लेते हुए कहा, अगर आपको अपनी कही बातों पर अब भी यकीन होता तो आज हम लोग इस बातचीत में नहीं होते। पीएम मोदी के इस पॉडकास्ट इंटरव्यू को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसकी झलक शेयर की और कहा, मुझे आशा है कि आप सभी इसका उतना ही आनंद लेंगे जितना हमें आपके लिए इसे बनाने में आनंद आया।

कोऑपरेटिव बैंक घोटाले में राजद नेता के ठिकानों पर ईडी का छापा

सौ करोड़ के बैंक घोटाले में भी फंसेंगे लालू और तेजस्वी!

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

बिहार के कोऑपरेटिव बैंक में हुए सौ करोड़ से अधिक के घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके सुपुत्र तेजस्वी यादव के फंसने की पूरी संभावना है। इस घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल के कद्दावर नेता, राज्य के पूर्व मंत्री और उजियारपुर के विधायक आलोक मेहता के सीधे तौर पर लिप्त होने की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच कर रहा है। ईडी ने राजद विधायक आलोक मेहता के 16 ठिकाने पर छापेमारी की। ईडी की अलग-अलग टीमों ने पूर्व मंत्री आलोक मेहता के पटना, समस्तीपुर, वैशाली, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के 16 ठिकानों पर छापा मार कर महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए और आवश्यक जांच-पड़ताल की।

राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, पुत्र बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, बड़ी बेटी एवं पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती वगैरह की जांच ईडी कर रहा है। अन्य घोटालों के साथ रेलवे भर्ती के लैंड फॉर जॉब घोटाले में भी लगातार पूछताछ चल रही है। कोऑपरेटिव बैंक घोटाले के आरोपी राजद विधायक और पूर्व मंत्री आलोक मेहता लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के काफी करीबी रहे हैं।

आलोक मेहता दि वीएसवी को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष थे। भारतीय रिजर्व बैंक से रजिस्टर्ड इस को-ऑपरेटिव बैंक में करीब 100 करोड़ का घोटाला सामने आया था, जिसके बाद आरबीआई ने इसके कारोबार पर रोक लगा दी थी। इसमें हजारों निवेशकों के करीब 100 करोड़ की रकम गायब हुई थी। दो कोल्ड स्टोरेज के नाम पर 60 करोड़ का गबन और फर्जी गारंटी-कागजातों पर लोन निकासी का मामला सामने आया था। ▶10पर

लोकपाल कानून की 'सीमाओं' को लेकर आया महत्वपूर्ण फैसला

पीएम जांच के दायरे में सुप्रीम कोर्ट के जज नहीं

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

लोकपाल संगठन के अध्यक्ष जस्टिस एएम खानविलकर ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि देश के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के बाकी जज लोकपाल की जांच के दायरे में नहीं आते। लोकपाल ने यह फैसला पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के खिलाफ दर्ज करवाई गई एक शिकायत पर सुनाया है। उनके खिलाफ शिकायत तब की गई थी जब वह मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे। लोकपाल ने यह शिकायत खारिज कर दी। लेखपाल ने कहा, प्रधानमंत्री तक लोकपाल की जांच के दायरे में आते हैं, लेकिन लोकपाल कानून के प्रावधानों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के जज लोकपाल की जांच की परिधि में नहीं आते।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ जांच की मांग खारिज

सुप्रीम कोर्ट के जज लोकपाल की जांच के दायरे में नहीं

लोकपाल ने इस शिकायत को लेकर कहा, असल मुद्दा जिसका उत्तर सबसे पहले दिया जाना चाहिए, वह यह है कि मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के जज लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम-2013 की धारा 14 के अनुसार लोकपाल की जांच के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आते हैं। लोकपाल कानून की धारा 14 में उन पदों के नाम नाम लिखे हैं, जिनके खिलाफ लोकपाल जांच हो सकती है। लोकपाल कानून की धारा 14 में लिखा है कि देश के प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सांसद और ग्रुप ए, बी, सी और डी के अधिकारी/कर्मचारी तथा किसी सोसायटी, ट्रस्ट, बोर्ड, बॉडी के सदस्य या चेयरमैन समेत और किसी भी शख्स, जिसके खिलाफ भ्रष्टाचार या रिश्व-तखोरी का आरोप है, उसके खिलाफ लोकपाल जांच कर सकता है।

मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ की गई शिकायत पर सुनवाई में लोकपाल ने इसी धारा 14 का हवाला देते हुए कहा कि जांच सिर्फ उनके खिलाफ हो सकती है जिनका नाम इस कानून में लिखा है। लोकपाल ने कहा कि इसमें मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के जज का नाम नहीं लिखा गया ऐसे में यह इसके अंतर्गत नहीं आते। इसके अलावा लोकपाल ने 2013 के कानून में दी गई बॉडी की परिभाषा को भी सुप्रीम कोर्ट के ऊपर नहीं लागू पाया। लोकपाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट न ही संसद के किसी अधिनियम से बना है और न ही वह पैसे के लिए केंद्र सरकार पर निर्भर है, ऐसे में वह बॉडी की परिभाषा में नहीं आता।

लोकपाल ने यह सभी तर्क रखते हुए अपने फैसले में कहा, ऐसे में इस दृष्टांत के अनुसार मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के बाकी कार्यरत जज लोकपाल की जांच के दायरे में नहीं आएंगे। लोकपाल ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के खिलाफ दायर की शिकायत भी ख़ारिज कर दी। लोकपाल ने कहा कि हाई कोर्ट के जजों के मामलों में यह नियम लागू नहीं होगा। इस शिकायत में आरोप था कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपनी शक्तियों का गलत ▶10पर

पुराना फैसला बदलने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता नहीं

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने पर विचार करने से इन्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के पुराने निर्णय को चुनौती देने वाली समीक्षा याचिकाओं में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायालय समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं देने के अपने पुराने फैसले की समीक्षा करे। शीर्ष न्यायालय ने इन याचिकाओं पर विचार करने से इन्कार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने चैंबर में समीक्षा याचिकाओं पर विचार किया। इसके बाद इन्हें खारिज कर दिया। अपने पुराने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने का कोई संवैधानिक आधार नहीं है। जुलाई 2024 में जस्टिस संजीव खन्ना ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद इन समीक्षा याचिकाओं की सुनवाई के लिए एक नई पीठ का गठन किया गया था। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा अक्टूबर 2023 का फैसला सुनाने वाली मूल पीठ के एकमात्र सदस्य हैं, क्योंकि अन्य सभी सदस्य (सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एसके कौल, रवींद्र भट और हिमा कोहली) सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

समीक्षा पीठ ने कहा कि उसने उसने समलैंगिक विवाह पर पुराने निर्णयों को ध्यान से पढ़ा है और इन निर्णयों में कोई त्रुटि नहीं मिली। पीठ के आदेश में कहा गया है, हमें रिकॉर्ड में कोई त्रुटि स्पष्ट नहीं मिली। हम आगे पाते हैं कि दोनों निर्णयों में व्यक्त किए गए विचार कानून के अनुसार हैं और इस तरह कोई हस्तक्षेप उचित नहीं है। दरअसल, 17 अक्टूबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि यह विधायिका का मामला है। हालांकि, बेंच के सभी जज इस बात पर सहमत थे कि भारत सरकार समलैंगिक रिश्ते में शामिल व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करने के लिए एक समिति का गठन करे।

सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से यह भी माना था कि समलैंगिक जोड़ों को हिंसा, जबरदस्ती या धमकी के बिना सहवास करने का अधिकार है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे संबंधों को विवाह के रूप में औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिए कोई निर्देश पारित करने से परहेज किया। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एसके कौल ने समलैंगिक जोड़ों के नागरिक संघ बनाने के अधिकार को मान्यता देने पर सहमत थे, लेकिन अन्य तीन न्यायाधीश असहमत थे।इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में कई समीक्षा याचिकाएं दायर की गईं। इन याचिकाओं में समलैंगिक जोड़ों के साथ होने वाले भेदभाव को स्वीकार करने के बावजूद उन्हें कोई कानूनी सुरक्षा प्रदान नहीं करने के निर्णय को गलत ठहराया गया। उन्होंने तर्क दिया कि यह मौलिक अधिकारों को बनाए रखने और उनकी रक्षा करने के न्यायालय के कर्तव्य का परित्याग है। इन याचिकाओं में यह भी तर्क दिया गया था कि निर्णय विर-ोधाभासी और स्पष्ट रूप से अन्यायपूर्ण है। न्यायालय ने माना कि सरकार द्वारा भेदभाव के माध्यम से याचिकाकर्ताओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है, लेकिन इस भेदभाव को प्रतिबंधित करने का तार्किक अगला कदम उठाने में विफल रहा।

अरविंद केजरीवाल के मुंह से फिर निकली शौचोक्ति

बिहार यूपी वाले सब फर्जी वोटर हैं

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

बेजा और अवांछित बयानों के लिए कुख्यात दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के सरगना अरविंद केजरीवाल के मुंह से एक बार फिर आपत्तिजनक बात निकली है। केजरीवाल ने दिल्ली में रहने वाले बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों को फर्जी मतदाता बताया है। केजरीवाल की इस शौचोक्ति से राजनीतिक सामाजिक जगत से तमाम निंदा प्रस्ताव जारी हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि दिल्ली में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बसा कर उन्हें मतदाता बनवाने वाले अरविंद केजरीवाल यूपी बिहार के लोगों को फर्जी मतदाता बता रहे हैं।

आम आदमी पार्टी (आपा) के मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में जारी विधानसभा चुनावों के नाम पर स्कैम का आरोप लगाया है। यूपी-बिहार के लोगों को फर्जी वोटर बताते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर हेराफेरी कर रही है और स्थानीय चुनाव अधिकारी भाजपा के सामने घुटने टेक दिए हैं। इस बयान पर भाजपा ने केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में सिर्फ एक लाख मतदाता हैं और इसमें से साढ़े पांच लाख वोट काट रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनावी अधिकारियों ने जब इन मामलों में सुनवाई की तो पता चला इन लोगों में से किसी ने वोटर लिस्ट में से अपना नाम हटाने का आवेदन नहीं दिया था। केजरीवाल का कहना है कि इन लोगों के नाम से फर्जी आवेदन दिया गया था। केजरीवाल ने कहा, बहुत बड़े स्केल पर स्कैम चल रहा है। बहुत बड़ा फ्रॉड चल रहा है। पिछले 15 दिनों में 13000 नए वोटरों का नाम जोड़ने के लिए आवेदन आए हैं। ये लोग अचानक कहां से आ गए? जाहिर है ये यूपी-बिहार से ला-ला कर वोटर बनवा रहे हैं। यूपी और आसपास के स्टेट से ला-ला कर फर्जी वोटर खड़ा करा रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, विधानसभा में 18.5 प्रतिशत वोट इधर-उधर कर दिए जाएं तो ये चुनाव थोड़े ही है, ये तो तमाशा है, नाटक है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, दिल्ली में चुनाव के नाम पर स्कैम हो रहा है। भाजपा बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट में हेराफेरी कर रही है। स्थानीय चुनाव अधिकारियों ने भाजपा के सामने घुटने टेक दिए हैं। आज चुनाव आयोग से मिलकर शिकायत की है। अगर चुनाव आयोग ने तुरंत कार्रवाई नहीं की तो दिल्ली में लोकतंत्र की हत्या हो जाएगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और सांसद संजय सिंह के साथ चुनाव आयुक्त से मिलने के लिए गए। वहां उन्होंने भाजपा को लेकर कई शिकायतें कीं। केजरीवाल ने कहा, हमारे कुछ मुद्दे थे। इनमें से एक था दिल्ली विधानसभा के अंदर 15 दिसंबर से 7 जनवरी के बीच यानी 22 दिन में 5500 वोट काटने के लिए यूपी बिहार से लोग आ गए हैं।

अरविंद केजरीवाल द्वारा यूपी-बिहार के लोगों को फर्जी वोटर कहने पर भाजपा ने जबरदस्त पलटवार किया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, दिल्ली में रह रहे यूपी-बिहार के लोग अरविंद केजरीवाल के लिए फर्जी! ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27^0

न्यूनतम : 17^0

योगी सरकार ने तलब की 1978 के संभल दंगों की रिपोर्ट

कश्मीर की तरह मारे काटे गए थे संभल के हिंदू

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में 1978 में हुए दंगों के बारे में पूरी रिपोर्ट तलब की है। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य श्रीचंद्र शर्मा के नोटिस पर यह निर्देश दिया है। करीब 47 साल पहले यह दंगा होली के बाद 29 मार्च को शुरू हुआ था। 184 लोगों की हत्या की गई थी। करीब 30 दिनों तक कर्फ्यू लगा रहा था।

योगी सरकार ने 47 साल बाद इन दंगों की दोबारा जांच के निर्देश दिए हैं। संभल के पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई ने कहा कि विधान परिषद सदस्य श्रीचंद्र शर्मा ने 17 दिसंबर को जो पत्र दिया था, उसके बाद शासन ने आख्या (रिपोर्ट) मांगी है। इसमें कहा गया है कि 1978 के दंगों से जुड़ी जो भी सूचना है वह उपलब्ध कराएं। ये सूचनाएं संकलित की जा रही हैं और इसके बाद सरकार को उपलब्ध करवाया जाएगा।

मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय सिंह ने 8 जनवरी 2025 को संभल के जिलाधिकारी डॉक्टर राजेंद्र पेंसिया को इस दंगे से जुड़े सभी रिकॉर्ड सौंपने को कहा है। दंगे से मामलों की फिर से जांच की जा रही है। कमिश्नर आंजनेय सिंह ने इस मामले को लेकर एक बैठक भी बुलाई है। इससे पहले 7 जनवरी को संभल के एसपी केके बिश्नोई ने डीएम पेंसिया को पत्र लिखकर बताया था कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य श्रीचंद्र शर्मा ने 1978 के दंगों की नए सिरे से जांच की मांग की है। शर्मा ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के गृह विभाग के उप सचिव और पुलिस अधीक्षक (मानवाधिकार) से पत्र मिलने का उल्लेख किया था। गृह विभाग के उप सचिव सत्येंद्र प्रताप सिंह ने एक सप्ताह के भीतर ▶10पर

मुस्लिम लीग की विचारधारा से नहीं चलेगा देश : योगी

मुस्लिम दोस्तों ने काटा था बनवारी गोयल का अंग-अंग

विवादित मस्जिदें महज ढांचा हैं मस्जिद नहीं : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सनातन धर्म से जुड़े प्रतीकों को शांतिपूर्वक वापस दिया जाना चाहिए और इसमें कोई विवाद नहीं होना चाहिए। सीएम योगी ने यह भी कहा कि जहाँ भी ऐसे दावे हैं, उन्हें मस्जिद न कह कर विवादित ढांचा कहा जाए। उन्होंने संभल की मस्जिद के विषय में आइन-ए-अकबरी का हवाला दिया है। उन्होंने चेताया है कि यह देश मुस्लिम लीग की विचारधारा से नहीं चलेगा। सीएम योगी ने प्रयागराज में आयोजित धर्म संसद में कहा, संभल में श्रीहरि विष्णु का 10वां अवतार जन्म लेने वाला है। यह हमारे पुराणों में उल्लेख है, कब विष्णु का कौन सा अवतार आएगा, ▶10पर

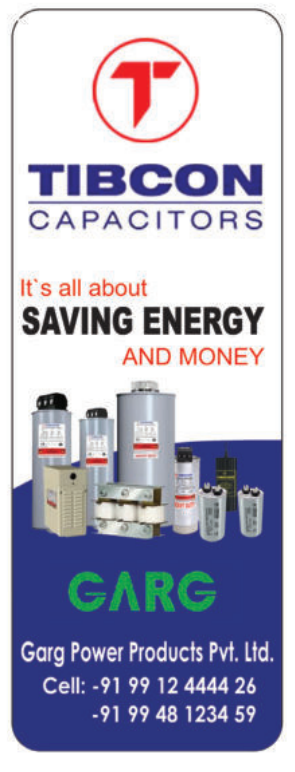

ब्रिटेन ने अवैध आव्रजन पर नकेल कसने के लिए नए प्रतिबंधों की घोषणा की

लंदन, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

ब्रिटेन की सरकार ने अवैध आव्रजन पर नकेल कसने के उपायों के तहत मानव तस्करी करने वाले गिरोहों से निपटने और ऐसे अपराध को बढ़ावा देने वाले अवैध वित्तपोषण को रोकने के लिए गुरुवार को नए प्रतिबंधों की घोषणा की है।

सरकार ने कहा है कि नए प्रतिबंध अनियमित प्रवासन और संगठित आव्रजन अपराध को लक्षित करने के लिए हैं, जिससे अधिकारियों को खतरनाक यात्राएं करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को लक्षित करने की अनुमति मिल जाएगी। नई प्रतिबंध व्यवस्था इस वर्ष के भीतर लागू होने की उम्मीद है।

सरकार के विशेषज्ञ कानून प्रवर्तन और परिचालन गृह कार्यालय के सहकर्मियों के साथ मिलकर वित्तीय प्रवाह को उनके स्रोत पर ही रोकने और यूरोप में खतरनाक समुद्री पारगमन सहित अनियमित प्रवासी आंदोलनों को सुविधाजनक बनाने वाले तस्करों को रोकने के लिए काम कर रहे हैं।

नये प्रतिबंध को लेकर प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा, हमें अपनी सीमाओं के उल्लंघन में मदद करने वाले अपराध गिरोहों को खत्म करना होगा। यूरोप भर में तस्करों को कमजोर लोगों की तस्करी करने की अनुमति देने वाले अवैध वित्तीय गिरोहों को कमजोर करके, हम परिवर्तन की अपनी योजना को पूरा करेंगे और यूके की सीमाओं को सुरक्षित करेंगे, प्रधान मंत्री कीर स्टारमर ने कहा। इसका मतलब है कि हम अपनी नीति निर्माण प्रक्रिया में साहसिक और अभिनव बनें ताकि हम कोई कसर न छोड़ें। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार आने वाले वर्षों में लोगों की जान बचाने और अपनी सीमाओं की रक्षा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप का हर एक दांव हुआ फेल, सुप्रीम कोर्ट ने कहा सजा तो होकर रहेगी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ लेने जा रहे हैं। इससे पहले एक ऐसी मुसीबत उनके सामने आ गई जिससे उनकी परेशानी बढ़ सकती है। इससे निपटने के लिए उन्होंने कई तरह के दांव चले हैं लेकिन उन्हे कामयाबी नहीं मिल पाई है। अब अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि ट्रंप को सजा तो होकर रहेगी। कभी हाईकोर्ट जाते हैं तो कभी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हैं। हश मनी केस में डोनाल्ड ट्रंप को फिर भी राहत नहीं मिल पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी डोनाल्ड ट्रंप पर रहम दिखाने से इनकार कर दिया है। जी हां, अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुने गए डोनाल्ड ट्रंप की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने न्यूयॉर्क में चल रहे हश मनी मामले में अपनी सजा टालने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 5-4 के फैसले में कहा कि डोनाल्ड ट्रंप को सजा सुनाई जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का मतलब है कि अब जज जुआन एम मर्चेन यानी शुक्रवार को ट्रंप 10 जनवरी को सजा सुना सकेंगे। ट्रंप को हश मनी केस मामले में दोषी ठहराया गया था। आरोप है कि ट्रंप ने पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 1.3 लाख डॉलर हश मनी (चुप रहने के बदले पैसे) के तौर पर देने की कोशिश की थी। ट्रंप ने डेनियल्स के साथ किसी भी तरह के संबंध होने या कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। हालांकि, जज मर्चेन पहले ही कह चुके हैं कि वो ट्रंप को जेल नहीं भेजेंगे और न ही उन पर कोई जुर्माना लगाएंगे या प्रोबेशन पर रखेंगे।

इटली की पीएम बोलीं- ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप ऐसा कुछ नहीं करेंगे

रोम। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की खूबसूरती के चर्चे अक्सर होते रहते हैं। ड्रेसिंग सेंस के साथ ही

उनके हावभाव तक को लोग नोटिस करते हैं। उनकी हर एक अदा पर सबकी निगाहें रहती हैं। ईयर एंड प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके एपियरेंस ने आकर्षित किया है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने डोमेस्टिक के साथ ही इंटरनेशनल मसलों पर भी अपनी राय व्यक्त की है। रूस-यूक्रेन से लेकर ग्रीनलैंड तक से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी। पीएम मेलोनी अपने बयान के लिए भी चर्चा में रहती हैं। ग्रीनलैंड का विवाद अभी गहराया हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसे अमेरिका के कब्जे में करने की बात कही है। साथ ही पनामा नहर को लेकर भी ट्रंप ने बड़ी बात कही है। पीएम मेलोनी ने उम्मीद जताई कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी रष्ट्रपति का पद संभालने के बाद ऐसा कुछ नहीं करेंगे। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड और पनामा नहर के मुद्दे पर चीन को टारगेट करते हुए बयान दिया है। पीएम मेलोनी ने कहा कि ट्रंप का लक्ष्य चीन था। पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर ट्रंप की ओर से दिए गए बयान पर भी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के रष्ट्रपति बनने के बाद वह यूक्रेन को यूं ही नहीं छोड़ देंगे। यूक्रेन के साथ अमेरिका पहले की ही तरह खड़ा रहेगा। पीएम जॉर्जिया मेलोनी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी अच्छी ट्यूनिंग है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून के वकीलों ने दूसरे हिरासत वारंट के खिलाफ निषेधाज्ञा दायर की

सियोल, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल के वकीलों ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने मार्शल लॉ लागू करने के लिए उन्हें हिरासत में लेने के लिए दूसरे वारंट के खिलाफ निषेधाज्ञा दायर की है। यून गैप-ग्यून और महाभियोग लगाए गए राष्ट्रपति की कानूनी बचाव टीम के अन्य सदस्यों ने विदेशी समाचार आउटलेट्स के साथ एक बैठक के दौरान यह टिप्पणी की।

जिसमें कहा गया कि संवैधानिक न्यायालय के साथ क्षमता विवाद पर निर्णय के लिए अनुरोध दायर किया गया था। पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रपति यून के विचारों को साझा करते हुए यून गैप-ग्यून ने कहा कि पहले और दूसरे वारंट जारी करने वाले न्यायाधीश और हमारे आपत्ति (पहले वारंट पर) को खारिज करने वाले न्यायाधीश ने न केवल गलत कानूनी व्याख्या की, बल्कि गलत कानूनी आवेदन भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून के बारे में अनुमान और अतिशयोक्तिपूर्ण व्याख्याएं हैं, जो इसे अवैध होने की अत्यधिक संभावना बनाती हैं। हमारी (वकीलों की) टीम ने पहले वारंट के विरुद्ध भी यही कदम उठाए लेकिन संवैधानिक न्यायालय ने वारंट समाप्त होने से पहले किसी भी अनुरोध पर कोई कार्रवाई नहीं की। दरअसल, 14 दिसंबर को नेशनल असेंबली द्वारा महाभियोग लगाए जाने के बाद से राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से नज़रों से दूर हैं। पत्रकारों को एक सवाल के जवाब में वकील यून गैप ने कहा कि राष्ट्रपति विश्वास करते हैं कि मार्शल लॉ लागू करना हमारे लोगों को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए मूड बनाने में भूमिका निभा रहा है। बता दें कि संसद द्वारा पिछले साल 14 दिसंबर को राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने के लिए मतदान करने के बाद यून की राष्ट्रपति पद की शक्तियों को निलंबित कर दिया गया था। इसी के बाद सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय ने मंगलवार को वारंट जारी किया जब जांचकर्ताओं ने अपने प्रारंभिक वारंट के विस्तार के लिए आवेदन किया, जो पिछले दिन समाप्त हो गया था। पिछले शुक्रवार को वारंट को निष्पादित करने का प्रयास विफल हो गया था, जब जब यून के अंगरक्षकों ने जांचकर्ताओं को आधिकारिक राष्ट्रपति निवास में प्रवेश करने से रोक दिया था।

लॉस एंजिल्स में जंगल की आग : बाइडेन की टीम तय करेगी अगला कदम

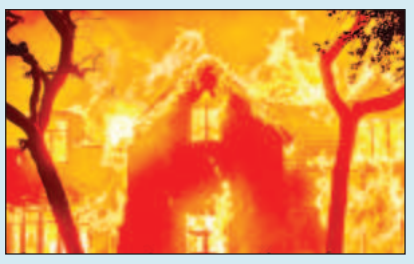

कैलिफोर्निया। लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी भीषण आग में काफी नुकसान हुआ है। इस आपदा पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की प्रतिक्रिया सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, सुबह, मुझे लॉस एंजिल्स के जंगल में लगी आग के नवीनतम प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। राष्ट्रपति जेम्स कार्टर की सेवा के बाद, वह अपनी टीम के साथ एक और ब्रिफिंग आयोजित करेंगे और देशवासियों के लिए इस आपदा पर प्रतिक्रिया पर अपने विचार साझा करेंगे। कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन (कैल फायर) ने जानकारी देते हुए कहा कि अग्नि की प्रकृति जिसमें छोटी और लंबी दूरी से आग का पता लगाना भी शामिल है, एक चुनौती बना हुआ है। लॉस एंजिल्स शहर के पश्चिम में 32 किमी दूर स्थित एक समृद्ध समुदाय में, कई ऐतिहासिक स्थल, जिनमें ग्रीक और रोमन प्राचीन वस्तुओं को प्रदर्शित करने वाला शानदार गेट्टी विला संग्रहालय और मध्य शताब्दी का आधुनिक ईम्स हाउस भी आग के खतरे में है। वह, इस भयानक आग से पैलिसेड्स के तीन स्कूलों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। अग्निशमन और पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार शाम को लगी ईटन की आग ने लॉस एंजिल्स के दो पड़ोसी शहरों अल्तादेना और पासाडेना के पास 10,600 एकड़ (42.9 वर्ग किमी) से अधिक क्षेत्र को जला दिया, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि जंगलों में लगी आग अब विकराल रूप ले चुकी है। यह आग फैलकर अब लॉस एंजेलिस और हॉलीवुड हिल्स में तबाही मचा रही है, जिससे हजारों लोग पलायन को मजबूर हैं। वहीं अब तक 5 लोगों की मौत कर खबर है।

जल्द खत्म होगा रूस-यूक्रेन युद्ध, ट्रंप से मिलना चाहते हैं पुतिन

रूसी राष्ट्रपति ने कहा था-दूसरे पक्ष को भी समझौते के लिए तैयार रहना चाहिए

वाशिंगटन, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उनसे मिलना चाहते हैं। इसके लिए बैठक का शेड्यूल तैयार करवाया जा रहा है। ट्रंप ने मार-ए-लागो में रिपब्लिकन गवर्नर्स के साथ बैठक से पहले कहा कि पुतिन मुझसे मिलने को बेताब हैं। पुतिन सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं। हमें इस युद्ध को खत्म करना होगा, इसने बहुत तबाही मचा दी है। ऐसे में हम इस मुलाकात का शेड्यूल तैयार कर रहे हैं। ट्रंप ने इस बैठक के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई।

ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। व्हाइट हाउस में उनकी वापसी से 22 फरवरी 2022 को शुरू हुए यूक्रेन पर रूस के हमले के राजनयिक समाधान की उम्मीद की जा रही है। बता दें कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को 175 अरब डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद देने का वादा किया था, जिसमें 60 अरब डॉलर से ज्यादा की सुरक्षा सहायता भी है। हालांकि, ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद इसे लेकर असमंजस है कि क्या यूक्रेन को अमेरिका की ओर से मिलने वाली मदद जारी रहेगी या नहीं।

रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा था कि पुतिन, ट्रंप के मिलने की उनकी इच्छा का स्वागत करते हैं लेकिन अभी तक ट्रंप की ओर से इस तरह का कोई औपचारिक अनुरोध नहीं आया है। इससे पहले पिछले महीने पुतिन ने कहा था कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए ट्रंप के साथ संभावित वार्ता में यूक्रेन को लेकर समझौता करने के लिए तैयार हैं, लेकिन यूक्रेनी अधिकारियों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए उनकी कोई शर्त नहीं है।

पुतिन ने कहा था कि लगता है जो यूक्रेनी नागरिक लड़ना चाहते हैं वे भाग जाएंगे। कोई भी ऐसा नहीं बचेगा जो लड़ना चाहता हो। हम तैयार हैं, लेकिन दूसरे पक्ष को भी बातचीत और समझौते दोनों के लिए तैयार रहना चाहिए। पुतिन कई बार कह चुके हैं कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं। वहीं, ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को जल्द खत्म करने की कसम खाई है, लेकिन इस जंग को किस तरह खत्म करना है, इसे लेकर अभी तक उन्होंने कोई खाका पेश नहीं किया है।

एलन मस्क ने वोक वायरस पर हमला कर जर्मनी की राजनीति में मचाई हलचल

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बंद करने के फैसलों को अजीब और गलत बताया

वाशिंगटन, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

टेस्ला का मालिक एलन मस्क ने जर्मनी की राजनीति में अपने तीखे बयान से हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया एक्स पर एक लाइव स्पेस में एलन मस्क ने जर्मनी की दक्षिणपंथी नेता ऐलिस वीडेल का समर्थन करते हुए कहा कि वोक वायरस ने जर्मनी को बुरी तरह प्रभावित किया है।

मस्क ने ऐलिस वीडेल को जर्मनी को चलाने में सबसे योग्य उम्मीदवार बताया और जर्मन नागरिकों से उनके पक्ष में वोट करने की अपील की है। मस्क और वीडेल ने जर्मनी की ऊर्जा नीति, शिक्षा

प्रणाली और सांस्कृतिक रुझानों पर खुलकर बातचीत की। मस्क ने जर्मनी द्वारा परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बंद करने के फैसलों को सबसे अजीब और गलत कदम बताया है।

वीडेल ने जर्मनी की शिक्षा प्रणाली को वामपंथी और वोक एजेंडा से प्रभावित बताया। उन्होंने कहा कि की पीढ़ी जेंडर स्टडीज जैसे विषयों पर ध्यान देती है, लेकिन असली शिक्षा से वंचित हो रही है। मस्क ने भी उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा कि वोक माइंड वायरस ने जर्मनी में संस्कृति और नीति को गहरा नुकसान पहुंचाया है। मस्क ने वीडेल की पार्टी एएफडी के लिए भी खुलकर समर्थन किया है। यह पार्टी अपने दक्षिणपंथी रुझानों और प्रवास विरोधी विचारों के लिए जानी जाती है। जर्मनी के आगामी चुनावों से पहले, एएफडी दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर रही है।

एलन मस्क की टिप्पणियों ने पूरे यूरोप में विवाद खड़ा कर दिया है। स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज़ ने मस्क पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है, जबकि फ्रांस ने यूरोपीय संघ को बाहरी हस्तक्षेप से बचाने के लिए कदम उठाने की मांग की है। वोक शब्द जो सतर्कता और सामाजिक न्याय के लिए खड़ा है, पश्चिमी समाज में एक सांस्कृतिक विवाद का केंद्र बन गया है। समर्थकों का कहना है कि यह नस्लवाद और सामाजिक असमानता के खिलाफ एक प्रगतिशील विचार ।

खौंफ में जी रहे पाकिस्तान के आर्मी चीफ, जहां जाते हैं पहले लॉकडाउन लगता है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में फिदायनी हमले लगातार बढ़ रहे हैं। हाल ही में पाकिस्तानी सेना का काफिला जब तुरबत शहर से 8-10 किलोमीटर दूर बेहमान इलाके से गुजर रहा था तभी बीएलए का फ़िदायीन हमला हो गया। जिसमें पाकिस्तानी फ्रंटियर फोर्स के 47 सैनिक मारे गए। 30 से ज्यादा के घायल होने हो जाते हैं। बलूचिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर तुर्बत का दौरा करने पहुंचे। यह दौरा बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा एक आत्मघाती हमले के बाद हुआ था। उनके तुर्बत आने से पहले सुरक्षा के इंतेजाम किए गए। पूरे शहर में लॉकडाउन लगा दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक तुर्बत आने से पहले शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई थी। कई इलाकों को पूरी तरह से लॉकडाउन में डाल दिया गया था। पाकिस्तानी फ्रंटियर कोर और पाकिस्तानी सेना ने तुर्बत के तालीमी चौक से डी-बालोच तक के रास्तों को सील कर दिया था। इसके अलावा ओवरसीज और सैटेलाइट टाउन जैसे इलाकों को पूरी तरह से घेर लिया गया था। घटना स्थल के नजदीकी इलाकों जिसमें शाही तुम्प, बहमन, डंक और गोददान में भी अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की गई थी। चीफ के दौरे से पहली सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम तो किए जाते हैं लेकिन ऐसा इंतजाम कि पूरे इलाक़े को लॉकडाउन कर दिया। आम यात्रियों की लंबी कतारें सड़कों पर लग गई थीं।

नेपाल-भारत वाणिज्य सचिव स्तरीय दो दिवसीय बैठक काठमांडू में शुरू हुई

काठमांडू, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल-भारत वाणिज्य सचिव स्तरीय बैठक शुक्रवार से काठमांडू में शुरू हुई है। इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार तथा परिवहन संधि की समीक्षा करके आवश्यक फेरबदल करने पर चर्चा की जानी है। से शुरू हुई अंतर सरकारी समूह की बैठक में व्यापार तथा परिवहन संधि की समीक्षा करना प्रमुख एजेंडा है।

इस बैठक का नेतृत्व भारत के वाणिज्य सचिव सुशील बरथवाल, जबकि नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य सचिव गोविंद बहादुर कार्की कर रहे हैं। दोनों तरफ से वाणिज्य के अतिरिक्त अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि भी मौजूद हैं। व्यापार तथा परिवहन संधि के किन प्रावधानों को बदलना है, उसको लेकर दोनों पक्षों के बीच चर्चा की जा रही है।

नेपाल के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता बाबूराम

अधिकारी ने बताया कि नेपाल ने भारत की ओर से नेपाली उत्पादों के निर्यात पर लगाई गई रोक को हटाने के लिए मांग की है, जिस पर भारत की तरफ से सकारात्मक रुख दिखाया गया है। नेपाल और भारत के बीच अवैध व्यापार को रोकने के लिए एक नए समझौते पर बैठक के आखिरी दिन शनिवार को हस्ताक्षर करने की भी तैयारी है। इस समझौते के तहत चीन से नेपाल के रास्ते भारत में होने वाले तस्करी को रोकने के लिए कानूनी मान्यता मिल जाएगी।

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

BS

Basai Steels And Power (P) Ltd.

MANUFACTURERS OF

BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm

SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS

A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037

Cell: 9848030471,7799555555

gopalagarwal@basaisteels.com

Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138

www.basaisteels.com

मुमताज ने तोड़ा था शम्मी कपूर का दिल, एक शर्त की वजह से ठुकरा दिया था शादी का प्रस्ताव!

बड़ी-बड़ी आंखें, चेहरे पर गजब का तेज, गरजती आवाज और गंभीर किरदार से बॉलीवुड पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले एक्टर शम्मी कपूर एक मस्तमौला इंसान 100 से ज्यादा फिल्मों में काम करने वाले महान एक्टर को रोमांटिक फिल्मों के बेताज बादशाह के रुप में जाना जाता था। लड़कियां उनकी एक झलक पाने के लिए मरमिटने को तैयार रहती थीं, लेकिन शम्मी कपूर का दिल तो किसी खास के लिए धड़कता है। हालांकि जब उन्होंने लड़की के सामने शादी का प्रपोजल रखा तो उनका दिल टूट गया, क्योंकि उस लड़की ने विवाह करने से इनकार कर दिया।

'याहू बॉय' के दिल में बसती थी ये एक्ट्रेस

हजारों लड़कियों के दिलों में बसने वाले 'याहू बॉय' के दिल में कोई और नहीं बल्कि एक्ट्रेस मुमताज ने जगह बना ली थीं। वह भी उन्हें प्यार करती थीं, लेकिन जब शम्मी कपूर ने

एक्ट्रेस के सामने शादी का प्रस्ताव रखा तो उन्होंने उसे ठुकरा दिया। दरअसल, इसके पीछे शम्मी कपूर की एक ऐसी शर्त थी, जो मुमताज को नगवार गुजरी तो, एक्ट्रेस ने याहू बॉय का दिल किस शर्त की वजह से तोड़ा था, जिसका खुलासा खुद उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान किया था।

आपको बता दें कि साल 2011 में दिए गए एक में मुमताज ने शम्मी कपूर के बारे में बात करते हुए बताया था कि, 'ब्रह्मचारी फिल्म क शूटिंग के समय शम्मी कपूर ने उन्हें सादी का प्रस्ताव दिया था। लेकिन उन्होंने उस प्रपोजल को ठुकरा दिया था।' एस्ट्रेस ने इसके पीछे की वजह बताते कहा, 'दरअसल, कपूर चाहते थे कि वह अपना करियर छोड़ दें। क्योंकि उन दिनों कपूर परिवार की महिलाएं काम नहीं करती थीं। शम्मी को अपने परिवार की इच्छाओं का सम्मान करना था और मुझे अपने करियर का।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'मैं और क्या कर सकती थी? मुझे अपना परिवार भी देखना था, हालांकि स्ट्रगल के दौरान भी मुझे 8 लाख रुपए मिलते थे, मैं अपने समय की सबसे कम फीस पाने वाली एक्ट्रेस थी।' मुमताज के इस फैसले से शम्मी का दिल टूट और उन्होंने फैसला किया कि वह कभी किसी एक्ट्रेस से शादी नहीं करेंगे और अपने इसी फैसले की वजह से उन्होंने साल 1974 में नीला देवी से शादी कर ली।

शिवांगी और कुशाल ने चोरी-छिपे रचाई शादी?

शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन टीवी के उन कपल्स में से एक हैं जो अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करना पसंद नहीं करते। अब तक भी शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन ने खुलकर अपने रिश्ते के बारे में बात नहीं की है। इसी बीच शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन की कुछ तस्वीरों ने हंगामा मचा दिया है। सोशल मीडिया पर शिवांगी और कुशाल टंडन की शादी की तस्वीरें वायरल हो रह हैं। इन तस्वीरों को देखकर फैंस के होश उड़ गई हैं। लोग कयास लगा रहे हैं कि शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन ने बिना किसी को बताए शादी कर ली है। आपको जानकर हैरानी होगी कि शिवांगी जोशी और टंडन की शादी की तस्वीरें असली नहीं हैं। बल्कि फैंस ने शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन की शादी की तस्वीरें AI से बनाई हैं।

इन तस्वीरों में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन शादी की अलग अलग रस्में निभाते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को देखकर फैंस के बीच मच गई है। शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन को लोग शादी की बधाई दे रहे हैं। इस तस्वीर में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन सगाई करते नजर आ रहे हैं। शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन के हाथ की अंगूठी तो देखते ही बन रही है। शिवांगी जोशी, कुशाल टंडन देखकर शर्मा गई हैं। हल्दी की रस्म के साथ साथ शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन के फैंस ने उनकी हल्दी की रस्म भी निभा डाली है। शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन का येलो लुक कमाल लग रहा है। फैंस ने तो शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन की मेहंदी की का भी आयोजन कर डाला है। इस तस्वीर में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन अपने हाथों पर मेहंदी लगाए नजर आ रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि शादी की तस्वीरों में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन एक साथ कमाल लग रहे हैं। अब तो लोग सच में शिवांगी और कुशाल टंडन की शादी का इंतजार करने लगे हैं। इस तस्वीर में शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन एक दूसरे को वरमाला पहनाते नजर आ रहे हैं। शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन का शादी का जोड़ा देखने लायक है।

नेगेटिव किरदार नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता देते हैं : रेवा कौरसे

टीवी शो में अलीशा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री रेवा कौरसे ने बताया कि नकारात्मक भूमिकाएं आपको प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती।रेवा ने कहा, एक कलाकार के तौर पर अलीशा का किरदार निभाना मेरे लिए एक रोमांचक अनुभव रहा है। वह कई वाली एक जटिल भूमिका है और उसके डार्क पक्ष को तलाशना चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद दोनों रहा।अभिनेत्री ने कहा, नकारात्मक भूमिकाएं आपको भावनाओं के साथ प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती।बता दें, दीवानियत की मौजूदा कहानी में रेवा अलीशा का किरदार निभा रही हैं। धारावाहिक को काफी पसंद किया जा रहा है। कई ट्विस्ट कहानी में आ रहे हैं। ताजा एपिसोड में अलीशा का देव (मुख्य किरदार) के प्रति जुनून हताशा में बदलता दिख रहा है। देव और मन्नत के बीच के बंधन को स्वीकार करने में असमर्थ अलीशा देव का प्यार की चाह में जोड़े के बीच दरार पैदा करने की ठान लेती है।अभिनेत्री ने अपने किरदार अलीशा को दिलचस्प बताया।अभिनेत्री ने कहा, मैंने अलीशा के किरदार के साथ बहुत कुछ सीखा है और इससे एक कलाकार के रूप में मेरे में काफी निखार आया। मैं दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया लिए आभारी हूं और उम्मीद करती हूं कि कहानी के आगे बढ़ने के साथ-साथ वे शो को समर्थन देते रहेंगे। देव के प्रति अलीशा का जुनून एक गहरी भावनात्मक उथल-पुथल से उपजा है और मैं उसकी यात्रा को पूरी ईमानदारी से निभा रही हूं।दीवानियत की कहानी जीत और मन्नत इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके बीच प्रेम का रिश्ता है मगर उनके परिवारों के बीच झगड़ा या आपसी मनमुटाव है। दीवानियत का प्रीमियर 11 नवंबर 2024 को स्टार प्लस पर हुआ था। यह डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है।इस सीरीज में कृतिका सिंह यादव, विजयेंद्र कुमेरिया और नवनीत मुख्य भूमिका में हैं। यह तमिल सीरीज ईरामना रोजवे का हिंदी रीमेक है।रेवा को प्यार का पहला अध्याय शिव शक्ति में निभाए किरदार के लिए भी जाना जाता है।

बॉडीकॉन ड्रेस पहने अमायरा दस्तूर ने बिखेरा हुस्न का जलवा

बॉलीवुड अभिनेत्री अमायरा दस्तूर हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स के सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हालांकि फैंस भी उनके हर एक लुक को देखकर अपनी नजरें उन पर से हटाने का नाम नहीं लेते। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका सेक्सी अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।अमायरा दस्तूर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंटरनेट पर शेयर करती हैं तो उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिंगल डोरी पर टिकी फ्लोरल ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।फोटोज में आप देख सकते हैं अमायरा दस्तूर अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज दे रही हैं।अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

दिलजीत दोसांझ का क्या है सीक्रेट?

दिल-लुमिनाटी टूर से दुनियाभर में अपनी छाप छोड़ने वाले पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ अब के सबसे पॉपुलर एक्टर बन चुके हैं। उन्होंने न सिर्फ कई गानों में अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेरा है, बल्कि उन्होंने कई फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा भी दिखाया है। सिंगर हर मामले में खुलकर अपनी बात रखते हैं, लेकिन दिलजीत को कभी भी अपनी पर्सनल लाइफ बारे में बात करते नहीं देखा गया। यही वजह है कि बहुत कम लोग जानते हैं कि दिलजीत शादीशुदा भी हैं और उनका एक बेटा भी है। तो चलिए दिलजीत दोसांझ की पर्सनल लाइफ से जुड़े कुछ सीक्रेट्स को खोलते हैं।

6 जनवरी 1984 को जालंधर के गांव दोसांझ कलां में में जन्में दिलजीत दोसांझ 41 साल के हो गए हैं। उन्होंने अपनी बेहतरीन गायिकी से पंजाबी इंडस्ट्री में तो खूब धूम मचाई ही थी, लेकिन कुछ सालों बाद उन्होंने बॉलीवुड भी कदम रखा और यहां उन्होंने एक्टिंग में भी किस्मत आजमाई जिसमें वह सफल रहे। वही अब सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ पूरी दुनिया में अपनी खास पहचान बना चुके हैं, लेकिन बहुत कम लोग हैं, जो उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में जानते हैं। दिलजीत दोसांझ जहां अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चुप ही रहते हैं, वहीं कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी शादी काफी कम उम्र में इंडियन-अमेरिकन महिला संदीप कौर के साथ हो गई थी। जिससे उनका एक बेटा भी है। 'रेडिट' पर समय पहले एक्टर की शादी की तस्वीरें भी वायरल हुई थी, लेकिन उन्होंने कभी इस बात को स्वीकार नहीं किया कि वह शादीशुदा और एक बच्चे के पिता हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दिलजीत दोसांझ को 'लक कुड़ी दा' के कारण जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसके बाद उन्होंने अपने परिवार की सेफ्टी को देखते हुए पत्नी और बच्चे को अमेरिका भेज दिया। हालांकि वहीं दूसरी कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है, कि दिलजीत और संदीप का साल में तलाक हो गया था और उनके बेटे की कस्टडी पत्नी को मिली है।

आपको बता दें कि साल 2019 में फरीदून शहरयार से बातचीत के दौरान कियारा आडवाणी ने गलती से एक बार खुलासा करते हुए यह कह दिया कि दिलजीत एक बेटे के पिता हैं। हालांकि कि सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन एक्टर की तरफ से अभी तक इस पर कोई भी बयान सामने नहीं आया है।

शाहरुख ने वेडिंग रिसेप्शन पर गौरी से कर दी थी ये डिमांड...

बी-टॉउन के कई स्टार्स का नाम बेस्ट कपल की लिस्ट में शामिल है, इसमें सबसे पहला नाम बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान और गौरी खान का आता है। इन दोनों ने धर्म की दीवार को तोड़कर एक दूसरे का साथ सात जन्मों तक निभाने का वादा किया। जो पिछले 33 सालों से बखूबी निभा भी रहे हालांकि एक वक्त ऐसा भी आया था, जब शायद इनके बीच धर्म आ गई थी और उस समय कुछ ऐसा हुआ था कि गौरी के माता-पिता के भी हाथ-पैर सुन्न पड़ गए थे।

यह मामला शाहरुख और गौरी खान की वेडिंग रिसेप्शन पार्टी के दौरान का है। 5 साल की कड़ी मेहनत और परिवार वालों को मनाकर शाहरुख और गौरी ने 25 अक्टूबर, 1991 को शादी कर ली थी। लेकिन जब दोनों की रिसेप्शन पार्टी तब उसमें शाहरुख खान से सबके सामने गौरी से ऐसी कर दी की हर कोई दंग रह गया। जिसके बारे में एक्टर ने खुद फरीदा जलाल के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बताया था।

शाहरुख ने बताया था कि, 'शादी के रिसेप्शन में कुछ लोग कह थे कि अब गौरी का नाम बदल दिया जाएगा और वो मुस्लिम बन जाएंगी। इस पर शाहरुख ने गौरी से कहा, 'चलो, बुर्का पहन लो और नमाज पढ़ो।' इसके बाद एक्टर ने गौरी से कहा, 'अब तुम्हारा नाम बदलकर आयशा कर देंगे, तुम नमाज पढ़ोगी और घर से बाहर निकलोगी।' एक्टर की ये बात सुनकर गौरी और उनके परिवार वालों समेत वहां मौजूद सभी लोग दंग रह गए थे।'हालांकि बाद में शाहरुख ने बताया कि उन्होंने छोटा सा प्रैंक किया था। उन्होंने बताया कि, 'उस वक्त रिसेप्शन सिर्फ इसी बात पर चर्चा चल रही थी, इसलिए उन्होंने मैंने माहौल बदलने के लिए गौरी के साथ छोटा सा मजाक किया था।' बता कि शादी के बाद गौरी ने ना तो अपना नाम बदला और ना ही धर्म, लेकिन वह अपने पति का सरनेम अपने नाम के साथ लगाती हैं। उनकी शादी को 33 साल हो चुके हैं, लेकिन उनके बीच का प्यार दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है।

शाहरुख और गौरी के 3 बच्चे हैं। बड़े बेटे का नाम आर्यन खान है, बेटी का सुहाना खान है और छोटे बेटे का नाम अबराम है। हालांकि यह बात बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि किंग खान के छोटे बेटे का जन्म सरोगेसी से हुआ था।

लोहड़ी 13 को मनाई जाएगी

लोहड़ी का पर्व मुख्य तौर पर उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। यह हर साल 13 जनवरी को मनाया जाता है और इसे सर्दियों के अंत और रबी की फसल की कटाई के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। लोहड़ी का पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह कृषि समाज की मेहनत, एकता और खुशहाली का भी उत्सव पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार लोहड़ी का त्योहार मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रांति को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का संकेत माना जाता है, जो नई फसल के और दिन के उजाले के बढ़ने का प्रतीक है। लोहड़ी 13 जनवरी को मनाई जाएगी, जबकि मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाएगी। लोहड़ी खुशियों का त्योहार है। यह त्योहार भगवान सूर्य और अग्नि को समर्पित है। सूर्य और अग्नि को ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है। त्योहार सर्दियों के जाने और बसंत ऋतु के आने का संकेत है। लोहड़ी की रात सबसे ठंडी मानी जाती है। इस त्योहार पर पवित्र अग्नि में फसलों का अंश अर्पित किया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से फसल देवताओं तक पहुंचती है।

13 जनवरी को लोहड़ी मनाई जाएगी और इस बार मकर सक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाएगी। इस दिन रात के समय सभी लोग एक जगह इकट्ठा होते हैं और आग जलाते हैं। हर साल लोहड़ी का त्योहार मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाता है। पंजाबी के लोग इस त्योहार को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। लोहड़ी के शुभ अवसर पर लोग एक-दूसरे को मिठाइयां भेंट करते हैं और शुभकामनाएं देते हैं। यह पर्व नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। इस दिन रात के समय सभी लोग एक जगह इकट्ठा हैं और आग जलाते हैं। इस अलाव में गेहूं की बालियां, रेवड़ी, मूंगफली, खील, चिक्की और गुड़ से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। पंजाबियों के लिए यह त्योहार काफी महत्व रखता है। इस त्योहार के दिन पंजाबी गीत और डांस का आनंद लिया जाता है। यह त्योहार मुख्यतः फसल की कटाई के मौके पर मनाया जाता है और रात को लोहड़ी जलाकर सभी रिश्तेदार और परिवार वाले पूजा करते हैं। लोहड़ी से कई लोक और पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हुई हैं जिनके कारण यह त्यौहार मनाया जाता है। भंगड़े के साथ डांस और आग सेंकते हुए खुशियां का पर्व है लोहड़ी।

पंजाब, हरियाणा और हिमाचल समेत पूरे देश में लोहड़ी की धूम है। इस त्योहार में मूंगफली, रेवड़ी, पॉपकॉर्न और मूंगफली खाने का व लोगों को प्रसाद में देने की विशेष परंपरा है। इससे पहले लोग शाम को सबसे आग में रेवड़ी व मूंगफली डालते हैं। चूंकि लोहड़ी को किसानों का प्रमुख त्योहार माना जाता हे इस ऐसे में फसल मिलने के बाद मनाए जाने वाले पर्व में आग देवता को किसान प्रसन्न करने के लिए लोहड़ी जलाते हैं और उसकी परिक्रम करते हैं। जलती लोहड़ी में गजक रेवड़ी को अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। लोहड़ी में भी होलिका दहन की तरह ही उपलों और लकड़ियों का छोटा ढेर बनाया जाता है। इसके आस पास परिवार के सभी सदस्य खड़े होते हैं और नाच गाकर खुशियां मनाते हैं। महिलाएं अपने छोटे बच्चों को गोद लेकर लोहड़ी की आग को तपाती हैं। माना जाता है इससे बच्चा स्वस्थ रहता है और उसे बुरी नजर नहीं लगती।

हिन्दू पौराणिक शास्त्रों में अग्नि को देवताओं का मुख माना गया है। ऐसे लोहड़ी मनाने वाले किसान मानते कि अग्नि में समर्पित किया गया अन्न का भाग देवताओं तक पहुंचता है। ऐसा करके लोग सूर्य देव व अग्निदेव के प्रति अपनी कृतज्ञता अर्पित करते हैं। पंजाब के लोगों का मानना है कि ऐसा करने से सभी का हक प्राप्त होता है साथ धरती माता अच्छी फसल देती किसी को अन्न की कमी नहीं होती। पंजाब में इस त्योहार को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। खास की शादी के बाद जिसकी पहली लोहड़ी है उसे अपने घर में रहकर लोहड़ी मनाना और बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना महत्वपूर्ण माना जाता है।

कौन था दुल्ला भट्टी

दुल्ला भट्टी मुग़ल शासक अकबर के समय में पंजाब में रहता था। उसे पंजाब के नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया था क्योंकि पहले बड़े और अमीर व्यापारी लड़कियां खरीदते थे। तब इस वीर ने लड़कियों को छुड़वाया और उनकी शादी भी करवाई। तरह महिलाओं का सम्मान करने वाले वीर को लोहड़ी पर याद किया जाता है। दुल्ला भट्टी अत्याचारी अमीरों को लूटकर, निर्धनों में धन बाँट देता था। एक बार उसने एक गाँव की निर्धन कन्या का विवाह स्वयं अपनी बहन के रूप में करवाया था।

किसानों के लिए खास है त्योहार

किसानों के लिए इस त्योहार का खास महत्व होता है। इस त्योहार को वह नई फसल के स्वागत के तौर पर देखते हैं। लोहड़ी का त्योहार सर्दियों के जाने और बसंत के आने के संकेत के तौर पर भी देखा जाता इस त्योहार पर लोग रात के वक्त अलाव जलाकर उसके चारों ओर परिक्रमा करते हुए नृत्य करते हैं। इस अलाव में गेहूं की बाली और मक्का भी डाली जाती है। पंजाबियों के लिए इस त्योहार का धार्मिक महत्व भी बहुत खास होता है।

लोहड़ी की परंपरा

पंजाब में लोहड़ी को तिलोड़ी भी कहा जाता है। ये शब्द तिल और रोड़ी से मिलकर बना है। रोड़ी, गुड़ और रोटी से मिलकर बना पकवान है। लोहड़ी के दिन तिल और गुड़ खाने और आपस में बांटने की परंपरा है। ये त्योहार दुल्ला भट्टी माता सती की कहानी से जुड़ा है। मान्यता है इस दिन ही प्रजापति दक्ष के यज्ञ में माता सती ने आत्मदाह किया था। इसके साथ ही इस दिन लोक नायक दुल्ला भट्टी, जिन्होंने मुगलों के आतंक से सिख युवतियों की लाज बचाई थी। उनकी याद में आज भी लोहड़ी पर्व मनाया जाता है।लोग मिल जुल कर लोक गीत गाते हैं और ढोलताशे बजाए जाते हैं।

कैसे मनाते हैं लोहड़ी

लोहड़ी का पर्व पौष माह की आखिरी रात को धूम-धाम से मनाया जाता है। लोहड़ी का पर्व शीत ऋतु समाप्ति और बसंत के आगमन के उपलक्ष में मनाया जाता है।

इस दिन लोग खेत-खलिहानों में एकठ्ठा हो कर एक साथ लोहड़ी का पर्व मनाते हैं। इस दिन शाम के समय लोंग आग जला कर उसके चारों ओर नाच गा कर लोहड़ी का पर्व मनाते हैं। इस आग में मूंगफली, खील, मक्की के दाने डाले जाने की परंपरा है। इसके साथ ही घरों में तरह-तरह के पकवान भी बनाए जाते हैं। लोग एक दूसरे के साथ मिलकर नाचते गाते हैं, खुशियां मनाते हैं।

पहली लोहड़ी का जश्न

ऐसा जाता है कि जिस घर में नई शादी हुई हो, शादी की पहली वर्षगांठ हो या संतान का जन्म हुआ हो, वहां तो लोहड़ी बड़े ही जोरदार तरीके स मनाई जाती है। लोहड़ी के दिन कुंवारी लड़कियां रंग-बिरंगे नए-नए कपड़े पहनकर घर-घर जाकर लोहड़ी मांगती हैं। माना जाता है पौष में सर्दी से बचने के लिए लोग आग जलाकर सुकून पाते हैं और लोहड़ी के गाने भी गाते हैं। इसमें बच्चे, बूढ़े सभी स्वर में स्वर और ताल में ताल मिलाकर नाचने लगते हैं। साथ ही ढोल की थाप के साथ गिद्दा और भांगड़ा भी किया जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

महाकुंभ का मुख्य आकर्षण है यह अक्षय वट

इस बार महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में हो रहा है। महाकुंभ के साथ-साथ प्रयागराज में संगम के किनारे स्थित अक्षय वट भी चर्चा का विषय है। क्योंकि इस वृक्ष से जुड़े कई प्रसंग मिलते हैं, जिन्हें पौराणिक काल से जोड़कर जाना जाता है।

इसलिए खास है अक्षयवट

त्रिवेणी संगम के पास स्थित होने के कारण यह वृक्ष तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है। मान्यता है कि महाकुंभ के दौरान अक्षयवट के दर्शन मात्र से व्यक्ति के पापों का नाश होता और जीवन-मरण के बंधनों से मुक्ति मिल जाती है। इस वक्ष को काफी पवित्र माना जाता है और इसकी परिक्रमा भी की जाती है। महाभारत और अन्य पुराणों में इस वृक्ष को ब्रह्मा, विष्णु और महेश द्वारा संरक्षित बताया गया है, जिस कारण इसे त्रिदेवों की कृपा का स्थान माना जाता है। साथ ही यह भी माना गया है कि इस अक्षय वट की पूजा-अर्चना से साधक को अक्षय पुण्य की प्राप्ति हो सकती है।

मिलती हैं ये कथाएं

अक्षय वट वृक्ष को लेकर प्रचलित कथा के अनुसार, जब अपने वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और के साथ प्रयागराज आए, तो उन्होंने इसी वट वृक्ष के नीचे विश्राम किया था। इसी के साथ यह स्थान कई ऋषि-मुनियों का तपस्थल भी रहा है। पौराणिक मान्यता है कि ऋषि मार्कंडेय ने इसी वृक्ष के नीचे तपस्या की थी। इसी के साथ जैन धर्म के अनुयायियों का मानना है कि उनके तीर्थंकर ऋषभदेव ने भी इसी अक्षय वट के नीचे तपस्या की थी, इसलिए इस स्थान को ऋषभदेव तपस्थली या तपोवन के नाम से भी जाना जाता है।

लोक आस्था का केंद्र

प्रयागराज में संगम के किनारे स्थित अक्षय वट को लेकर एक पौराणिक मान्यता और भी है, अनुसार जब सृष्टि के आरंभ में जल प्रलय हुआ, तो समूची पृथ्वी डूब गई थी, लेकिन तब केवल यह वट वृक्ष ही बचा था। तब इसके एक पत्ते पर ईश्वर बाल रूप में रहकर सृष्टि को देखते हैं। इसलिए यह वृक्ष, महाकुंभ के मुख्य आकर्षणों में से एक है, लोक आस्था का केंद्र भी बना हुआ है।

दिशाशूल की दिशा में यात्रा आवश्यक होने पर ऐसे उपाय करें...

आमतौर पर यात्रा में चन्द्रवास के साथ-साथ दिशाशूल भी देखा जाता है। जिस दिशा में दिशाशूल हो उस दिशा में यात्रा बचना चाहिए तथा आवश्यक होने पर दिशाशूल परिहार करके जाना चाहिए। सोमवार और शनिवार को पूर्व दिशा की तरफ यात्रा से बचें। रविवार और शुक्रवार को पश्चिम दिशा की तरफ यात्रा से बचें। मंगलवार और बुधवार को उत्तर दिशा की तरफ यात्रा से बचें। गुरुवार को दक्षिण दिशा की यात्रा करने से बचें। रविवार, गुरुवार और शुक्रवार को दोष रात में प्रभावी नहीं होते हैं। सोमवार, मंगलवार और शनिवार को दोष दिन में प्रभावी नहीं होते हैं। बुधवार को दिशाशूल में यात्रा से बचें। दिशाशूल की दिशा में यात्रा करना आवश्यक हो तो... रविवार को यदि पश्चिम दिशा जाना जरूरी है तो पान या घी खाकर जाएं।

सोमवार को दर्पण देख कर या दूध पीकर घर से यात्रा पर निकलें। मंगलवार को गुड़ खा कर यात्रा करें। बुधवार को धनिया या तिल खाकर यात्रा करें। गुरुवार को दही या जीरा खा कर यात्रा करें। शुक्रवार को जौ या दही पीकर यात्रा करें। शनिवार को अदरक या उड़द खा कर यात्रा करें।

स्नान-दान का पर्व

पौष पूर्णिमा 13 जनवरी को

हिंदू धर्म में पूर्णिमा का खास महत्व है। हर माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना और व्रत किया जाता मान्यता है कि ऐसा करने से साधक को सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पौष मास की पूर्णिमा सोमवार 13 जनवरी को है। इस पर्व का महत्व काफी अधिक है। इस पवित्र नदियों में स्नान और तीर्थ यात्रा करने की परंपरा है। मान्यता है कि पौष पूर्णिमा पर की गई तीर्थ यात्रा से अक्षय पुण्य मिलता है और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हिंदू धर्म में पौष पूर्णिमा का धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से विशेष महत्व है। यह पौष के शुक्ल पक्ष में पूर्णिमा तिथि के दिन पड़ती है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस दिन चंद्रमा पूर्ण रूप से अपनी ज्योति बिखेरता है। यही वजह है कि इस दिन भक्त धार्मिक अनुष्ठानों और स्नान-दान के लिए शुभ मानते हैं।

पौष पूर्णिमा शुभ योग

अगले साल पौष पूर्णिमा पर रवि योग और भद्रावास योग का संयोग बन रहा है। इन योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आएगी। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाएंगे। रवि योग को शुभ मानते हैं।

पौष पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

पौष माह की पूर्णिमा तिथि का आरंभ 13 जनवरी को सुबह 05:03 मिनट पर हो रहा है। वहीं, इस तिथि का समापन 14 जनवरी को प्रातः 03:56 मिनट पर ऐसे में पौष पूर्णिमा सोमवार 13 जनवरी को मनाई जाएगी।

पूर्णिमा व्रत की पूजा विधि

पौष पूर्णिमा दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि कर लें। यदि संभव हो तो किसी पवित्र नदी में स्नान कर सकते हैं, घर पर ही सामान्य जल में गंगाजल मिलाकर स्नान कर लें। इसके बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें और ॐ घृणिः सूर्याय नमः मंभ का जप करें।

इसके बाद एक चौकी पर साफ-सुथरा लाल कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद पूजा धूप, दीप नैवेद्य आदि अर्पित करें। शाम के समय पूजा के दौरान अपने समक्ष पानी का कलश रखें। विष्णु जी को पंचामृत, केला और पंजीरी का भोग अर्पित करें। इसके बाद पंडित को बुलाकर सत्यनारायण की कथा करवाएं और आसपास के लोगों को भी आमंत्रित करें। पूजा के बाद और अन्य लोगों में प्रसाद बांटे और दान-दक्षिणा दें।

महाकुंभ का आरंभ

13 जनवरी यानी पौष पूर्णिमा के दिन से साल 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ का आरंभ हो रहा है, जिसका समापन 25 फरवरी 2025 को होगा। बता कि हर 12 साल में महाकुंभ का आयोजन किया जाता है।

धार्मिक महत्व

पौष पूर्णिमा के दिन काशी, प्रयागराज और हरिद्वार में शाही स्नान किया जाता है। इसी के साथ इस दिन सूर्यदेव को जल अर्पित किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, पौष पूर्णिमा पर सूर्य और चंद्रमा दोनों की पूजा की जाती है। ऐसा करने से व्यक्ति को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही इस बार पौष पूर्णिमा से यानी 13 जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ मेला शुरु होने जा रहा है।

करें ये काम

पौष पूर्णिमा के सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर लें। यदि आप किसी पवित्र नदी में जाकर स्नान कर सकते हैं तो उत्तम है। वरना आप घर पर ही गंगाजल पानी में डालकर स्नान कर लें। फिर व्रत का लेकर सूर्यदेव को अर्घ्य दें। इसके बाद एक लकड़ी की चौकी पर पीले रंग के वस्त्र बिछाकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद पूजा में धूप, दीप नैवेद्य आदि अर्पित करें और अंत में पूर्णिमा की कथा पढ़ें।

धार्मिक अनुष्ठान: इस शुभ अवसर पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत करने से विशेष फल मिलता है।

स्नान-दान: ऐसा माना जाता है कि पौष पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

माघ मास की शुरुआत: पौष पूर्णिमा के बाद माघ मास का आरंभ है, जो स्नान और तप के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।सत्यनारायण व्रत कथा: इस दिन सत्यनारायण भगवान की पूजा और कथा सुनने से घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

संपादकीय

स्त्री विरोधी अश्लील बदजुबानी

दिल्ली अद्र्धराज्य का चुनाव गरमाने नहीं, उबलने लगा है। दिल्ली में कौन 'आपदा' है और कौन 'बदनसीब', 'घोटालेबाज' है? इन सवालों का विश्लेषण करने से पहले हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहेंगे कि क्या भाजपा बदजुबान नेताओं की भी पार्टी है? प्रधानमंत्री ऐसे नेताओं पर खामोश ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें चुनाव में प्रत्याशी भी बनाया गया है। फिलहाल रमेश बिधूड़ी भाजपा के सबसे बदजुबान, असभ्य, अमर्यादित नेता के तौर पर कुख्यात हैं। वह दो बार लोकसभा सांसद और 3 बार विधायक रह चुके हैं। नौसीखिया, बचकाना या अपरिपक्व नेता नहीं हैं। भाजपा ने उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस की अलका लांबा भी मुकाबले में हैं। बिधूड़ी ने एक सार्वजनिक मंच से कहा कि वह कालकाजी की सारी सडक़ें प्रियंका गांधी के गालों जैसी बनवा देंगे। यह अश्लील, असंगत उपमा देते हुए बिधूड़ी ने लालू यादव का उदाहरण दिया, जिन्होंने 2005 में बिहार की सडक़ें हेमामालिनी के गालों जैसी बनाने की घोषणा की थी। वह उपमा भी अश्लील थी और इस बार की उपमा भी भद्दी, महिला-विरोधी है। बिधूड़ी के बयान पर जबरदस्त राजनीतिक बवाल मचा, तो उन्होंने बयान वापस लेते हुए खेद व्यक्त किया, माफी नहीं मांगी। खेद जताने से ही अपराध की विद्रूपता कम नहीं हो सकती। बहरहाल इस प्रकरण के कुछ देर बाद ही बिधूड़ी ने उस मंच से, जहां से प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन तय था, एक बार फिर बदजुबानी की और कहा कि आतिशी ने तो अपना बाप ही बदल लिया। यह एक महिला का नहीं, दिल्लीवालों और वहां की मुख्यमंत्री का अपमान है। यह भद्दा, कुत्सित, महिला-विरोधी, आधी आबादी-विरोधी बयान लोकतंत्र का भी अपमान है। क्या ऐसी बदजुबानी पर प्रधानमंत्री भाजपा को वोट देने और आप-दा को बाहर करने का आह्वान कर सकते हैं? क्या दिल्ली की महिलाओं को ऐसे 'आदतन अपराधियों' को वोट देने चाहिए? दरअसल रमेश बिधूड़ी ऐसी बदजुबानी के 'आदी' हो गए हैं। उन्होंने बीती लोकसभा में विपक्षी सांसद दानिश अली को 'ओए...ओए..' कहकर संबोधित किया था और समूचे मुस्लिम समाज को 'आतंकवादी' करार दिया था। बिधूड़ी के खिलाफ एक जांच-समिति बिठाई गई, लेकिन उसका निष्कर्ष और निर्णय क्या रहा, क्या कार्रवाई की गई, आज तक कोई सार्वजनिक जानकारी नहीं है। बेशक भाजपा ने उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाया, क्योंकि क्षेत्र में उनके खिलाफ जन-लहर महसूस की जा रही थी। अब विधानसभा चुनाव में उन्हें क्यों उतारा गया? यानी भाजपा बिधूड़ी की बदजुबानी को 'असभ्य, असामाजिक, अश्लील' बयानबाजी नहीं मानती। इस बार बिधूड़ी ने जो बयान दिए हैं, वे एक औसत महिला के सम्मान, स्वाभिमान और चरित्र पर करारा प्रहार करते हैं, जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल की राजनीति में भाजपा को महिलाओं ने लबालब वोट दिए हैं, जिन्होंने भाजपा की जीत सुनिश्चित की है। विडंबना तो यह है कि संसद में स्पीकर और संसद के बाहर, सार्वजनिक जीवन में, चुनाव आयोग ऐसी बदजुबानी का संज्ञान ही नहीं लेते, दंडित करना तो बहुत दूर की कौड़ी है। अश्लील बयानबाजी सिर्फ प्रियंका गांधी तक ही सीमित नहीं है। कांग्रेस के नेता भी अब कंगना रनौत और कैटरीना कैफ के गालों की उपमाएं दे रहे हैं, क्योंकि हेमामालिनी बूढ़ी हो गई हैं। महिलाओं को 'परकटी' भी कहा गया है।

दिल्ली में कौन 'आपदा' है और कौन 'बदनसीब', 'घोटालेबाज' है? इन सवालों का विश्लेषण करने से पहले हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहेंगे कि क्या भाजपा बदजुबान नेताओं की भी पार्टी है? प्रधानमंत्री ऐसे नेताओं पर खामोश ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें चुनाव में प्रत्याशी भी बनाया गया है। फिलहाल रमेश बिधूड़ी भाजपा के सबसे बदजुबान, असभ्य, अमर्यादित नेता के तौर पर कुख्यात हैं। वह दो बार लोकसभा सांसद और 3 बार विधायक रह चुके हैं। नौसीखिया, बचकाना या अपरिपक्व नेता नहीं हैं। भाजपा ने उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस की अलका लांबा भी मुकाबले में हैं। बिधूड़ी ने एक सार्वजनिक मंच से कहा कि वह कालकाजी की सारी सडक़ें प्रियंका गांधी के गालों जैसी बनवा देंगे। यह अश्लील, असंगत उपमा देते हुए बिधूड़ी ने लालू यादव का उदाहरण दिया, जिन्होंने 2005 में बिहार की सडक़ें हेमामालिनी के गालों जैसी बनाने की घोषणा की थी। वह उपमा भी अश्लील थी और इस बार की उपमा भी भद्दी, महिला-विरोधी है। बिधूड़ी के बयान पर जबरदस्त राजनीतिक बवाल मचा, तो उन्होंने बयान वापस लेते हुए खेद व्यक्त किया, माफी नहीं मांगी।

एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है

नये चीनी वायरस से चिन्ता में डूबी दुनिया

ललित गर्ग

नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है।

मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना को झेल चुकी दुनिया पर एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण की खबर ने दुनियाभर को चिंता में डूबो दिया है, बाजार से लेकर सामान्य जन-जीवन तक में डर, खौफ, अफरा-तफरी एवं असमंजस्य का माहौल व्याप्त है। कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीवी भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों की खबरों के बाद, भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति पर लगातार अपडेट देने का अनुरोध किया है। नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए है। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ति लोगों की खबरें आ रही है। भारत में भी चीन का खतरनाक वायरस एचएमपीवी पहुंच गया है। खबरों की मानें तो बेंगलुरु में 8 महीने का एक बच्चा एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाया गया है। बच्चे का ब्लड टेस्ट किये जाने के बाद ये दावा किया जा रहा है। यह

भारत में एचएमपीवी वायरस का पहला मामला है। हालांकि, भारत में एचएमपीवी वायरस के मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई। चीन में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड सहित कई वायरस फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएमपीवी मामलों में वृद्धि के कारण अचानक मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा 40 से 80 वर्ष की आयु के लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित हुए हैं। चीन की जिम्मेदार एजेंसियां इस वायरस के दुष्प्रभाव को घटाने में लगी हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि चीन इस रोग पर लगाम लगाने में कामयाब हो जाएगा। चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संदिग्ध को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके। एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके सम्पर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक होते जा रहे हैं। चीन ने साफ तौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर मानें, तो इस वायरस का संक्रमण अक्तूबर महीने से ही बढ़ रहा है। अच्छा यही है कि यह बीमारी मौसमी साबित हो और कम से कम लोगों के जीवन पर असर डाले। कोरोना महामारी तो महाविनाश का कारण बनी थी, एचएमपीवी ऐसा अनर्थ ना करें। चीन की साख कोरोना महामारी के कारण बहुत गिरी थी, दुनियाभर में लोगों के स्वास्थ्य पर हमला करने वाला चीन दुनिया की नजरों से गिर गया था। आखिर चीन अच्छी-अच्छी वस्तुओं, तकनीक एवं साजोसामान का निर्यात करते-करते महामारियों का निर्यातक क्यों बन गया? स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक क्रांति के लिये अग्रणी चीन अपने यहां आए दिन हो रहे ऐसे संक्रमण को लेकर सजग क्यों नहीं है? अब यह सवाल बिल्कुल जायज है कि वैज्ञानिक या कृत्रिम तरक्की की होड़ में कहीं चीन अपने लोगों के बुनियादी स्वास्थ्य की अनदेखी तो नहीं कर रहा है? कहीं चीनियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त या बहुत कम तो नहीं हो गई है? वे बार-बार किसी-न-किसी प्रकार की महामारी की चपेट में आ रहे हैं और सम्पूर्ण मानव जाति को इससे पीड़ति बना रहे है तो यह गंभीर बात है। क्या इसका बड़ा कारण चीनी लोगों को खान-पान है? जरूरत से ज्यादा सुविधावादी जीवनशैली, कृत्रिम संसाधनों की प्रचुरता एवं अप्राकृतिक जीवन उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा है। ध्यान रहे कोरोना महामारी के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका संतोषजनक नहीं थी। कोरोना महामारी की भयावहता के बावजूद वह चीन के प्रति उदार बना रहा। इसलिये एचएमपीवी महामारी के सन्दर्भ में सवाल उठ रहे हैं कि क्या डब्ल्यूएचओ गंभीरता दिखाते हुए पर्याप्त कदम उठायेगा? क्या उसने कोरोना महामारी के समय चीन से सही सवाल पूछे होते तो इस बीमारी के संभावित खतरे को नियंत्रित किया जा सकता था? क्या कोरोना बीमारी को लेकर विश्व को समय से सलाह न दे पाने में नाकाम रहने के लिए उसे जिम्मेदार माना जाना चाहिए? इस नयी महामारी को लेकर भी इन्हीं कारणों से डब्ल्यूएचओ पर ज्यादा विश्वास कैसे किया जा सकता है? भारत में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ.अतुल गोयल ने शुक्रवार को कहा कि एचएमपीवी एक सामान्य सांस संबंधी वायरस है जो सर्दी जैसे लक्षण पैदा करता है। कुछ लोगों को, खासकर बुजुर्गों और शिशुओं को, फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं।

दृष्टि कोण

पाकिस्तान के नक्शेकदम पर बांग्लादेश

कातिल की ये दलील भी मुंसिफ ने मान ली, मक्तूल खुद गिरा था खंजर की नोक पे'। बांग्लादेश की मौजूदा हुकूमत के सामने वहां के अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहा तशद्दुद व हिंसा का खौफनाक मंजर कुछ यही बयान कर रहा है। जाहिर है जब कातिल खुद ही अदालत का मुंसिफ होगा तो उसके एब ओ हुनर की तफ्तीश नहीं हो सकती। पाक सैन्य हुक्मरानों के जहन में बांग्ला लोगों के प्रति नफरत व हिकारत इस कदर थी कि पाक जरनैल 'अयूब खान' ने अक्तूबर 1958 को पाकिस्तान में तख्तापलट का पहला मजमून लिखकर बंगाली मूल के राष्ट्रपति 'इस्कंदर अली मिर्जा' को बर्खास्त करके पाकिस्तान छोडऩे का फरमान जारी कर दिया था। बर्तानिया में शरण लेने के बाद 12 नवंबर 1969 को लंदन में फौत हुए 'इस्कंदर अली मिर्जा' की मयत को पाकिस्तान में दफनाने की इजाजत भी नहीं मिली। काफी जद्दोजहद के बाद साबिक सद्रे पाक इस्कंदर मिर्जा के ताबूत को पड़ोसी मुल्क 'ईरान' में कब्र नसीब हुई थी। अपनी आजादी के प्रति भी बांग्लादेशियों के दोहरे मापदंड थे। पाक सेना की बर्बरता का शिकार हुए पूर्वी पाक के सियासी रहनुमा भारतीय सेना के रहमोकरम से आजाद होकर अपना बांग्ला निजाम नाफिज करना चाहते थे। मगर बांग्लादेश की कुछ सियासी जमातें व मजहबी रहनुमां आजाद होकर मानसिक व जज्बाती तौर पर पाकिस्तान के साथ ही रहना चाहते थे। मार्च 1971 में बांग्ला आवाम पर पाक सेना की दरिंदगी के बदनुमां दाग बांग्लादेश में आज भी मौजूद हैं। बांग्लादेश की महिलाओं के साथ पाक सेना ने जो बर्बरता का सलूक किया था, उस शर्मनाक कारकर्दगी को लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता। पाक सेना की हलाकत से बचने के लिए लाखों बांग्ला लोगों ने हिजरत करके भारत के सरहदी राज्यों में शरण ली थी। इनसानियत का कत्ल तब होता है, जब पीड़ित को उठाने के बजाय लोग तमाशा देखने लगें। सन् 1971 में भी यही हुआ। पूर्वी पाक की कत्लोगारत का मुद्दा भारत ने कई मुल्कों के समक्ष उठाया। लेकिन बांग्ला लोगों को पाकिस्तान के जुल्मोसितम से बचाने व शरण देने की जहमत किसी भी मुल्क ने नहीं उठाई। जगजाहिर है कि भारतीय सेना के जोरदार पलटवार से बेबस होकर पाक सेना ने 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाक में आत्मसमर्पण कर दिया। भारतीय सेना ने पूर्वी पाक को नए मुल्क बांग्लादेश में तब्दील कर दिया था। मगर बांग्लादेश के मजहबी रहनुमां अपनी आजादी का श्रेय भारत के बजाय अपनी मुक्ति वाहिनी को दे रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि मुक्ति वाहिनी को हथियार उपलब्ध कराकर भारतीय सेना ने ही प्रशिक्षित किया था। बांग्लादेश की चरमपंथी जमातें व मजहबी रहनुमां पाकिस्तान के इशारे पर भारत के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। अलबत्ता यहां 'अगरतला षड्यंत्र' का जिक्र करना जरूरी है। बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल होकर भारत में शरण ले चुकी साबिक वजीरे आजम शेख हसीना के वालिद शेख मुजीबुर्रमान को अगरतला षड्यंत्र का हवाला देकर पाक सेना ने मई 1968 में कैद कर लिया था। पाक सदर 'अयूब खान' के दौरे हुकूमत में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए कई बांग्ला नागरिकों व पाक नौसेना के बंगाली मूल के अधिकारियों पर इल्जाम था कि उन लोगों ने पूर्वी पाकिस्तान की आजादी के लिए 'त्रिपुरा' राज्य की राजधानी 'अगरतला' में हिंदोस्तान से समर्थन की गुजारिश की थी। अगरतला साजिश को पाक हुकूमत ने पूर्वी पाक के वजूद के लिए खतरनाक चुनौती माना था। अगरतला षड्यंत्र को बेनकाब करने का खुलासा पूर्वी में तैनात 'आईएसआई' के कर्नल 'शम्सुल आलम' ने किया था। शम्सुल आलम को पाक सेना ने शांतिकाल के सर्वोच्च पदक 'सितारा-ए-बसालत' से सरफराज किया था। हालांकि अदालत में शेख मुजीब पर अगरतला षड्यंत्र के तहत पाकिस्तान को अस्थिर करने का आरोप साबित नहीं हुआ था, मगर पाक सेना ने 15 फरवरी 1969 को अगरतला साजिश के आरोपी बांग्ला सार्जेंट 'जहूरूल हक' को जेल में ही हलाक कर दिया था। जहूरूल हक के कत्ल की खबर से पूर्वी पाक भयंकर हिंसा की चपेट में आ गया। नतीजतन भारत की दखलअंदाजी के खौफ से अयूब खान ने अगरतला षड्यंत्र का केस रद्द कर दिया। ढाका विश्वविद्यालय का एक हॉस्टल उसी जहूरूल हक के नाम से जाना जाता है। मगर बांग्लादेश के हुक्मरान तथा मजहबी रहनुमां पाकिस्तान की जिहादी उल्फत में इस कदर नाबिना हो चुके हैं कि सन1971 में पाक सेना द्वारा की गई कत्लोगारत को नजरअंदाज कर रहे हैं। सूरतेहाल यह है कि बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की तमाम निशानियों को मिटाया जा रहा है। बांग्ला मुक्ति संग्राम में युद्धघोष बना 'जॉय बांग्ला' नारे को भी हटाया जा रहा है। अविभाजित भारत में सन् 1922 में बांग्ला शायर काजी नजरूल द्वारा अपनी नज्म में लिखा गया 'जॉय बांग्ला' बांग्लादेश का कौमी नारा है।

कुछ अलग

गौरवमयी इतिहास और तिलचट्टे

हमें सदा गल्प में जीने की आदत रही है। पुनर्जन्म में विश्वास रखने वाले हम तिलचट्टे सदा स्वर्ग की कामना में डूबे रहते हैं। सवाल पूछने की हिम्मत और आदत हम में न तब थी, न अब है। हमें तो हमेशा अपना अस्तित्व बचाने की चिंता लगी रही। इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में सही। हमारा उद्धार जरूर होगा, हम यही सोचकर जीते रहे। आज भी जी रहे हैं। अवतारों में विश्वास करने वाले हम तिलचट्टे मानते हैं कि हमारे आज के राजा भी नॉन-बॉयोलॉजिकल हैं। उन्होंने भले अप्रत्यक्ष रूप से देश को जंजीरों में जकड़ दिया है, कर के शत-प्रतिशत बोझ से हमें लाद दिया है और अपने मित्रों के माध्यम से खजाने भर लिए हैं। पर हम मानते हैं कि मरने के बाद सब कुछ यहीं छूट जाता है, जमीनें भी और खजीने भी। इसलिए हम उनका कोई प्रतिरोध नहीं करते। जाते समय तो सिकंदर भी हाथ खोले ही गया था। हमारे नाम की उत्पत्ति हमारे चाटने की विशेषता के कारण ही हुई है। तिलचट्टा शब्द 'तेल जमा चाट जमा आ' के मेल से बना है, जिसका अर्थ है तेल चाटने वाला। फिर चाहे तेल चाटो या तलवे, क्या फर्क पड़ता है। हम तो हमेशा इसी बात पर गर्वाए रहते हैं कि हम, जिन्हें अंग्रेजी में कॉकरोच कहा जाता है, पृथ्वी पर मौजूद सबसे प्राचीन कीटों में से एक हैं। हमारी तादाद आज दुनिया में सबसे ज्यादा है। जिसके कारण वही हैं, जो मैं पहले भी बता चुका हूं, कैसी भी विषम परिस्थितियों में लचीला आहार, पर्यावरणीय तनावों के प्रति प्रतिरोध, अनुकूलनशीलता, अद्वितीय आनुवंशिक लक्षण और तेज प्रजनन की क्षमता। हम विश्व के विभिन्न देशों की कला, साहित्य, लोक कथाओं, थिएटर और फिल्मों में मौजूद हैं। हमारे गौरवशाली अतीत को देखते हुए ही फ्रांज काफ्का ने अपनी कहानी 'द मेटामोर्फोसिस' में अपने मुख्य किरदार ग्रेगर सैमसा को जिस विशाल 'कीड़े' में वर्णित किया है, उसके शारीरिक विवरण से साफ पता चलता है कि वह एक तिलचट्टा है। इस उपन्यास की पैरोडी में मार्क एस्ट्रिन की रचना 'इन्सेक्ट ड्रीम्स : द हाफ लाइफ ऑफ ग्रेगर सैमसा', जिसमें ग्रेगर सैमसा अपने परिवर्तन के बावजूद समृद्ध होता जाता है, अपने समाज में एक अहम व्यक्ति बन जाता है, और टायलर नॉक्स की नोयर कॉमेडी 'कॉकरोच' में एक कॉकरोच एक सुबह एक आदमी के रूप में जागता है और टाइम्स स्क्वायर में एक प्रमुख गैंगस्टर बन जाता है। ये रचनाएं बताती हैं कि आदमी कॉकरोच होने के बाद बेइंतहा तरक्की करता है। ऐसी रचनाएं हमें अपने कॉकरोच या तिलचट्टा होने पर गौरवान्वित करती हैं। हमारे देश में भले हम पर कोई फिल्म या टेलीविजन सीरियल न बना हो, पर हमें गर्व है कि पूरी दुनिया में हमारी चिकनाहट और चमक पर न जाने कितनी फिल्में और सीरियल बने हैं। क्या अब भी आपको यकीन नहीं कि हमारी हस्ती को न किसी क्षुद्र ग्रह का टकराना मिटा सकता है और न कोई सेक्स फेरोमोन्स जैसी कोई दवा। यह सत्य है कि हम आज ध्रुवीय बर्फ की चोटियों पर नहीं पाए जाते। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इनसानी बेवकूफियों के चलते ग्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फ पिघलने के बाद हम जल्द ही उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवर पर भी अपना साम्राज्य कायम कर लेंगे। हमारा सबसे पुराना जीवाश्म लगभग दो हजार लाख साल पुराना है। यही बात हमें अपने स्वर्णिम और गौरवशाली इतिहास पर इतराने पर मजबूर करती है और हमें विश्वास दिलाती है कि चाहे देश में इमरजेंसी हो, टैक्स का बोझ कमर तोड़ दे, गरीबी और बेरोजगारी हमारे गाल और पेट पिचका दे, शिक्षा का गिरता स्तर हमें रीढ़विहीन बना दे, पर हम हमेशा बने रहेंगे।

जयंती पर विशेष

हैदराबाद निजाम के विरुद्ध सत्याग्रह करने वाले पुरोधा थे स्वामी स्वतन्त्रतानन्द

हैदराबाद के निज़ाम द्वारा हिन्दुओं के धार्मिक अधिकारों तथा आर्य समाज के प्रचार पर लगे प्रतिबन्ध के कारण आर्य समाज ने इतिहास का सबसे बड़ा संघर्ष निज़ाम के विरुद्ध सन् 1939 में सत्याग्रह किया था। इस सत्याग्रह के स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी फील्ड मार्शल रहे और सत्याग्रहियों को प्रेरित कर भेजने का दुष्कर कार्य सफलतापूर्वक किया।

11 जनवरी सन् 1877 में स्वामी स्वतन्त्रतानन्द का जन्म पंजाब प्रान्त का लुधियाना जिला के मोही नामक ग्राम में हुआ। बचपन में इनका नाम केहरसिंह था। आप एक सम्पन्न कृषक कुल तथा पुलिस अधिकारी के घर जन्म लेने वाले, वैराग्यवृत्ति के कारण 20 वर्ष की युवा अवस्था में गृहत्याग कर तपस्वी साधु के रूप में अध्ययन और साधुओं का सत्संग करते हुए आर्य समाज की ओर आकर्षित हुए।

स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी के जीवन की एक-एक घटना अत्यन्त विलक्षण व प्रेरणाप्रद है। आप कोई सामान्य सन्यासी नहीं थे। आप युगों के पश्चात् जन्म लेने वाली एक तपस्वी पूजनीय विभूति थे। कई भाषाओं के सिद्धहस्त असाधारण विद्वान विचारक और महाकवि थे।

हैदराबाद आर्य सत्याग्रह के संचालक सन्यासी लौहपुरुष स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी ने सत्याग्रह के सेनापति महात्मा नारायणस्वामी जी से मिलकर अपनी बनाई योजना के अनुसार उन्हें ट्रेन से हैदराबाद पहुंचा दिया, निज़ाम ने महात्मा जी को अपने राज्य में प्रविष्ट न होने देने के लिए सब कुछ किया था।

आर्य सत्याग्रह को सफल बनाने और निज़ाम प्रशासन को घुटने टेकने के लिए मजबूर करने, सत्याग्रह को निरन्तर चलाने हेतु, संगठन को बल देने के लिए एक योग्य, निष्ठावान, जननायक, महर्षि दयानन्द और आर्य समाज का परमभक्त, निडर, निज़ाम की पुलिस को अच्छा जानता हो, कई यातनाओं को सहनकर भी आर्यसमाज का परम सेवक, जीवन दांव पर लगाकर दूसरों की मदद करने वाला, दूरदर्शिता और स्मरणशक्ति जिसकी तीव्र हो, जिसमें तड़प, जोश, उत्साह और सेवा भाव हो। ऐसे आर्य की पहचान इस आर्य

सत्याग्रह के लिए फील्ड मार्शल लौहपुरुष स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी ने हैदराबाद सत्याग्रह के लिए युवा आर्य नेता, आर्यवीर दल हैदराबाद स्टेट के मुखिया क्रांतिकारी गंगाराम को चुना।अति कठिन कार्य के लिए, एक अच्छे नेता के साथ-साथ, एक अच्छे कार्यकर्ता की जरूरत होती है। क्रान्तिवीर गंगाराम लौहपुरुष के नयनों में समा गये, गुणियों के पारखी स्वामी स्वतन्त्रतानन्द जी ने अत्यन्त विकट कार्य के लिए इन्हें चुना, यह उनके जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि थी।

हैदराबाद के अपने राज्य के आर्यों में से सत्याग्रहियों की लगातार भर्ती करना और यह कार्य करते हुए निज़ाम की कुटिल क्रूर सरकार की धर पकड़ से भी स्वयं को बचाना, इससे बड़ा जोख़िम का स्टेट में दूसरा और कार्य क्या हो सकता था ? दूरदर्शी फील्ड मार्शल स्वामी जी ने इसके साथ दूसरा बड़ा कार्य जो गंगाराम जी को सौंपा वह यह था कि सत्याग्रह की विजय तक आपने स्वयं को निज़ामशाही की हृदयहीन पुलिस की पकड़ से बचाना है। यह कार्य पहले कार्य से भी कहीं अधिक जोखिम भरा था।

और इतिहास साक्षी है कि सत्याग्रह आन्दोलन के सर्वाधिक महत्वपूर्ण योद्धाओं में से एक गंगाराम जी ने अत्यन्त सतर्कता, सजगता व दूरदर्शिता से स्वामीजी महाराज द्वारा सौंपे गये यह दोनों कार्य अत्यन्त नीतिमत्ता व कुशलता से करके दिखाये। आश्चर्य की बात तो यह है कि आज तक न तो हैदराबाद के किसी प्रतिष्ठित नेता तथा संगठनकर्ता ने गंगाराम जी की सत्याग्रह के लिये इस देन पर कुछ खुलकर लिखा है।

यह तो प्रसिद्ध आर्य इतिहासकार प्रा. राजेंद्र जिज्ञासु जी, जिनकी उम्र 94 वर्ष की है, आज भी आर्यसमाज और स्वामी दयानन्द के परम भक्तों की खोज कर - करके, समुद्र से गोता लगाकर मोती निकालने जैसे कार्य कर हमें इतिहास के स्वर्णिम अध्यायों से परिचित करा रहे हैं। यह लेख इन्हीं की कृपा से लिखित जीवन संग्राम - क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी पुस्तक से प्रेरित होकर लिखा गया है। भारत की स्वतन्त्रता और हैदराबाद निज़ाम से मुक्ति के बाद, तत्कालीन आर्यसमाज के कुछ शीर्ष नेताओं ने पदों पर आसीन रहने के लिए आपसी संघर्ष में लग गये और पद पर चिपकु बन इतिहास के स्वर्णिम प्रष्ठों को आने ही नहीं दिया और आर्य समाज के उज्वल भविष्य को लगभग लगभग मिटा दिया।

आर्य समाज के पतन का एक मुख्य कारण यह भी है कि सत्तालोभी नेताओं ने, अपनी कुर्सी बचाने के लिए जीवन पर्यंत कभी अगले पंक्ति के लिए किसी को तैयार ही नहीं किया और अपनी सत्ता की भूख को मिटाना यही उनका लक्ष्य रहा। इतिहास ही तो प्रेरणा का स्रोत होता है, इसमें अनुभवों, महत्वपूर्ण घटनाओं, उपलब्धियां व हमारी संस्कृति के बारे में जानकारी मिलती है।

क्या केवल सरकार ही इतिहास लिखेगी, हम केवल सरकारों को ही कोसते रहें, क्या हमारा कोई दायित्व नहीं बनता ? यह तो भला है, एक अकेला व्यक्ति, इस उम्र के पड़ाव पर भी, निरन्तर खोज करके हमें जागृत कर रहा है, बिलकुल अकेले, उनके आगे पीछे कोई नहीं। यह कार्य क्या हमारे सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा या आर्य प्रादेशिक सभाओं का नहीं है ?

–भक्त राम
अध्यक्ष – पण्डित गंगाराम स्मारक मंच
हैदराबाद

आप का नजरिया

खेलों में उत्तराखंड से सीखना होगा

खेलों का राष्ट्रीय महाकुंभ इस बार हमारे पड़ोस उत्तराखंड में रौनक और शौकत बिखेरने के लिए पांव पसार रहा है। हिमाचल के बाद अस्तित्व में आए उत्तराखंड ने 38वीं राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से अपना ढांचा इतना सुदृढ़ तो कर ही लिया कि राज्य में खेलों का चरित्र व प्रशिक्षण का ढर्रा बदल जाएगा। इससे पहले 2023 में गोवा जैसे छोटे राज्य ने खेलों के राष्ट्रीय आयोजन से ध्यान आकृष्ट किया था। ऐसे में सवाल यह कि हिमाचल कब ऐसे आयोजनों के मार्फत खेल वातावरण को खेल पर्यटन से जोडऩे का संकल्प लेगा। हिमाचल की आबोहवा व आधारभूत संरचना को अगर व्यवस्थित खेल ढांचे से जोड़ दें, तो राष्ट्रीय खेलों का आयोजन अगले कुछ सालों में एक दिशा परिवर्तन साबित होगा। उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक खेलों के जरिए राष्ट्र के प्रतिमान सामने आएंगे, तो यह राज्य भविष्य की परिकल्पना में आगे बढ़ेगा। हमने पहले भी कहा था कि हिमाचल में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन एक साथ आधा दर्जन शहरों के केंद्र में खेल ढांचे की जागीर बदल सकता है। इससे पूर्व क्रिकेट संघ ने अपने एक स्टेडियम के कारण खेल पर्यटन का अंतरराष्ट्रीय मुकाम हासिल किया है, तो बड़े आयोजनों के कारण धर्मशाला ट्रैफिक नियंत्रण की कार्यशाला में कई सफल प्रयोग कर पाया। ऐसे में अगर राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों के लिए पूरी तरह तैयार होना है या यहां खेल वातावरण विकसित करना है, तो एक साथ ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, धर्मशाला, मंडी, चंबा व पौंग बांध जैसे जलाशयों की परिधि में विशेष प्रयास करने होंगे। गोवा में राष्ट्रीय खेलों के कारण मापुसा, मडगांव, पंजिम, पोंडा और वास्को में एक साथ कई खेल गांव बन गए। हिमाचल में अपनी कनेक्टिविटी के कारण धर्मशाला में मुख्य स्टेडियम के अलावा बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर व मंडी में विशेष खेलों का ढांचा अपने निखार पर होगा। कई इंडोर स्टेडियम, स्वीमिंग पूल, शूटिंग रेंज तथा वेलोड्रोम इस तरह निर्मित हो सकेंगे। विडंबना यह है कि हमारा अपना बजट खेलों के काबिल नहीं बनता। सबसे पहला प्रयास प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व काल में हुआ और इसके नतीजे में हमीरपुर व धर्मशाला में सिंथेटिक ट्रैक उभर कर सामने आए। इसके अलावा भारतीय खेल प्राधिकरण और राज्य के खेल छात्रावासों की भूमिका में प्रशिक्षण का दौर इतना बदल गया कि आज देश के करीब पांच सौ एथलीट धर्मशाला में रह कर निजी तौर पर प्रैक्टिस कर रहे हैं। आश्चर्य यह कि यहीं राष्ट्रीय खेल छात्रावास के लिए आया लगभग 25 करोड़ का बजट लौट गया और अब हाई आल्टीट्यूट ट्रेनिंग सेंटर की औपचारिकताएं इंद्रू नाग परिसर को पालिटिक्स में फंसा चुकी हैं। हिमाचल की आबोहवा में राष्ट्रीय प्रशिक्षण के कई शिविर और खेल अकादमियों के सफर पर उस वक्त विराम लग जाता है, जब राज्य की खेल नीति सिकुड़ और मुकर जाती है। विडंबना यह कि जो पारंपरिक खेल मैदान थे भी, वे पार्किंग या वाहन ट्रेनिंग सेंटर बन चुके है। सुजानपुर का मैदान किसी खेल कालेज का मुख्य परिसर होता, तो वहां की घास पर पशु न घूम रहे होते।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। हालाँकि उससे दूर होने का ख़याल आपको उदास भी कर सकता है। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताक़त की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

बहुत ज़्यादा रोमांच और दीवानगी की ऊँचाई आपके तंत्रिका–तंत्र को नुक़सान पहुँचा सकती है। इन दिक़्क़तों से बचने के लिए अपने जज़्बात क़ाबू में रखें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। रोमांटिक मुलाक़ात आपकी ख़ुशी में तड़के का काम करेगी। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अनचाहे ख़यालों को दिमाग़ पर कब्ज़ा न करने दें। शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपनी जीवन में एक संगीत पैदा करें । आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। ख़ुद को एक ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा इंसान बनाएँ, जो ज़िंदगी की राह अपनी मेहनत और काम से बनता है। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 11 जनवरी 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 08:24 तक
नक्षत्र : रोहिणी दोपहर 02:30 तक
योग : शुक्ल प्रातः 11:48 तक
करण : बालव प्रातः 08:24 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 11:56 तक
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 05:59 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 05:52 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , शनि प्रदोष व्रत , शनि रोहिणी अमृत सिद्धि योग दोपहर 12:30 तक,धनुर्मास चालू है

पांडित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू ने तिरुमला में पूजा-अर्चना की

तिरुमाला, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को अपने परिवार के साथ वैकुंठ एकादशी के पावन अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा–अर्चना की। तत्पश्चात मीडिया से बात करते हुए राज्यपाल ने शांति, आध्यात्मिकता और खुशी की अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि मेरा दिल शांति, आध्यात्मिकता और खुशी से भर गया है।

उन्होंने वैकुंठ द्वार दर्शन के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ऐसा माना जाता है कि वैकुंठ एकादशी पर वैकुंठ द्वार दर्शन करने से हमें पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त होने और मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। इस विश्वास के कारण, असंख्य भक्त इस दिव्य दर्शन के लिए आते हैं।

छह भक्तों की जान लेने वाली एक दुखद घटना पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह मुझे बहुत दुखी किया है, क्योंकि यह मानवीय भूल का परिणाम था। मैं प्रशासन और सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने और

भक्तों को आश्वस्त करने का आग्रह करता हूं कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित और अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के संरक्षण का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर मैं सभी से हमारी संस्कृति, परंपराओं और रीति–रिवाजों की अत्यंत श्रद्धा और विश्वास के साथ रक्षा करने की अपील करता हूं। जहां पुरानी पीढ़ियां इन परंपराओं को पूरी लगन से संरक्षित कर रही हैं, वहीं युवा पीढ़ी के लिए इन्हें आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। प्राचीन ग्रंथों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि रामायण, महाभारत, वेद, गीता और पुराण धर्म, नैतिकता और आचार–विचार के ज्ञान के अमूल्य स्रोत हैं। हालांकि इन ग्रंथों को समझने का सबसे अच्छा तरीका संस्कृत है, लेकिन प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में सुलभता सुनिश्चित करने के लिए देशी भाषाओं में सरलीकृत अंश पेश किए जा सकते हैं।

राज्यपाल दत्तात्रेय ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन पर भी जोर दिया, जो देशी भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उन्होंने तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्रियों से एनईपी–2020 को पूरी तरह से लागू करने में सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैंने भगवान वेंकटेश्वर से प्रार्थना की कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विकासशील भारत 2047 पहल को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए शक्ति और दूरदर्शिता प्रदान करें।

सरकारी कर्मचारियों के 15 जनवरी तक हो सकेंगे तबादले!

पांच दिन और मियाद बढ़ी

जयपुर,10 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य में सरकारी कर्मचारियों के तबादले अब 15 तक हो सकेंगे। सरकार ने तबादलों से हटी रोक को पांच दिन और बढ़ा दिया है। सरकार ने एक जनवरी को तबादलों से रोक हटाई थी। शिक्षा विभाग में अभी तबादलों पर बैन जारी है।

सभी विभागों में तबादलों की प्रक्रिया चल रही है। कर्मचारी अपना तबादला करवाने के विधायकों, मंत्रियों और सचिवालय तक के चक्कर लगा रहे हैं। इससे पहले 2024 में 10 से 20 फरवरी तक के लिए रोक हटी थी। 20 फरवरी से रोक लगी हुई थी। राजस्थान में बीजेपी सरकार बनने के बाद दूसरी बार तबादलों से बैन हटाया गया है। बीजेपी के विधायक नेता लंबे समय से तबादलों से बैन हटाने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री के साथ विधायकों की फीडबैक बैठकों में भी तबादलों से जल्दी बन हटाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई थी।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण : भजनलाल

बालोतरा,10 जनवरी (एजेंसियां)। भजनलाल शर्मा शुक्रवार को बालोतरा जिले के दौरे पर रहे जहां उन्होंने पचपदरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण कर समीक्षा बैठक ली। सर्वप्रथम, उन्होंने जनप्रतिनिधियों, राज्य सरकार एवं रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बस में बैठ कर रिफाइनरी में विकास कार्यों का सघन निरीक्षण किया। शर्मा ने परिसर में ही हाईटेंशन मोटर के जरिए कम्प्रेस्ड एयर नाइट्रोजन प्लांट का उद्घाटन भी किया।

शर्मा ने एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी में निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इस परियोजना का निर्माण केवल पश्चिमी राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के समीप सांभरा ग्राम में एच.आर.आर.एल. द्वारा ईएससी फंड के माध्यम से बनाए जा रहे स्कूल एवं अस्पताल को शीघ्र शुरू किया जाए, जिससे स्थानीय लोगों को लाभ मिल सके। उन्होंने रीको द्वारा रिफाइनरी के समीप बोरावास–कलावा औद्योगिक क्षेत्र में राजस्थान पेट्रो के विकास कार्यों की समीक्षा भी की।मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में ड्यूल फीड क्रेकर यूनिट का अवलोकन किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि इस यूनिट के निर्माण में बुर्ज खलीफा से भी अधिक कंक्रीट का उपयोग किया गया है। यह रिफाइनरी का बड़ा प्लांट भी है, जहां एक तिहाई श्रमिक (लगभग 9 हजार) काम करते हैं। उन्होंने कोक डोम और ट्रीटिंग यूनिट का सघन निरीक्षण किया एवं कार्यप्रणाली और तकनीक की विस्तृत जानकारी ली।

राजस्थान पुलिस का पेपर लीक माफिया पर शिकंजा

जयपुर,10 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में वर्ष 2023 तक विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं के कारण युवाओं में व्याप्त निराशा को दूर करने के लिए राज्य सरकार के निर्देश पर राजस्थान पुलिस की 'स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम' (एसआईटी) ने विगत साल के दौरान एक के बाद एक अनेक प्रभावी कार्रवाइयों को अंजाम देकर नई नजीर पेश की है।

भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में नई सरकार का नेतृत्व संभालने के तुरंत बाद 16 दिसम्बर 2023 को पेपर लीक से सम्बंधित प्रकरणों की गहन जांच एवं नकल गिरोह से जुड़े आरोपियों की धरपकड़ करते हुए हताश युवाओं के विश्वास को लौटाने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी के नेतृत्व में 'एसआईटी' के गठन का निर्णय लिया था। एसआईटी ने प्रदेश में पेपर लीक की रोकथाम के लिए इस सम्बन्ध में दर्ज मामलों में न केवल जाँच को त्वरित से आगे बढ़ाया है, बल्कि दोषियों के विरूद्ध सख्त से सख्त एक्शन से जताया है कि राज्य सरकार युवाओं को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने कि राजस्थान पुलिस की 'एसआईटी' ने पिछले एक साल के अंतराल में पेपर लीक के अनेकानेक अपराधियों और पेपर लीक के मामलों में सम्मिलित गैंग के सरगनाओं की गिरफ्तारी से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रदेश में कानून के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया उन्होंने बताया कि 'एसआईटी' की निर्णायक कार्रवाईयों से बने माहौल के बीच प्रदेश में गत एक साल में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की 145 एवं राजस्थान अधीनस्थ सेवा बोर्ड (आरएसएसबी) की 25 परीक्षाएं बिना पेपरलीक पारदर्शी तरीके से आयोजित की गई है।डीजीपी श्री साहू ने बताया कि प्रदेश में जेईएन पेपर लीक एवं उप निरीक्षक पुलिस एवं प्लाटून कमान्डर भर्ती परीक्षा–2021 के पेपर लीक में सम्मिलित मुख्य गैंग सरगनाओं के साथ–साथ उनके सहयोगी तथा गलत तरीके से लाभान्वित हुए परीक्षार्थियों को भी गिरफ्तार किया गया है,अनेक आरोपी वर्तमान में भी सलाखों के पीछे हैं।

राज्यवर्धन सिंह का गहलोत पर हमला

भाजपा ने आपकी कई उपलब्धियां रोक दीं

जयपुर,10 जनवरी (एजेंसियां)। उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा ने उनकी कई 'उपलब्धियां' रोक दी हैं, जिनमें राज्य की वित्तीय स्थिति और घोटालों पर लगाम लगाना शामिल है। उन्होंने गहलोत सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 5.37 लाख करोड़ के कर्ज को बढ़ने से रोकने से लेकर कानून व्यवस्था और महिलाओं के खिलाफ अपराधों की स्थिति को और खराब होने से बचाने का काम इगझ ने किया।

सिंह ने रीट और अन्य पेपर लीक घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने इन्हें बंद कराया। साथ ही, राजीव गांधी ओलंपिक योजना में 126 करोड़ के घोटाले पर लगाम लगाने और जिलों में पेयजल एवं सिंचाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का श्रेय भी उन्होंने को दिया। गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने सवाल किया, क्या आप फिर से पेपर लीक और घोटाले चाहते हैं? राज्यवर्धन सिंह ने दावा किया कि भाजपा सिर्फ घोषणाएं नहीं करती, बल्कि अपने वादों को पूरा करके दिखाती है। ट्विटर पर गहलोत को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, जी, जनता आपकी सच्चाई जान चुकी है। अब खोखले वादों से काम नहीं चलेगा। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

10 हजार से अधिक की आबादी वाले गांवों में मूल सुविधाओं का किया जाएगा और विस्तार : मनोहर लाल

चंडीगढ़,10 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने आज करनाल जिले के कोहंड गाँव के लोगों के साथ बैठक बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में करनाल लोकसभा क्षेत्र के दस हजार से अधिक की आबादी वाले गांवों में मूल सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया जायेगा। केंद्रीय मंत्री ने आज घरौंडा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में गांव कोहंड के लोगों के साथ बैठक की। मौके पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने केंद्रीय मंत्री का पुष्प गुच्छ देकर और ग्रामीणों ने शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।

उन्होंने ग्रामीणों से स्कूल, स्ट्रीट लाईट, फिरनी, ग्राम सचिवालय, तालाब, श्मशान घाट, पार्क एवं व्यायामशाला की स्थिति के बारे में जानकारी ली। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रथम चरण दस हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कराया जायेगा। दूसरे चरण में 8 से 10 और फिर 5 से 8 हजार की आबादी वाले गांवों को लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास कार्यों की निगरानी के लिये जनभागीदारी जरूरी है। इसके लिये 10–12 लोगों की कमेटी गठित करें। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था परिवर्तन का ही नतीजा है कि विगत 10 सालों में युवाओं को बिना पर्ची–बिना खर्ची मेरिट के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं।

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया बर्खास्त

चंडीगढ़,10 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को लागू करते हुए बड़ा कदम उठाया है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल को उनके पद से हटा दिया गया है। सरकार ने इस संबंध आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। सोनिया अग्रवाल पर अपने पद का दुरुपयोग करने और रिश्वत लेने जैसे गंभीर आरोप लगे थे, जिसकी जांच में पुष्टि हुई, जिसके बाद सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है।

सोनिया अग्रवाल पर महिला आयोग की उपाध्यक्ष रहते हुए कई निपटारे का अनैतिक तरीके से फायदा उठाने का आरोप था। सूत्रों के मुताबिक उनके खिलाफ लंबे समय से शिकायतें दर्ज की जा रही थीं। इन शिकायतों में आरोप था कि वह प्रभावित महिलाओं को उनके मामलों में मदद करने के बदले रिश्वत लेती थीं। जांच के दौरान यह हो गया कि सोनिया अग्रवाल ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से बर्खास्त कर दिया गया।

बहादुर पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए जल्द जारी होगी ओआरपी पॉलिसी : सैनी

चंडीगढ़,10 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अवैध इमीग्रेशन पर सख्ती से पाने के लिए प्रदेश सरकार कानून बनाएगी। आगामी बजट सत्र में इस सम्बन्ध में नया कानून पेश किया जायेगा। साथ ही, अपराध रोकथाम में अच्छा काम करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा जल्द ही एक ओआरपी पॉलिसी लाई जाएगी। इस पालिसी में जहाँ अच्छे को प्रोत्साहन होगा वही अपराध रोकने में ढिलाई तो सख्त कार्रवाई का प्रावधान भी होगा।

मुख्यमंत्री ने आज यह जानकारी पंचकूला में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध और कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करने उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। कहा कि हरियाणा में अपराध की दर में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में पिछले वर्ष की तुलना में क्राईम अगेंस्ट वूमेन के आंकड़ों में भी कमी आई है और हरियाणा प्रदेश ने साइबर क्राइम के मामलों में भी अच्छा काम किया है।

मुख्यमंत्री से कि अपराध व अपराधियों के खिलाफ कड़ी

कार्रवाई करने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए गए हैं। अच्छा काम करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा और कोताही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता के प्रति बने और उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द निदान करना सुनिश्चित करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए हरियाणा पुलिस को फ्री हैंड दिया है। साथ ही यह लक्ष्य भी गया है कि नशा मुक्ति अभियान को आगे बढ़ाते हुए साल 2025 के अंत तक 70 प्रतिशत गांव को नशा मुक्त किया जाये। इसके अतिरिक्त नशे के काले कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि विदेश में रहकर एक्सटॉर्शन कॉल सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल अपराधियों और यहाँ उनकी मदद करने वालों के खिलाफ मुहिम चला कर ऐसे लोगों पर कड़ा प्रहार करने के निर्देश भी पुलिस को दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि इसके लिए जिन संसाधनों की पुलिस को होगी, प्रदेश सरकार उपलब्ध करवाएगी।

उन्होंने कहा कि नूह ज़िले में कानून व्यवस्था को मज़बूती देने के लिए हरियाणा पुलिस की एक बटालियन स्थापित की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारी को जमीन की पहचान करने के भी निर्देश गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा 112 सेवा को और अधिक सक्षम बनाने और रिस्पांस टाइम को और कम करने के लिए भी कदम उठाये जायेंगे। फिलहाल 112 का रिस्पांस टाइम लगभग 6:30 मिनट है इसे और कम किया जाएगा ताकि अपराधी भाग ना सके।

जो महाकुंभ तक नहीं पहुंच पाए उन तक पहुंचेगी कुंभवाणी

सीएम योगी ने आकाशवाणी के एफएम चैनल कुंभवाणी का शुभारंभ किया

महाकुंभ नगर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को सर्किट हाउस में महाकुंभ के अवसर पर प्रसार भारती के एफएम चैनल कुंभवाणी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने एफएम चैनल के सफल होने की आकांक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा विश्वास है कि यह एफएम चैनल न सिर्फ लोकप्रियता की नई ऊंचाई हासिल करेगा, बल्कि महाकुंभ को दूरदराज के उन गांवों तक भी ले जाएगा जहां लोग चाहकर भी यहां नहीं पहुंच पाते हैं। उन लोगों तक इन सुविधाओं के माध्यम से हम महाकुंभ की हर जानकारी पहुंचाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि दूर दराज में रहने वालों के लिए इस तरह का सजीव प्रसारण कर पाएंगे तो उनको भी सनातन गौरव के इस महासमागम को जानने, सुनने और आने वाली पीढ़ी को बताने का अवसर प्राप्त होगा। सीएम ने कुंभवाणी चैनल शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूचना प्रसारण मंत्रालय व प्रसार भारती को भी धन्यवाद दिया।

सीएम योगी ने कहा कि वास्तव में लोक परंपरा और लोक संस्कृति को आम जन तक पहुंचाने के लिए हमारे पास जो सबसे पहले माध्यम था वो आकाशवाणी ही था। मुझे याद है कि बचपन में हम आकाशवाणी के माध्यम से उस समय प्रसारित होने वाले रामचरित मानस की पंक्तियों को बड़े ध्यान से सुना करते थे। समय के अनुरूप तकनीक बढ़ी और लोगों ने विजुअल माध्यम से भी दूरदर्शन के माध्यम से सचित्र उन दृश्यों को देखना प्रारंभ किया। बाद में निजी क्षेत्र के भी कई चैनल आए, लेकिन समय की इस प्रतिस्पर्धा के अनुरूप खुद को तैयार करना और दूरदराज के क्षेत्रों में जहां पर कनेक्टिविटी के इश्यू होते हैं वहां पर बहुत सारी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए प्रसार भारती के एफएम चैनल ने 2013, 2019 और अब 2025 में भी कुंभवाणी के नाम पर इस विशेष एफएम चैनल को शुरू करने की कार्यवाही प्रारंभ की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सनातन गौरव का एक महाआयोजन है, एक महासमागम है। जिसको सनातन धर्म के गौरव और गरिमा को देखना हो तो वो कुंभ का दर्शन करें, यहां आकर अवलोकन करे। जो लोग एक संकीर्ण दृष्टि से सनातन धर्म को देखते हैं, साम्प्रदायिक मतभेद, भेदभाव या छुआछूत के नाम पर लोगों को बांटने का काम करते हैं उन लोगों को आकर देखना चाहिए कि यहां पर न पंथ का भेद है, न जाति का भेद है, न छुआछूत है, न कोई लिंग का भेद है। सभी पंथ और सम्प्रदाय एक साथ एक ही जगह स्नान करते हैं। सभी लोग एक जगह आकर आस्था की डुबकी लगाकर सनातन गर्व के संदेश को पूरे देश और दुनिया तक लेकर जाते हैं। यह एक आध्यात्मिक संदेश है। इस अवसर पर पूरी दुनिया यहां पर एक घोंसले के रूप में देखने को मिलती है।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के बहुत सारे लोगों का यहां पर आगमन शुरू हो चुका है। वो आस्था की डुबकी लगाकर आध्यात्म की गहराइयों को समझने का प्रयास करना चाहते हैं। यह अद्भुत क्षण है और इस अद्भुत क्षण को प्रसार भारती ने कुंभवाणी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। पूरे दिन भर के कुंभ के कार्यक्रमों को न सिर्फ आंखों देखा हाल के माध्यम से बल्कि महाकुंभ के आयोजन के साथ जुड़े हुए हमारे धार्मिक उद्धरणों को भी दूर दराज के गांवों में प्रसारित करने का काम कुंभवाणी करेगा। जब भी हम सनातन धर्म के इस गौरव को पूरी ईमानदारी के साथ आगे बढ़ाएंगे तो यह मानकर चलिए कि आमजन के मन में इसके प्रति सच्ची श्रद्धा का भाव होगा। उन्होंने कहा कि जब कोविड महामारी आई थी और लॉकडाउन प्रारंभ हुआ था तब जैसे ही दूरदर्शन ने रामायण सीरियल दिखाना प्रारंभ किया तो दूरदर्शन की टीआरपी बढ़ गई थी। आज तो एफएम चैनल युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है। निश्चित रूप से इसका लाभ प्रसार भारती को प्राप्त होगा।

इस अवसर पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री डॉ एल मुरुगन ने सीएम योगी का आभार जताया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, ओमप्रकाश राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष नवनीत सहगल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में प्रसार भारती के एफएम चैनल कुंभवाणी का शुभारंभ किया। साथ में हैं प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल।

103.5 मेगाहर्ट्ज पर प्रसारित होगा एफएम चैनल

महाकुंभ से जुड़ी सभी तरह की जानकारियों के लिए प्रसार भारती ने ओटीटी बेस्ड कुंभवाणी एफएम चैनल की शुरुआत की है। यह चैनल 103.5 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी पर प्रसारित होगा। यह चैनल 10 जनवरी से 26 फरवरी तक ऑन एयर रहेगा। इसका प्रसारण प्रातः 5.55 बजे से रात्रि 10.05 तक इसका प्रसारण होगा।

मिल्कीपुर में नए चेहरे पर दांव लगा सकती है भाजपा

पूर्व विधायक से लेकर नौकरशाह तक दावेदार

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए 5 फरवरी को मतदान होना है। उप-चुनाव की घोषणा के साथ ही भाजपा में टिकट को लेकर होड़ मच गई है। टिकट के लिए एक दर्जन से अधिक लोगों ने दावेदारी की है, लेकिन भाजपा को किसी नए चेहरे की तलाश है। पार्टी स्तर पर प्रत्याशी चयन को लेकर मंथन शुरू हो गया है। पार्टी नेतृत्व और जिला प्रभारी मंत्री के अलावा उपचुनाव में लगाए गए मंत्रियों के बीच मंथन हो रहा है।

मिल्कीपुर सीट पर 5 फरवरी को मतदान होना है। लिहाजा, पार्टी स्तर पर ऐसे प्रत्याशियों के चयन को लेकर मंथन किया जा रहा है, जिसकी जीत पर संशय न हो। टिकट की दौड़ में पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा सबसे आगे हैं। गोरखनाथ 2017 में इस सीट से विधायक रह चुके हैं। हालांकि 2022 में वह हार गए थे। इनके अलावा नौकरशाह व उप परिवहन आयुक्त सुरेंद्र रावत भी दावेदारों में शुमार हैं।

संगठन और सरकार के कई नेता मिल्कीपुर में गैरविवादित नए चेहरे को उतारने के पक्षधर हैं। इसलिए सुरेंद्र सिंह रावत को गंभीर दावेदार माना जा रहा है। दावेदारों में पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी भी हैं। ये 1991 में सोहवल से विधायक रहे हैं और 2012 में भाजपा ने इन्हें मिल्कीपुर से चुनाव लड़ाया था, लेकिन हार गए थे। लगातार तीन बार से जिला संगठन में महामंत्री रहे राधेश्याम त्यागी भी दावेदारों में हैं। अन्य दावेदारों में भाजपा के प्रदेश अनुसूचित मोर्चा के कोषाध्यक्ष चंद्रकेश रावत के नाम की भी चर्चा है। हाल में नौ विधानसभा सीटों पर हुए उप-चुनाव में भाजपा ने सात सीटें जीती हैं। इनमें मिल्कीपुर से सटे अंबेडकरनगर की कटेहरी और मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर तीन दशक बाद जीत मिलना चमत्कार से कम नहीं है। ऐसे में लोकसभा चुनाव में अयोध्या सीट हार चुकी भाजपा के लिए मिल्कीपुर सीट जीतना अहम माना जा रहा है।

उपचुनाव के लिए भाजपा के कई स्थानीय पदाधिकारियों ने दावेदारी की है। हालांकि चंद्रभानु पासवान, पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनय कुमार रावत, सियाराम रावत, विजय बहादुर फौजी, काशीराम पासी, शांति पासी और बाराबंकी की जिला पंचायत सदस्य नेहा आनंद सिंह ने भी टिकट के लिए दावेदारी कर रखी है।

महाकुंभ-2025 : मुख्यमंत्री योगी ने मां की रसोई का किया उद्घाटन

महाकुंभ नगर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रयागराज में स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में नंदी सेवा संस्थान द्वारा संचालित मां की रसोई का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए संस्थान की ओर से शुरू की गई इस सेवा पर प्रसन्नता जाहिर की और खाने की गुणवत्ता, स्वच्छता के साथ ही यहां दी जा रही सुविधाओं की भी सराहना की। यही नहीं उन्होंने थाली परोसकर सेवा भी की और मां की रसोई के किचन का भी अवलोकन किया।

प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्होंने फीता काटकर नंदी सेवा संस्थान द्वारा संचालित मां की रसोई का शुभारंभ किया। शुभारंभ करने के बाद सीएम डाइनिंग रूम में भी पहुंचे, जहां लोगों को बैठाकर खाना खिलाने का प्रबंध किया गया है।

यहां मुख्यमंत्री ने स्वयं अपने हाथों से थाली लगाकर वहां उप-स्थित लोगों की सेवा की। इसके बाद औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी उन्हें लेकर सीधे किचन पहुंचे, जहां खाना तैयार किया जाता है। यहां उन्होंने खाने की गुणवत्ता से लेकर अन्य सभी प्रबंधों के विषय में सीएम योगी को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने रसोई का निरीक्षण करते हुए वहां साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए सेवा भाव से शुरू की गई इस रसोई की सीएम योगी ने भूरि भूरि प्रशंसा की। इस दौरान पूरे प्रांगण में जय श्री राम का उद्घोष भी होता रहा।

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए नंदी सेवा संस्थान द्वारा यह सेवा शुरू की गई है। इसमें मात्र 9 रुपए में लोगों को भरपेट भोजन मिलेगा।

थाली में दाल, 4 रोटी, सब्जी, चावल, सलाद और मिठाई दी जाएगी। इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मेयर अभिलाषा गुप्ता, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद और जगद्गुरु महामंडलेश्वर संतोष दास (सतुआ बाबा) उपस्थित रहे।

भू माफिया को देर सवेर खाली करनी ही होगी जमीन: सीएम योगी

सीएम ने पूर्व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा की प्रतिमा का किया अनावरण

महाकुंभनगर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रयागराज में पूर्व स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेवी कमला बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि राजधानी लखनऊ में पूर्व सीएम हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा का भी अनावरण करने का अवसर मिला और आज प्रयागराज में स्वतंत्रता सेनानी श्रद्धेय कमला बहुगुणा की प्रतिमा का भी अनावरण करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भू माफिया को भी निशाने पर लिया। सीएम योगी ने चेतावनी दी कि भू माफिया ने प्रयागराज में जो सैकड़ों एकड़ भूमि कब्जाई है, उसे खाली करना ही पड़ेगा। सीएम योगी ने प्रयागराज के भूमाफिया को निशाने पर लेते हुए कहा कि प्रयागराज में सैकड़ों एकड़ भूमि पर तमाम भूमाफिया ने कब्जा किया हुआ है। देर सवेर तो इसे खाली होना ही है। इससे पूर्व सीएम योगी के मंच पर चढ़ते जय श्री राम, हर हर महादेव, हर हर गंगा मैया, वंदे मातरम का भी उद्घोष हुआ।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूर्व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा के संघर्ष को भी याद किया। सीएम योगी ने कहा, कमला बहुगुणा ने बचपन से ही ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लिया। 8 साल की उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ नारे लगाए, जिसके कारण उन्हें ब्रिटिश पुलिस ने प्रताड़ित भी किया। जब उन्होंने घर में अपनी मां से शिकायत की तो मां ने उन्हें और मजबूत किया। मां बोलीं कि यह देश की आजादी के लिए संघर्ष का हिस्सा है और हमें इस तरह पिटाई की आदत डालनी होगी। तभी अंग्रेजों से हम अपने देश को आजादी दिला पाएंगे।

सीएम योगी ने बताया कि 2019 के महाकुंभ के दौरान एक शिविर में पहुंचे। वहां पता चला कि कमला बहुगुणा ने 1954 में ही एक शिविर की शुरुआत की थी, जो आज भी संचालित होता है। यहां खोया-पाया के साथ ही कई प्रकार से श्रद्धालुओं की मदद की जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने बहुगुणा परिवार के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को सराहा। उन्होंने कहा, हेमवती नंदन बहुगुणा ने मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के पद पर रहते हुए भी कभी भौतिक सम्पत्ति की चाह नहीं की। वे यहीं प्रयाग में किराए के मकान में रहते थे, जबकि वे आसपास के सभी घर खरीद सकते थे। उनकी यही विशेषता बहुगुणा परिवार को यादगार बनाए रखेगी।

सीएम योगी ने महाकुंभ के आयोजन के महत्व पर भी जोर दिया। सीएम ने कहा कि लोगों के अंतर्मन में जो भाव अयोध्या के लिए था, वही भाव आज महाकुंभ के लिए भी है। सीएम योगी ने कहा कि प्रयाग एक पवित्र स्थान है, जहां न केवल मनुष्य, बल्कि पवित्र आत्माएं भी पहुंचती हैं। यही कारण है कि स्वच्छ प्रयाग की कल्पना को साकार करने की दिशा में युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के आयोजन के लिए सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने भी कार्यक्रम के दौरान संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वे विदेश में थे। वहीं पर महाकुंभ के जरिए यूपी की बदलती तस्वीर की खबरें आने लगीं। उन्होंने कहा कि यूपी के विकास की खबरें देश दुनिया में पहुंच रही हैं। इस दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह उपस्थित रहे। पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने मंच का संचालन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रयागराज में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कमला बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण किया)

राम मंदिर के बाद अयोध्या में बन रहा राम कथा म्यूजियम

अयोध्या, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण तो हो चुका है, अब बारी राम कथा म्यूजियम की है। पर्यटन को नए आयाम देने के लिए, राम कथा का प्रसार हर किसी तक पहुंचाने के लिए एक अत्याधुनियक, विशाल म्यूजियम का निर्माण किया जाएगा। बताया जा रहा है कि 2 साल के अंदर में 40 हजार वर्ग फीट में यह म्यूजियम बनकर तैयार हो जाएगा।

इस म्यूजियम के जरिए बताया जाएगा कि पुरातात्विक शोध एवं खनन के दौरान टीम को ऐसी कौन-कौन सी चीजें मिली थीं जिन्हें आधार मानकर कहा गया कि अयोध्या में भगवान राम का मंदिर हुआ करता था। अभी इस समय यह प्रोजेक्ट शुरुआती चरण में चल रहा है, इसकी डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट ही इस भव्य म्यूजियम की फंडिंग करने वाला है, वहीं बिल्डिग राज्य सरकार की रहने वाली है।

पुरातात्विक सर्वेक्षण के दौरान असंख्य ऐसी वस्तुएं और प्राचीन मंदिर स्थापत्य कला के अवशेष मिले थे, जो यह बताने के लिए काफी थे कि यहां कभी प्राचीन मंदिर हुआ करता था। म्यूजियम में ऐसी ही कुछ प्राचीन वस्तुओं को रखा जाएगा। इसके अलावा राम मंदिर बनवाने में किन लोगों का योगदान रहा, उसके लिए म्यूजियम में एक विशेष स्थान रखा जाएगा। कुल तीन फ्लोर तैयार होंगे और पूरे म्यूजियम को 26 सेक्शन में बांटा जाएगा। इसके ऊपर राम दरबार, सबके काम, राम वन पथ जैसे कई दूसरे हिस्से भी म्यूजियम का हिस्सा रहेंगे। अब जानकारी के लिए बता दें कि राम मंदिर का निर्माण पिछले साल 22 जनवरी को हुआ था, अब मंदिर ट्रस्ट इसी वजह से 11 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की वर्षगांठ मना रहा है।

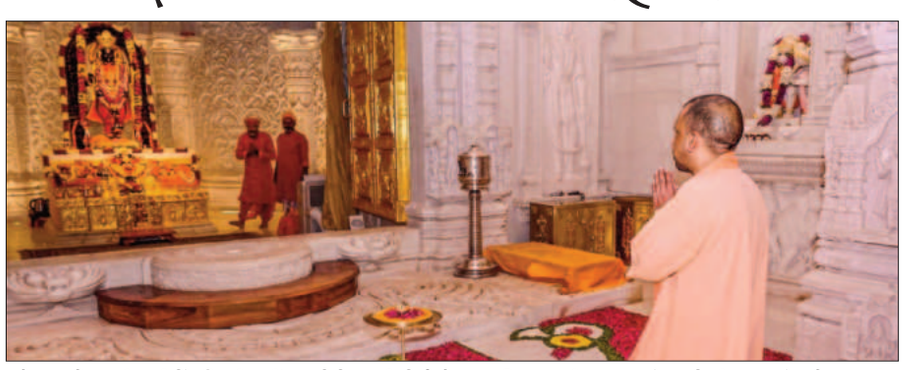

जांच की जद में बरेली की सौ से अधिक वक्फ सम्पत्तियां

बरेली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

बरेली जिले की 100 वक्फ सम्पत्तियां छानबीन और पैमाइश के घेरे में आ गई हैं। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को आदेश का इंतजार है।

जल्दी ही जिले की वक्फ सम्पत्तियों के अभिलेखों से सम्पत्तियों की पैमाइश की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा था कि वक्फ के नाम पर जमीन कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। एक-एक इंच जमीन वापस ली जाएगी। इसी मामले में अब वक्फ सम्पत्तियों की छानबीन के आसार हैं। बरेली जिले में वक्फ की करीब 3171 सम्पत्तियां है। तमाम सम्पत्तियों को लेकर छोटे बड़े विवाद भी सामने आते रहे हैं। इनकी शिकायतें हुईं। अब नए सिरे से जांच हो सकती है। अवैध कब्जे प्रशासन की प्राथमिकता में आएंगे।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने बताया कि वक्फ के नाम पर कब्जे हुए हैं और वक्फ सम्पत्तियों पर भी अवैध कब्जे हैं। मौलाना ने कहा, इस मामले में मैं मुख्यमंत्री के बयान को सही मानता हूं। यह भी मानता हूं कि वक्फ बोर्ड की मिलीभगत के बगैर अवैध कब्जे नहीं हो सकते। इसलिए जब छानबीन हो तो इस बिंदु को भी देखा जाए। इत्तेहादे मिल्लत कौंसिल के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नफीस खां ने कहा कि जिन्होंने नाजायज कब्जे किए हैं, उन पर कार्रवाई की जाए। वह सम्पत्तियां भी खाली कराई जाएं जिन पर सरकारी कब्जे है। मैं तो यही चाहता हूं कि वक्फ सम्पत्तियों को संरक्षित किया जाए।

बर्फ ही बर्फ, फिर भी झेलम प्यासी

कश्मीर के अन्य नदी नालों का भी यही हाल

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 10 जनवरी।

भारी बर्फबारी के बावजूद कश्मीर की निशानी और जीवनदायिनी नदी झेलम प्यासी ही है। कश्मीर के लिए महत्वपूर्ण जल स्रोत झेलम नदी ने इस मौसम में इतिहास में सबसे कम जलस्तर दर्ज किया है, जिससे इस क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। वर्तमान में, संगम बिंदु पर जल स्तर चिंताजनक -0.75 फीट पर है, जबकि राम मुंशी बाग और अशम में रीडिंग क्रमशः 3.73 फीट और 1.08 फीट है, जो जल प्रवाह में महत्वपूर्ण गिरावट को दर्शाता है।

यह कमी केवल झेलम तक ही सीमित नहीं है। लिद्दर नाला और रामबियारा नाला सहित अन्य प्रमुख सहायक नदियां भी गंभीर रूप से कम जल स्तर का अनुभव कर रही हैं। बटकोट में लिद्दर नाला -0.38 मीटर पर बह रहा है, जबकि वाची में रामबियारा नाला -0.47 मीटर पर है।

दरअसल खतरनाक स्थिति को क्षेत्र में ग्लेशियरों के लगातार घटने के कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी

है कि जल स्तर में यह गिरावट लंबे समय तक सूखे के कारण है, जो औसत से अधिक तापमान और अनियमित वर्षा पैटर्न के कारण और भी बदतर हो गया है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, झेलम का मुख्य स्रोत ग्लेशियर हैं, लेकिन लंबे समय तक सूखे के कारण उनका द्रव्यमान कम हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप प्रवाह शून्य से नीचे है। अधिकारी का कहना था कि जल स्तर में कमी के कारण पूरे कश्मीर में जलापूर्ति योजनाओं के बाधित होने पर चिंता करने का माहौल है। जबकि स्वतंत्र मौसम विशेषज्ञ फैजान आरिफ केंग कहते हैं कि अक्टूबर से चल रहे सूखे ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि झेलम में पहले सीजन में -1.0 फीट का ऐतिहासिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया था।

पिछले पांच वर्षों में दिसंबर से फरवरी के महत्वपूर्ण सर्दियों के महीनों के दौरान इस क्षेत्र में सामान्य से कम वर्षा हुई है, जिससे नदी को पानी देने वाले ग्लेशियरों की पुनःपूर्ति में बाधा आ रही है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे उनका कुल आकार और आयतन कम हो रहा है। केंग कहते हैं कि यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है, जो क्षेत्र की जल सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती है। वे बताते थे कि शोध से पता चलता है कि जम्मू और कश्मीर पिछले 60 वर्षों में अपने ग्लेशियरों का लगभग 30 प्रतिशत खो चुका है, अनुमान है कि अगर मौजूदा रुझान जारी रहा तो इस सदी के अंत तक 70 परसेंट तक ग्लेशियर गायब हो सकते हैं।

जानकारी के लिए जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में लगभग 18,000 ग्लेशियर हैं, जिनमें से सभी तेजी से पिघल रहे हैं। कश्मीर विश्वविद्यालय के पृथ्वी विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. इरफान राशिद ने कहा कि क्षेत्र का सबसे बड़ा कोलाहोई ग्लेशियर 1960 के दशक से 25 प्रतिशत पीछे हट गया है। अब यह सालाना लगभग 35 मीटर कम हो रहा है। इसी वजह से विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि इस सदी के अंत तक तापमान 4-7 डिग्री तक बढ़ सकता है, जिससे ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और भी बढ़ जाएगा, जिसे रोका नहीं जा सकता।

अफगानिस्तानी लड़की ने हिंदू से शादी की तो मिलने लगी धमकियां

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान से शरणार्थी के तौर पर भारत आई एक लड़की को हिंदू लड़के से शादी करने पर परिवार से धमकियां मिल रही हैं। लड़की के साथ रहने वाली उसकी बहन को परिवार धमकियां दे रहा है। परिवार ने उनके खिलाफ एक फर्जी मामला भी दर्ज करवा दिया। परिवार के खतरे से बचने के लिए अब पति-पत्नी और उसकी बहन ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

बॉम्बे हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई 3 जनवरी, 2025 को जस्टिस रेवती मोहिते और जस्टिस नीला गोखले ने की है। उन्होंने सुनवाई के दौरान पाया कि दोनों को पहले ही मुंबई पुलिस सुरक्षा दे रही है। यह सुरक्षा जून, 2024 में उन्हें दी गई थी। यह सुरक्षा अफगानी लड़की के पति के मुंबई पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र के बाद दी गई थी।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ताओं के वकील ने हमें बताया है कि पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा पारित आदेश के पालन में चंडीगढ़ पुलिस ने याचिकाकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान की है। हमें यह भी बताया गया है कि वर्तमान में मुंबई पुलिस ने भी याचिकाकर्ताओं को पुलिस सुरक्षा प्रदान की है तथा यह तब तक जारी रहेगी जब तक उन पर खतरा बना रहेगा।

हाई कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में दर्ज केस को लेकर वह जब चाहे तब सही कदम उठा सकती है। यह याचिका एक अफगानी शरणार्थी लड़की, उसके हिंदू पति और बहन द्वारा दायर की गई थी। लड़की 2017 में अपने परिवार के साथ अफगानिस्तान से भारत में शरण के लिए आई थी। वर्तमान में 20 साल की है। उसके साथ उसकी छोटी बहन भी आई थी।

अफगान युवतियों के पास संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएच-सीआर) का कार्ड भी है। बाद में भारत में रहने के दौरान ही अफगानी लड़की को हरियाणा के एक हिंदू लड़के से प्रेम हो गया और उसने उसके साथ जून 2024 में हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया। अफगानी लड़की के परिजनों को यह पसंद नहीं आया और उसे वह धमकियां देने लगे। दोनों लड़कियों के खिलाफ परिजनों ने एक झूठा मुकदमा भी दिल्ली में दर्ज करवा दिया। अफगानी लड़की इसके बाद पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंची जहां से उसे सुरक्षा मिली। उसके साथ उसकी छोटी बहन भी परिवार से अलग रहती है। लड़की के हिंदू पति को बाद में कैंसर हो गया जिसके चलते वह मुंबई इलाज करवाने चले गए, यहां भी उन्होंने सुरक्षा के लिए याचिका डाली। अफगान परिवार की कट्टरता और तालिबानी रवैये से तीनों नाराज हैं। इस पर अगली सुनवाई 28 जनवरी 2025 को है।

आयुष्मान योजना में इलाज न देने पर बुजुर्ग ने की आत्महत्या

बेंगलुरु, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

बेंगलुरु में एक सरकारी अस्पताल द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत इलाज करने से इनकार किए जाने पर 72 वर्षीय एक वरिष्ठ नागरिक ने आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र और कर्नाटक सरकार से चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है।

यह घटना किदवई मेमोरियल इंस्टिट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी में हुई, जहां अस्पताल ने एक वरिष्ठ नागरिक को 5 लाख की चिकित्सा सहायता देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि राज्य सरकार के आदेश अभी तक नहीं पहुंचे हैं। एनएचआरसी ने इसे मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला बताते हुए कहा कि अगर वरिष्ठ नागरिकों को उनके कल्याण के लिए बनाई गई योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, तो यह उनके जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। आयोग ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी कर यह भी पूछा है कि राज्य और अन्य केंद्र शासित प्रदेशों में योजना का क्रियान्वयन कैसा चल रहा है।

गौरतलब है कि आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य गरीब और वरिष्ठ नागरिकों को स्पेशल हेल्थ सर्विस देना है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को इलाज के लिए 5 लाख तक का कवर दिया जाता है। लेकिन बेंगलुरु की इस घटना ने दिखाया कि योजना के सही ढंग से लागू न होने के कारण नागरिकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा। यह भी सामने आया है कि कर्नाटक में अन्य सरकारी अस्पतालों में भी योजना के तहत इलाज देने में रुकावटें आ रही हैं। योजना के लाभार्थियों को फर्जी दस्तावेजों की मांग और सरकारी आदेशों की कमी के नाम पर योजनाओं का लाभ नहीं दिया जा रहा है।

कश्मीर के विकास में नया मोड़ लाएगा जेड मोड़ टनल

13 जनवरी को उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जम्मू, 10 जनवरी (ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जनवरी को गंदरबल जिले में जिस जेड मोड़ टनल का उद्घाटन करने जा रहे हैं उसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि यह कश्मीर के विकास में एक नया मोड़ लाएगा। इसके लिए समारोह स्थल और टनल के आसपास की सुरक्षा का जिम्मा विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) को सौंपा गया है। टनल को मल्टी टीयर सुरक्षा घेरे में रखा गया है। सुरंग के सुरक्षित और सुचारु उद्घाटन के लिए सुरक्षा उपायों की जमीनी स्तर पर योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बहुप्रतीक्षित निर्मित जेड मोड़ टनल एक महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना है, जिसे 13 जनवरी को जनता की सेवा के लिए खोल दिया जाएगा। इससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अर्थव्यवस्था में बदलाव आने की उम्मीद है।

एक बार चालू होने के बाद यह सुरंग गगनगीर से सोनमर्ग तक की यात्रा के समय को घटाकर केवल 20 से 25 मिनट कर देगी, जिससे यात्रा के घंटे

कम हो जाएंगे और लोकप्रिय पर्यटन स्थल तक पूरे साल सुरक्षित पहुंच मिलेगी। कई वर्षों से निर्माणाधीन यह सुरंग यह भी सुनिश्चित करेगी कि सोनमर्ग की सड़क कठोर सर्दियों के महीनों में भी खुली रहे, जब भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के कारण अक्सर राजमार्ग को लंबे समय तक बंद करना पड़ता है। इस विकास से क्षेत्र की सुंदर सुंदरता और रणनीतिक सीमा क्षेत्रों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करके स्थानीय लोगों और यात्रियों के सामने आने वाली सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक को कम करने की उम्मीद है। आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस इस टनल से सोनमर्ग में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो अपने शीतकालीन खेलों और लुभावने परिदृश्यों के लिए प्रसिद्ध है।

स्थानीय लोगों, होटल व्यवसायियों और व्यापारियों ने इसके प्रति उत्साह प्रकट करते हुए कहा कि उन्हें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद है। स्थानीय व्यवसायी इरशाद अहमद भट कहते थे कि जेड मोड़ सुरंग का खुलना हमारे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह न केवल हमारी आजीविका में सुधार करेगा, बल्कि शीतकालीन पर्यटन के विकास के लिए नए अवसर भी प्रदान करेगा, जो हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। जबकि स्थानीय नेताओं के बकौल, सुरंग में क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और रणनीतिक महत्व को मजबूत करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि यह दूरदराज के क्षेत्रों को व्यापक राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे से जोड़कर एक अधिक एकीकृत और समृद्ध क्षेत्र बनाएगा।

एक अधिकारी ने इसे जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि जेड-मोड़ सुरंग क्षेत्रीय विकास में एक नया अध्याय है। यह सीमावर्ती क्षेत्रों में माल, सेवाओं और लोगों के सुरक्षित मार्ग को सुनिश्चित करेगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ाएगी। वे कहते हैं कि सुरंग का पूरा होना दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और स्थानीय निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए लाभ प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस टनल को गेम चेंजर बताया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि जम्मू कश्मीर, खास तौर पर मध्य कश्मीर, आने वाले दिनों में बुनियादी ढांचे के एक महत्वपूर्ण हिस्से के उद्घाटन का इंतजार कर रहा है। यह सम्पत्ति घाटी में शीतकालीन पर्यटन के विस्तार के लिए गेम चेंजर साबित होगी। कंगन के विधायक मियां मेहर अली ने इस परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि जेड मोड़ सुरंग यह सुनिश्चित करेगी कि सोनमर्ग कठोर सर्दियों के महीनों में भी सुलभ रहे, जिससे स्थानीय लोगों और आगंतुकों दोनों को लाभ होगा। सोनमर्ग विकास प्राधिकरण (एसडीए) के सीईओ गुलाम मोहम्मद भट कहते थे कि इस सुरंग का खुलना न केवल समय बचाने वाला है, बल्कि यह सोनमर्ग के लिए गेम चेंजर भी साबित होगा।

गाली के विरोध पर हामिद कुरैशी ने आदिवासी युवती की हत्या कर दी

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के शहादा से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक कट्टरपंथी मुस्लिम ने मामूली विवाद में जनजातीय समाज की युवती पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवती की अस्पताल में उपचार के दौरान दो दिन बाद मृत्यु हो गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों रिज्जू मुस्लिम कुरैशी और उसके शौहर हामिद कुरैशी को गिरफ्तार किया है। जनजातीय समाज में इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है। उन्होंने हमलावरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। युवती पर हमले के विरोध में शहादा शहर गुरुवार (9 जनवरी) सुबह से ही बंद है। शहर में तनावपूर्ण माहौल होने के कारण बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

शाहदा शहर के मालोनी में जब 23 वर्षीय युवती को अपनी मां के साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में पता चला तो वह इसका जवाब पूछने के लिए मुस्लिम परिवार के पास गई। उसने पूछा कि उन्होंने उसकी मां को गाली क्यों दी?

इस बात पर विवाद बढ़ गया और कट्टरपंथी मुस्लिम ने उस पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि 29 दिसंबर 2024 की रात करीब 8 बजे यह विवाद शुरू हुआ।

मालोनी इलाके में दीपाली सागर चित्ते की मां और रिज्जू मुस्लिम कुरैशी के साथ पहले मामूली बहस हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज में बदल गई। जब दीपाली और उसके परिजन इस बारे में पूछताछ करने गए तो रिज्जू के शौहर मुस्लिम हामिद कुरैशी ने गुस्से में आकर दीपाली पर चाकू से हमला कर दिया।

हमले में घायल दीपाली को इलाज के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच, अगले दिन उसकी हालत ज्यादा बिगड़ गई और उसे 3 जनवरी 2025 को सूरत के एक अस्पताल ले जाया गया। 5 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे उपचार के दौरान दीपाली की मौत हो गई। इस मामले में दीपाली चित्ते की शिकायत पर शहादा पुलिस ने पहले ही मुस्लिम हामिद कुरैशी और रिज्जू मुस्लिम कुरैशी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 118(1), 352, 3(5) के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

इस बीच अदालत के दोनों आरोपियों को जमानत दिए जाने के बाद विभिन्न संगठनों ने 4 जनवरी को मालोनी में विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद 5 जनवरी को देर रात तक विभिन्न संगठनों के प्रदर्शनकारी शाहदा पुलिस स्टेशन पर एकत्रित हुए और आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। फिर, 6 जनवरी को सभी नागरिकों द्वारा शहर बंद का आह्वान किया गया। इसके बाद से शहर में तनावपूर्ण माहौल है। यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

सोशल मीडिया पर दीपाली चित्ते के हत्यारों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की जा रही है। इंस्टाग्राम पर अर्जुन काले नाम के यूजर ने लिखा है कि एक मुस्लिम व्यक्ति ने जनजातीय समाज से आने वाली दीपाली चित्ते पर चाकू से जानलेवा हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सरकार को जनजातीय समुदाय के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री व स्थानीय जनप्रतिनिधियों को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। हमें अपनी न्यायिक प्रणाली पर भरोसा है कि वह यह सुनिश्चित करेगी कि पीड़ित को इंसाफ मिले।

असम पुलिस की टीम गूगल मैप में गड़बड़ से नागालैंड पहुंची

जोरहाट, 10 दनवरी (एजेंसियां)।

असम के जोरहाट में छापेमारी पर जा रही एक पुलिस टीम धोखे से नागालैंड पहुंच गई। यह गड़बड़ी गूगल मैप के चलते हुई। गूगल मैप ने पुलिस को दिखाया कि वह असम में जा रहे हैं लेकिन असल में वह नागालैंड के एक चाय बागान में पहुंच गए। इसके चलते उन्हें स्थानीयों ने अपराधी समझ कर पकड़ लिया।

यह घटना मंगलवार 7 जनवरी को हुई। पुलिस की यह टीम एक मामले में आरोपित एक शख्स को पकड़ने जा रही थी। स्थानीयों ने उन पर हमला किया जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल भी हुआ। 16 सदस्यों वाली यह पुलिस टीम रात भर बंधक बनी रही। इसके बाद जब सुबह नागालैंड के अधिकारी पहुंचे तो इन्हें छोड़ा गया। पुलिस टीम में अधिकांश लोग सादे कपड़े पहने हुए थे और हथियारबंद थे, जिसके चलते और भी गड़बड़ हुई।

जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह पर फिर लगा यूएपीए

चंडीगढ़, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

जेल में बंद खालिस्तानी सांसद अमृतपाल सिंह पर पंजाब पुलिस ने अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट (यूएपीए) लगा दिया है।

यह कार्रवाई फरीदकोट में अक्टूबर 2024 में हुई एक सिख एक्टिविस्ट की हत्या के मामले में हुई है। इस मामले में सांसद के साथ 11 और लोगों पर यूएपीए लगाया गया है। आरोप है कि अमृतपाल सिंह की शह पर गैंगस्टरों ने एक्टिविस्ट गुरप्रीत सिंह की हत्या की थी। अमृतपाल डिब्रूगढ़ की जेल में बंद है।

9 अक्टूबर 2024 को सिख एक्टिविस्ट गुरप्रीत सिंह हरी नाव उर्फ भोडी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में तीन लोग पकड़े गए थे। इन तीनों ने इस मामले में रेकी की थी। तीनों का हैंडलर करमवीर सिंह उर्फ गोरा भी कनाडा में रहता है। इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड गैंगस्टर अर्श दल्ला है। गुरप्रीत सिंह बेहबलकलां इन्साफ मोर्चा का सदस्य था और इस बार के पंजाब पंचायत चुनावों में भी सक्रिय रहा था। यह मोर्चा बेअदबी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे दो युवकों के पुलिस फायरिंग में मारे जाने पर कार्रवाई की मांग करता आया है। गौरतलब है कि पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह 14 जनवरी 2025 को नई पार्टी लॉन्च करने वाला है।

गुमटाला पुलिस चौकी में धमाका, आतंकी हैप्पी ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़, 10 जनवरी (एजेंसियां)। गुरुवार देर रात को बाईपास स्थित गुमटाला पुलिस चौकी में फिर से एक धमाका हुआ। पुलिस ने कहा कि यह धमाका पुलिस वाहन का रेडिएटर फटने के कारण हुआ। जबकि विदेश में बैठे आतंकी हैप्पी पसिया ने इस धमाके की जिम्मेदारी ली है। धमाके के तुरंत बाद भारतीय सेना के जवान भी मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी। इसके अलावा पुलिस अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। गुरुवार देर रात करीब 12:30 बजे पुलिस चौकी में धमाके की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद चौकी के अंदर तैनात सभी कर्मी बाहर आ गए। पुलिसकर्मियों ने बताया कि चौकी के बाहरी यह एएसआई तजिंदर सिंह की 2008 मॉडल की गाड़ी खड़ी थी, जिसका रेडिएटर फट गया और उसी के कारण धमाके की आवाज हुई। रेडिएटर फटने के कारण कूलेंट भी बाहर निकल गया। हालांकि, पुलिस कितना सच और कितना झूठ बोल रही है, यह अभी कहा नहीं जा सकता। क्योंकि आतंकियों की ओर से ग्रेनेड हमला करने की जिम्मेदारी ली गई है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों का पैसा डबल

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)।

बायोटेक सेक्टर के लिए प्री-इंजीनियर्ड और प्री-फैब्रीकेटेड मॉड्यूलर पैनल बनाने वाली कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड ने लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री की। घरेलू शेयर बाजार के निगेटिव सेंटीमेंट्स के बावजूद इस कंपनी के शेयर ने पहले दिन ही अपने आईपीओ निवेशकों का पैसा डबल कर दिया।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 85 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर एसएमई सेगमेंट के लिए मैक्सिमम परमीसिबल प्रीमियम 90 प्रतिशत के साथ 161.50 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 169.57 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 99.49 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड का 27.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 3 से 7 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 740.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 224.50 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,485.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 715.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के जरिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 32.64 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने, एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को खरीदने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड की आर्थिक स्थिति पर नजर डालें, तो 2021-22 में कंपनी को 3.60 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

एसईसीआई ने अपनी संचयी आवंटित क्षमता 73 गीगावाट से अधिक बढ़ाई

नई दिल्ली। भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) ने दिसंबर में अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए संचयी आवंटित क्षमता को 73 गीगावाट से अधिक बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार अक्षय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसी (आरईआईए) ने इस प्रगति की सराहना की और बताया कि एसईसीआई जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एसईसीआई के रूप में एक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम की भूमिका के बारे में एक बयान में कहा गया कि यह भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उसने भी सुनिश्चित किया कि इसकी संचयी ऊर्जा उत्पादन क्षमता 31 दिसंबर 2024 तक 73 गीगावाट से अधिक हो गई है। साथ ही एसईसीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन के तहत अपने प्रदर्शन के लिए उत्कृष्ट रेटिंग हासिल की है। इसके परिणामस्वरूप उसे 100 में से 96 अंक प्राप्त हुए हैं। वित्त मंत्रालय द्वारा 30 अगस्त 2024 को एसईसीआई को नवरत्न का दर्जा भी प्रदान किया गया था।

वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजी बाजारों से जुटाई गई राशि में वृद्धि की उम्मीदः बुच

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने एक और बड़ी घोषणा की है, जिसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजी बाजारों से जुटाई जाने वाली राशि में लगभग 21 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। इसका अनुमानित मुख्य कारण है शेयर और ऋण साधनों के माध्यम से जुटाई जा रही धनराशि में वृद्धि। चेयरपर्सन ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पिछले नौ महीनों में व्यापारिक संस्थाओं द्वारा शेयर से 3.3 लाख करोड़ रुपये तथा ऋण बाजारों से 7.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए हैं, जिससे कुल जुटाई गई राशि 10.7 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इसके साथ ही रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों, बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों और म्युनिसिपल बॉण्डों के द्वारा जुटाई गई धनराशि में भी वृद्धि की उम्मीद है। बुच ने उम्मीद जताई कि इस धनराशि में भविष्य में और भी वृद्धि हो सकती है। सेबी प्रमुख ने इस संदेश को दिया कि नियामक म्यूचुअल फंडों के नए प्रस्तावों को तेजी से मंजूरी दे रहा है और जल्द ही 250 रुपये की न्यूनतम राशि के साथ व्यवस्थित निवेश योजनाएं भी शुरू की जाएंगी। इससे स्पष्ट है कि भारतीय वित्तीय बाजारों में सत्ता और सुविधा की वृद्धि के साथ ही सेबी ने वित्त वर्ष 2024-25 में नये उत्थान के लिए एक बहुत ही उत्साही रूप से नकारात्मकीकरण की ओर कदम बढ़ाने का अभिप्रेरणा प्रदान किया है।

बेहतर परिणाम के लिए असाधारण प्रयास जरूरीः एलएंडटी

नई दिल्ली। एलएंडटी (लार्सन एंड टूब्रो) के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन ने हाल ही में काम के घंटों पर की गई टिप्पणी के बाद काफी चर्चा में आए हैं। उन्होंने कर्मचारियों से 90 घंटे सप्ताह में काम करने की अपील की थी, जिसे कंपनी ने जारी बयान के माध्यम से समर्थन दिया है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और बहुत से यूजर्स ने इसे गलत बताया। चेयरमैन सुब्रमण्यन ने कहा कि भारत के विकास में सहायता के लिए असाधारण प्रयास की जरूरत है। उन्होंने यहां तक कहा कि उन्हें अपने कर्मचारियों के साथ असाधारण संबंध बनाने की जरूरत है ताकि कंपनी अपने उद्देश्यों को हासिल कर सके। जबकि सबसे पहले इस वीडियो को रेडिट पर शेयर किया गया था, लेकिन इसके बाद यह वायरल हो गया। चेयरमैन की इस टिप्पणी पर सोशल मीडिया पर गहरी विवादिता पर के साथ-साथ आलोचनाएं भी थीं। इसी के साथ पिछले साल इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने भी भारतीय युवाओं को सप्ताह में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट निवेशकों ने गंवाए 5.70 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही लिवाल और बिकवाल एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश में लग गए, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के बाद आईटी और टेक सेक्टर के अलावा बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। बैंकिंग, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक दबाव बना रहा। इसी तरह एनर्जी, मेटल और ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी इंडेक्स 3.44 प्रतिशत और टेक इंडेक्स 2.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने छह लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 429.79 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 435.49 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 5.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,078 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 829 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,162 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 87 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,518 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 401 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,117 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 62.38 अंक की मामूली बढ़त के साथ 77,682.59 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 299.49 अंक की तेजी के साथ 77,919.70 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 520.60 अंक की गिरावट के साथ 77,099.55 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 241.30 अंक टूट कर 77,378.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 25.40 अंक की तेजी के साथ 23,551.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की होड़ शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 70.10 अंक की मजबूती के साथ 23,596.60 अंक तक पहुंचा। दूसरी ओर, बिकवाली का दबाव बनने पर इस सूचकांक ने 182.15 अंक की कमजोरी के साथ 23,344.35 अंक तक गोता भी लगा दिया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी ने 95 अंक लुढ़क कर 23,431.50 अंक के स्तर पर के कारोबार का अंत किया। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीसीएस 5.62 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 3.82 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 3.12 प्रतिशत, विप्रो 2.82 प्रतिशत और इंफोसिस 2.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस 5.33 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 4.41 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 4.18 प्रतिशत, एनटीपीसी 3.78 प्रतिशत और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 3.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

उपकरण उद्योग ने पीएलआई के दूसरे चरण, कर युक्तिकरण की मांग की

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)।

सीईएएमएए ने भी की आयात पर शुल्क में कटौती की मांग

उपकरण एवं उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने सरकार से कंप्रेसर तथा मोटर जैसे उच्च मूल्य वाले घटकों के लिए प्रोत्साहन योजना को बढ़ावा देने का दूसरा चरण चालू करने की मांग की है। उद्योग निकाय कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीईएएमएए) ने भी आयात पर शुल्क में कटौती की मांग की है, जिससे उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी। सीईएएमएए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि करों में कटौती करने की आवश्यकता है ताकि उत्पादक संगठन प्रतिस्पर्धी बन सकें। उन्होंने प्लग एंड प्ले सुविधाओं के बड़े केंद्रों की स्थापना पर भी ध्यान देने का सुझाव दिया। अधिकारी ने बताया कि सरकार की पीएलआई योजना ने उत्कृष्टता के केंद्र बनाने में मदद की है और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में सहायक है। इस उद्यम में पिछले वर्षों मूल्य संवर्धन अच्छे प्रदर्शन का गवाह रहा है और उन्होंने दावा किया कि यह अभी और भी बढ़ने की संभावना है।

जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चा इस्पात उत्पादन 2.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील ने अपने कच्चा इस्पात उत्पादन में बढ़ोतरी दर्ज की है, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में उत्पादन 2.3 प्रतिशत बढ़कर 70.3 लाख टन पहुंच गया है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में इस्पात उत्पादन 68.7 लाख टन था। पूर्व परीक्षण के अलावा भारतीय परिचालन में क्षमता उपयोग 91 प्रतिशत रहा। कंपनी ने बताया कि अक्टूबर में एक ब्लास्ट फर्नेस में अस्थिरता के कारण तिमाही में उत्पादन और क्षमता उपयोग प्रभावित हुआ, लेकिन सामान्य परिचालन नवंबर के पहले सप्ताह में पुनर्संचालित हो गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सौ करोड़ के...

माना जा रहा है कि इस केस में आलोक मेहता की सीधी भूमिका है, इसलिए इससे जुड़े दस्तावेजों की जांच के लिए देशभर में उनसे संबंधित हर स्थान पर एक साथ ईडी की टीम पहुंची।

ईडी की टीम आलोक मेहता के 16 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है तो कुछ पुराने मामले फिर से चर्चा में आ गए हैं। बैंक घोटाला भी इसी से जुड़ा मामला था। भारतीय रिजर्व बैंक से रजिस्टर्ड एक कोऑपरेटिव बैंक में करीब 100 करोड़ का घोटाला हो गया था। हजारों निवेशकों के करीब 100 करोड़ की रकम गायब हो गए थे। वह भी फर्जीवाड़ा कर। बड़ी बात यह थी इस 100 करोड़ के घोटाले में बिहार सरकार के एक पूर्व मंत्री और लालू परिवार के करीबी राजद विधायक आलोक मेहता की भी भूमिका सामने आई थी।

करीब 35 साल से बैंकिंग कारोबार कर रहे इस बैंक पर जून 2023 में ठड्ढख ने रोक लगा दी थी और इसके वित्तीय कारोबार रोक दिए गए। ठड्ढख की शुरूआती जांच में करीब पांच करोड़ के गबन का आरोप लगा। जांच शुरू हुई तो जांच शुरू हुई तो घोटाले की राशि 100 करोड़ तक जा पहुंची। खुलासा हुआ कि लिच्छवि कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट डींव और महुआ कोऑपरेटिव कोल्ड स्टोरेज नाम की दो कंपनियों ने बैंक के करीब 60 करोड़ का गबन किया है। इन दो कंपनियों ने अपनी गारंटी पर करोड़ों के लोन की निकासी की थी। फर्जी कागजातों के सहारे किसानों के नाम पर इस कॉ-ऑपरेटिव बैंक ने करोड़ों रुपए के लोन बांट दिए।

खुलासा ये भी हुआ कि इस कोऑपरेटिव बैंक प्रबंधन ने फर्जी एलआईसी बांड और फर्जी पहचान पत्र वाले लोगो के नाम 30 करोड़ से ज्यादा रकम की निकासी कर ली है। लेकिन इस पूरे घोटाले के पीछे विधायक आलोक मेहता की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही थी। इस कोऑपरेटिव बैंक और फर्जी लोन की निकासी करने वाले दोनों कंपनियों से पूर्व मंत्री आलोक मेहता और उनके परिवार से सीधा सीधा कनेक्शन सामने आया। इसके बाद बैंक के फर्जीवाड़े के शिकार खाताधारकों ने अब मंत्री आलोक मेहता के खिलाफ मोर्चा भी खोल दिया। आरोप लगाया जा रहा है कि करीब 100 करोड़ के इस घोटाले की स्क्रिप्ट कई साल पहले तैयार कर ली गई थी। इस घोटाले की शुरुआत विधायक आलोक मेहता के बैंक के अध्यक्ष रहते हो चुकी थी। बैंक का प्रबंधन शुरू से मंत्री परिवार के पास रहा और घोटाले की राशि में से बड़ी रकम जिन कंपनियों में ट्रांसफर की गई वो भी मंत्री आलोक मेहता के परिवार से जुड़ा है।

आरोप लगाया जा रहा है कि घोटाले के छींटों से बचने के लिए मंत्री जी ने कुछ समय पहले खुद को बैंक के प्रबंधन और इन कंपनियों से से खुद को अलग कर लिया था। लेकिन, बैंक और इन कंपनियों को आज भी मंत्री जी के रिश्तेदारों द्वारा चलाया जाना और घोटाले के सामने आने के बाद मंत्री आलोक मेहता पर सवाल उठने लगा है। मंत्री परिवार के इस बैंक के फर्जीवाड़े के शिकार लोग अब हंगामा कर रहे हैं। जिंदगी भर की जमा पूंजी गंवाने वाले खाताधारकों ने जब विधायक आलोक मेहता के के भतीजे संजीव को घेरा था तो उसने इस पूरे घोटाले का काला चिट्ठा खोला था और इस पूरे घोटाले के पीछे अपने चाचा यानी आलोक मेहता का हाथ बता दिया था।

बताया जा रहा है कि अपने बड़े रसूख के दम पर मंत्री आलोक मेहता के पिता तुलसीदास मेहता ने करीब 35 साल पहले हाजीपुर में वैशाली शहरी कोऑपरेटिव बैंक की शुरुआत की थी। कुछ समय में बैंक में ग्राहकों की भीड़ लगने लगी। साल 1996 में इस बैंक को ठड्ढख का लाइसेंस भी मिल गया। पिता की राजनीतिक रसूख के दम पर आलोक मेहता (1995 से ही) बैंक के चेयरमैन बने और लगातार 2012 तक बैंक के प्रबंधन की कमान संभाली। इस बीच 2004 में उजियारपुर से लोकसभा का चुनाव जीत सांसद भी बने, लेकिन आलोक मेहता लगातार बैंक प्रबंधन की कमान संभाले रहे। 2012 में अचानक आलोक मेहता ने अचानक बैंक प्रबंधन का शीर्ष कमान अपने मंत्री पिता तुलसीदास मेहता को सौंप दिया और बैंक से खुद को अलग कर लिया। 2015 में भी इस तरह की गड़बड़ी सामने आई थी जिसमे ठड्ढख ने बैंक के वित्तीय कारोबार को बंद करा दिया था। गड़बड़ियों के आरोप में आलोक मेहता के पिता तुलसीदास मेहता पर कार्रवाई भी हुई। लेकिन, तब भी मामले को सुलझाने के बाद आलोक मेहता के भतीजे संजीव को बैंक की कमान सौप दी गई और संजीव लगातार इस बैंक के चेयरमैन बने रहे।

अब आरोप लगाया जा रहा है 2012 में भी घोटाले के छीटों से बचने के लिए अलोक मेहता ने आनन फानन में बैंक की कमान अपने मंत्री पिता को सौंप खुद को बचा लिया था और आरबीआई की कार्रवाई की गाज उनके पिता तुलसीदास मेहता पर गिरी थी। बैंक एक बार फिर से घोटाले के आरोपों से घिरा है और इस बार 100 करोड़ का घोटाला सामने दिख रहा है। घोटाले के सम्बन्ध में हाजीपुर के नगर थाना में दो अलग अलग एफआईआर दर्ज कराई गई। इसमे बैंक के अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। बैंक का सीईओ और मैनेजर फरार है। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

पीएम जांच...

इस्तेमाल किया है और एक राजनीतिक पार्टी तथा एक राजनीतिक व्यक्ति को फायदा पहुंचाया है, जो कि शक्तियों का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार है। यह शिकायत अक्टूबर, 2024 में दी गई थी, तब डीवाई चंद्रचूड़ मुख्य न्यायाधीश थे। वह नवम्बर 2024 में रिटायर हो गए थे। लोकपाल के चेयरमैन जस्टिस एएन खानविलकर खुद भी सुप्रीम कोर्ट में जज रहे हैं। वह 2016 में सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किए गए थे। उनका सुप्रीम कोर्ट में जज के तौर पर कार्यकाल 2022 तक रहा था।

बिहार यूपी...

लेकिन रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए इनके रिश्तेदार? अब नहीं चाहिए आप-दा। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम आकर दिल्ली में बसे। उन्हें दिल्ली सरकार बिजली-पानी जैसी मुफ्त सुविधाएं लगातार उपलब्ध करा रही हैं, जिसको लेकर आपा सरकार की बड़े पैमाने पर आलोचना होती है। इन बांग्लादेशी-रोहिंग्याओं के पहचान का काम बड़े पैमाने पर शुरू किया गया है।

कश्मीर की तरह...

इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है।संभल में दंगों का पुराना इतिहास रहा है। इन्हीं दंगों के बल पर संभल नगरपालिका क्षेत्र से धीरे-धीरे हिंदुओं को मिटाया गया। देश की स्वतंत्रता के समय संभल नगर पालिका क्षेत्र में हिंदुओं की आबादी 45 प्रतिशत थी जो आज घटकर 15-20 प्रतिशत रह गई है। उस समय मुस्लिम 55 प्रतिशत थे। आज वे बढ़कर 80-85 प्रतिशत हो गए हैं। इन दंगों पर प्रशासन ने एक आंतरिक रिपोर्ट भी तैयार की है। इससे पता चलता है कि 1978 में संभल में सबसे बड़ा दंगा हुआ था। इसी दंगे के बाद खग्गूसराय में रहने वाले करीब 100 हिंदू परिवार इस इलाके को छोड़कर चले गए। हालात इतने बदतर थे कि अधिकतर हिंदुओं ने कपड़ों के पुतले बनाकर बृजघाट पर अपनों का अंतिम संस्कार किया था।

इसी दंगे के दौरान एक हिंदू शिक्षक की बेटी और पत्नी को मंजर शफी ने उठा लिया था। इस दंगे को भड़काने के पीछे भी शफी की बड़ी भूमिका थी। हिंदू शिक्षक की बेटी को बलात्कार के बाद छोड़ा गया। उनकी पत्नी को हिंदुओं ने बचा लिया था। आज इस शिक्षक का परिवार संभल में नहीं रहता है। इंटरनल रिपोर्ट बताती है कि दंगे भड़कने की सूचना मिलने पर बनवारी लाल गोयल प्रभावित इलाके में जाने लगे। उनकी पत्नी और बेटे ने उन्हें रोका। लेकिन वे यह कहते हुए दंगा प्रभावित इलाके में चले गए कि सारे मुस्लिम मेरे मित्र और भाई जैसे हैं। सब मेरे साथ काम करते हैं। मुझे कुछ नहीं होगा। लेकिन बनवारी लाल गोयल को मुस्लिम दंगाइयों ने पकड़ लिया। उनसे कहा कि तुम इन पैरों से पैसे लेने आए हो और उनके पैर काट दिए। फिर कहा कि तुम इन हाथों से पैसे लेने आए हो और हाथ भी काट दिए। इसके बाद गर्दन काट कर उनकी हत्या कर दी गई। इस दौरान मुस्लिम दंगाइयों के सामने बनवारी लाल गिड़गिड़ाते रहे कि मुझे काटो मत, गोली मार दो। पर किसी ने नहीं सुनी। इस घटना को हरद्वारी लाल शर्मा और सुभाष चंद्र रस्तोगी ने अपनी आंखों से देखा था। इस कत्लेआम के दौरान दोनों ने एक ड्रम में छिपकर अपनी जान बचाई थी। हाई स्कूल में पढ़ने वाले हरद्वारी लाल के सगे भाई को भी मुस्लिम दंगाइयों ने चाकू से गोदकर इसी दौरान मार डाला था।

शर्मा और रस्तोगी भी इस कत्लेआम के गवाह थे। इरफान, वाजिद, जाहिद, मंजर, शाहिद, कामिल, अच्छन जैसे नाम आरोपित थे। लेकिन 2010 में यह केस बंद करना पड़ा, क्योंकि गवाह ही हाजिर नहीं हुए। जज ने यह टिप्पणी करते हुए केस बंद किया कि मैं सोच भी नहीं सकता कि इन लोगों (आरोपियों) को फांसी नहीं हो रही है। गवाहों पर किस तरह का दबाव रहा होगा इसे इस बात से समझा जा सकता है कि बनवारी लाल के बेटे विनीत गोयल के कारोबारी साझेदार रहे प्रदीप अग्रवाल के भाई की वसीम ने गोली मारकर हत्या कर दी। साथ ही धमकी दी कि यदि उसके खिलाफ किसी ने एफआईआर करवाई तो उसकी भी हत्या कर दी जाएगी। उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं हुआ।

इंटरनल रिपोर्ट के अनुसार बनवारी लाल के परिवार पर डॉक्टर शफीकुर्रहमान बर्क की ओर से भी दबाव डाला गया था। बर्क संभल से समाजवादी पार्टी से सांसद रहे हैं। फिलहाल उनके पोते जियाउर्रहमान बर्क इस सीट से सपा के सांसद हैं। जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा में जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। 1995 के आसपास बनवारी लाल गोयल के परिवार ने संभल ही छोड़ दिया।हाल में इन दंगों की चर्चा शुरू होने के बाद बनवारी लाल गोयल के बेटे विनीत गोयल वापस संभल लौटे थे। उन्होंने बताया था कि उनके पिता समेत अन्य हिंदुओं को हत्या के बाद इस तरह फूंक दिया गया था कि उनकी अस्थियां तक नहीं मिल सकी। दंगे के एक माह के बाद उन्होंने फूल-पत्तों पर आटा लपेट कर उनका सांकेतिक दाह संस्कार किया था। 29 मार्च 1978 का काला दिन आज भी पीड़ितों के मन में खौफ के रूप में जीवित है। शहर के हर कोने में मार-काट, आगजनी, और लूटपाट का भयानक मंजर था। विशेष रूप से हिंदू समुदाय के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया।

फायरिंग और हथियारों का तांडव दंगाइयों ने सड़कों पर हथियारों के साथ उत्पात मचाया। चाकू, लोहे के सरिये, लाठियां और बंदूकें हर जगह मौत का सामान बन चुकी थीं। निर्दोष लोगों को बेरहमी से मारा गया। किसी के सिर काट दिए गए, तो किसी के हाथ-पैर। कुछ लोगों को मिट्टी का तेल और पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया गया। व्यापार और घरों को लगी आग दंगाइयों ने हिंदुओं की दुकानों और फैक्ट्रियों में आग लगा दी। विनीत गोयल, जिनकी फैक्ट्री में मजदूरों को बेरहमी से मारा गया, बताते हैं, दंगाइयों ने हमारी फैक्ट्री पर हमला किया। मजदूरों को काट डाला। मेरे पिता की हत्या कर उनके शव को टायर से जला दिया। अनिल रस्तोगी ने बताया, दंगाइयों ने हमारी दुकान को आग के हवाले कर दिया। असुरक्षा के माहौल में मकान बेचना पड़ा। दंगे के बाद शहर का माहौल पूरी तरह से बदल चुका था। कई परिवारों ने डर के मारे अपने घर और दुकानें औने-पौने दामों में बेच दी और पलायन कर गए। विष्णु शरण रस्तोगी कहते हैं, दंगे के दौरान घर से बाहर निकलना मौत को दावत देने जैसा था। डर के मारे हिंदू समुदाय ने संभल छोड़ने का फैसला किया।

इस सांप्रदायिक दंगे की जड़ें महात्मा गांधी मेमोरियल डिग्री कॉलेज के प्रबंधन समिति विवाद में थीं। कॉलेज की आजीवन सदस्यता के लिए ट्रक यूनियन के नाम से 10,000 रुपए का चेक भेजा गया था, जो मंजर शफी के नाम पर था। लेकिन, ट्रक यूनियन ने मंजर शफी को अधिकृत करने से मना कर दिया। कॉलेज प्रशासन ने मंजर शफी को मान्यता नहीं दी, जिससे तनाव बढ़ा। यही तनाव सांप्रदायिक हिंसा में तब्दील हो गया। मंजर शफी पर दंगे की अगुवाई का आरोप है। 29 मार्च से लेकर 20 मई तक शहर में कर्फ्यू लगा रहा। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि हिंदू समुदाय की सम्पत्तियों को वक्फ बोर्ड में शामिल कर लिया गया। यह भी दावा किया गया कि इस सम्पत्ति हड़पने के पीछे बड़ा फर्जीवाड़ा हो सकता है। कई पीड़ित आज भी न्याय के इंतजार में हैं।

विवादित मस्जिदें ...

इसको लेकर लिखा हुआ है और संभल भी उसी में है। संभल में आजकल जो कुछ देखने को मिल रहा है। वह सब सनातन धर्म से जुड़ा है और इसके प्रमाण प्राप्त हो रहे हैं। भारत में जितने पुराण बने हैं, इन सबकी रचना 3500 वर्ष से 5000 वर्ष में हुआ था। जिस कालखंड में यह रचे गए तब इस धरती पर इस्लाम नहीं था और तब केवल सनातन था। उसमें भी इसका उल्लेख है। जब इस्लाम ही नहीं था तब जामा मस्जिद कहां से आ गई। आइन-ए-अकबरी में इस बात का उल्लेख है कि यहां श्रीहरि विष्णु के मंदिर को तोड़ कर मस्जिद का ढांचा खड़ा किया गया है। यह उनका ग्रन्थ कह रहा है तो उन्हें अपनी गलती माननी चाहिए। ऐसे में सनातन के जो प्रतीक उन्हें शांतिपूर्वक वापस दिया जाना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि ऐसे प्रतीक वापस दिए जाने पर विवाद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग की मानसिकता से नहीं बल्कि भारतीय विचारधारा से यह देश चलेगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत ने हमेशा ही दुनिया से आए बाकी पीड़ित लोगों को शरण दी है। सीएम योगी ने कहा, आइन-ए-अकबरी यह बताता है कि 1526 में संभल और 1528 में अयोध्या में मंदिर तोड़कर ढांचे खड़े किए गए, तो अगर हिंदू इन्हें मांगते हैं तो उसे मान लिया जाना चाहिए, आप प्रमाण देखिए।

सीएम योगी ने काशी, मथुरा और संभल समेत बाकी जिन जगह पर विवाद है, उन्हें मस्जिद कहे जाने पर आपति जताई। उन्होंने कहा, विवादित ढांचों को मस्जिद नहीं कहा जाना चाहिए, जिस दिन हमने यह बोलना बंद कर दिया, उस दिन लोग जाना बंद कर देंगे। इस्लाम में भी यह है कि किसी धर्म को ठेस पहुंचा कर जो मस्जिदनुमा खड़े किए गए ढांचे में की गई इबादत खुदा को मंजूर नहीं होती। इस्लाम में उपासना के लिए कोई ढांचा जरूरी नहीं है। सनातन में है। इस बात पर जिद नहीं की जा सकती। समय है कि नए भारत पर सोचा जाए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 11 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

खेमदास मठ में मनाई गई पंडित गणेशनारायणजी की 112वीं पुण्यतिथि

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। परमहंस पंडित गणेशनारायणजी (बावलिया बाबा) की 112वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्री खेमदास मठ, चूड़ी बाजार में पूजा तथा भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्री गणेश फाउंडेशन तथा चिडावा नागरिक परिषद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों भक्तों ने भजन एवं प्रसाद का आनंद लिया। ..हम दो श्याम प्रेमी.. संस्था द्वारा बाबा के भजनों की प्रस्तुति दी गई। संजय दाहिमा एवं किशोर तोष्नीवाल ने भजन प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी तथा उद्योगपति अविनाश गुप्ता उपस्थित थे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार खेमदास मठ, जुमेरात बाजार, बेगम बाजार में बावलिया बाबा के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य, मकराना के मार्बल पर नकाशी के साथ प्रगति पर है। बाबा के अतिरिक्त, महासर माता, जीन माता, श्याम बाबा और अग्रसेनजी भगवान के मंदिरों का भी निर्माण किया जा रहा है जिसकी जल्द ही प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूर्ण कर लिया जाएगा।

उक्त कार्यक्रम में महंत मनुदासजी, श्री गणेश फाउंडेशन के ट्रस्टी शशिकांत अग्रवाल, विकास मोदी, विनोद कुमार केड़िया, विश्वभरलाल नेमाणी, अमरनाथ केड़िया, विनोद गोयल, प्रमोद कुमार अग्रवाल एवं कार्यकारणी सदस्य पंकज रोशनी अडुकिया, आलोक भालोटिया, चैतन्या अग्रवाल, हरद्वारिमल हरिराम अग्रवाल, रमनलाल रितेश कुमार गोयल, राजकुमार केड़िया, वासुदेव चंद्रप्रकाश केड़िया के अतिरिक्त शिशिर केड़िया, विकास केड़िया, कृष्ण कुमार केड़िया, अमित मोदी, हेमंत केड़िया, आशीष नेमानी, अशीष संघी, आदित्या केड़िया, दिनेश अग्रवाल, राजेंदर अग्रवाल, विनय जैन व अन्य का योगदान रहा।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अल्पहार सेवा की गई

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को स्निथिक दाचेपल्ली के जन्मदिवस पर दाचेपल्ली प्रवीण-श्रीमती राधिका परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर अशोक अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, ई. जगन (चंपापेट), भगतराम गोयल, मनीष फिटकारीवाला

मायारामजी अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, प्रभाकर आईटी अधिकारी, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, वेद प्रकाश अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा रक्त दान शिविर आयोजित

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा द हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन हैदराबाद और होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को थैलेसीमिया रोगियों की सहायता हेतु रक्तदान शिविर का आयोजन घांसी बाज़ार स्थित सूरज भवन में किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार रक्तदान में एकत्र रक्त को थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी को दिया गया। विज्ञप्ति के अनुसार थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है, जिससे लाल रक्त कोशिकाओं के विकास और स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। थैलेसीमिया में शरीर सामान्य से कम हीमोग्लोबिन बनाता है। हीमोग्लोबिन, लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक आयरन युक्त प्रोटीन होता है। यह शरीर के सभी हिस्सों में ऑक्सीजन पहुंचाता है। थैलेसीमिया में अस्थि मज्जा अपर्याप्त लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करती है। थैलेसीमिया से हल्का या गंभीर एनीमिया हो सकता है।

थैलेसीमिया से निपटने के लिए, आप मदद मांग सकते हैं। आप अपनी स्वास्थ्य सेवा टीम के किसी सदस्य से बात कर सकते हैं या सहायता समूह में शामिल हो सकते हैं। उक्त रक्त दान शिविर में थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी के चेयरमैन चंद्रकांत डाकोतिया भी उपस्थित थे। इस शिविर के लिए उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया।इसी संदर्भ में शनिवार 11 जनवरी को भगवती बाई मांटेसरी स्कूल, अग्रवाल शिक्षा समिति, चारकमान में सुबह 10.00 बजे से 4.00 बजे तक होने वाले दूसरे दिन के रक्तदान शिविर में भी जन मानस से रक्त दान करने का आग्रह किया गया।उक्त इस शिविर में तीनो संस्थाओं के पदाधिकारीगण जिनमें-अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरषोत्तम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल, मानद मंत्री कपूर चंद, दि हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन से अध्यक्ष अजय चिनानिया, बालकिशन अग्रवाल, कमल पटवारी, आर्ट मर्चेंट एसोसिएशन से अशोक बंसल, विनय जैन, रविन्द्र अग्रवाल, संजय पंसारी, मायाराम अग्रवाल, कमल पटवारी, टी. सुनील, मनीष अग्रवाल(अत्तापुर), विनय जैन, ललित अग्रवाल, तरुण तुलस्यान, शेष कुमार गोयल, अनिल शर्मा, अंकुर बंसल, धीरज गुप्ता, डीपी अग्रवाल, अजय अग्रवाल, रमाकांत केडिया, राजेंद्र जालान, संजय भालवाले, अशोक जालान, पंकज मित्तल, रिंकू गर्ग, शीतल रूंगटा, हेमा अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, अंकित अग्रवाल आदि उपस्थित थे।अग्रवाल समाज अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने शिविर की सफलता के लिए सभी रक्तदानदाताओं का आभार जताया । उन्होंने सभी से निवेदन किया कि शनिवार दि. 11 जनवरी के रक्तदान शिविर के लिए अन्य बंधुओं को भी रक्त दान के लिए प्रोत्साहित करें । उन्होंने थैलीसीमिया मुक्त समाज के लिए जन मानस में विवाह से पूर्व लड़का लड़की की रक्त परीक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि विवाह पूर्व एचबीए2 रक्त परीक्षण से ही थैलीसीमिया मुक्त समाज संभव है।शिविर के संयोजक मायाराम अग्रवाल ने तीनों संस्थाओं के पदाधिकारियों, सभी कार्यकर्ताओं, दानदाताओं, थैलीसीमिया टीम एवं डॉ. चन्द्रकान्त डकोटिया का आभार जताया ।

प्रथम आयुष चिकित्सा कोडिंग और रिकॉर्ड दिवस आयोजित

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद ने परिषद् के निर्देशों के अनुरूप प्रथम आयुष चिकित्सा कोडिंग और रिकॉर्ड दिवस का उद्घाटन किया ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार 10 जनवरी, 2024 को नई दिल्ली में हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन के अंतर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण-पारंपरिक चिकित्सा 2 मॉड्यूल को देश में कार्यान्वयन की तैयारी के शुभारंभ का स्मरण करते हुए किया गया है । कार्यक्रम की शुरुआत में प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद ने आयुष समुदाय में आयुष चिकित्सा कोडिंग और अभिलेख के महत्व और उनकी व्यापक अभीस्वीकृति पर चर्चा की। डॉ. साकेथ राम, अनुसंधान अधिकारी (आयु) ने अंतर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण-पारंपरिक चिकित्सा 2 मॉड्यूल के निर्माण के लिए आयुष मंत्रालय और उसे अधीनस्थ सभी केंद्रीय परिषदों द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला ।

उन्होंने आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा प्रणालियों के लिए मानकीकृत शब्दावली और रुग्णता कोड विकसित करने की यात्रा के साथ-साथ योग, प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथी प्रणालियों के लिए दोहरी कोडिंग और रुग्णता रिपोर्टिंग के लिए डब्ल्यूएचओ आईसीडी-10/11 कोड का वर्णन किया। साथ ही इस कार्यनिष्पादन हेतु समय समय पर आयुष मंत्रालय एवं परिषदों के सम्मानीय उच्च अधिकारियों, प्रख्यात आयुष विद्वानों और डब्ल्यूएचओ टीम के विशेषज्ञों द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

इसके अलावा, संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आयुष प्रणाली को मजबूत करने में चिकित्सा रिकॉर्ड की भूमिका और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के लिए उनके उपयोग पर चर्चा की । कार्यक्रम में डॉ. वी. श्रीदेवी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), डॉ. अशफाक अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), डॉ. बिस्व रंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होम्योपैथी), साथ ही नमस्ते टीम से श्री विजय कुमार, सलाहकार (आईटी), श्री प्रताप, एसअ-ारएफ (आईटी), और डॉ. श्रावणी, एसआरएफ (आयु) और संस्थान के अन्य कर्मचारी शामिल हुए।

संगम बापूघाट लंगरहौज स्थित श्री रामचन्द्र मठ में वैकुंठ एकादशी के अवसर पर बालाजी मंदिर में पीठाधीश्वर श्री 1008 महन्त राहुल दास, लक्ष्मण दास, पंजाब महत नारायण दास, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, मंहत चेतन गिरी आदि भक्तगण उपस्थित होकर विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया।

वैकुंठ एकादशी के अवसर पर भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी जी की पूजा-अर्चना के बाद आशीर्वाद प्राप्त करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षर राकेश जायसवाल।

राज्य में आज से स्कूलों, कॉलेजों में संक्रांति की छुट्टियां

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संक्रांति के नजदीक आने के साथ ही सभी शिक्षण संस्थानों के छात्र और शिक्षक अपनी बहुप्रतीक्षित अल्पकालिक छुट्टियों के लिए तैयार हो रहे हैं। 11 जनवरी से शुरू होने वाले सभी शिक्षण संस्थान त्योहारी अवकाश के लिए बंद रहेंगे। स्कूली छात्र 11 से 17 जनवरी तक सात दिवसीय त्योहारी अवकाश का आनंद ले सकते हैं, जिसके बाद 18 जनवरी को फिर से खुलने की योजना है। जूनियर कॉलेजों के लिए, तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (ढ्रू इखए) ने 11 से 16 जनवरी तक संक्रांति की छुट्टियों की घोषणा की है, जिसमें दोनों दिन शामिल हैं।

जूनियर कॉलेज 17 जनवरी को फिर से खुलेंगे। सभी जूनियर कॉलेजों के प्रिंसिपलों को छुट्टी के कार्यक्रम का सख्ती से पालन करने और छुट्टियों के दौरान कोई भी कक्षा आयोजित नहीं करने का निर्देश दिया गया है। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जिसमें संबद्धता समाप्त करना भी शामिल है। डिग्री और प्रोफेशनल कॉलेजों में 11 से 15 जनवरी तक अल्पकालिक अवकाश है।

हिन्दी प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय, सिकंदराबाद द्वारा विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने के लिए हब्सिगुड़ा स्थित श्री साई पब्लिक स्कूल में एक हिन्दी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में हिन्दी के प्रति प्रेम एवं विश्वास को बढ़ाना था। क्षेत्र प्रमुख बी. भास्कर की अध्यक्षता मेंप्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता 8वीं एवं 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए रखा गया था। जिसमें कुल 85 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रत्येक कक्षा के 3-3 विद्यार्थियों को मुख्य प्रबंधक रणधीर कुमार चौधरी (हब्सिगुड़ा शाखा प्रमुख) एवं विद्यालय की प्रधानाचार्य सुश्री रूबी एंथनी ने पुरस्कार दे कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के आयोजन में श्रीमती लक्ष्मी रेड्डी, सुश्री स्नेहा साव एवं श्री सुदीप्तो पोले ने अहम भूमिका निभाई।

रेवंत रेड्डी ने सीआईआई राष्ट्रीय परिषद की बैठक के भाग लिया

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को हैदराबाद में आयोजित भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की राष्ट्रीय परिषद की बैठक को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने बुनियादी ढांचे, आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए राज्य की महत्वाकांक्षी योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। सीआईआई राष्ट्रीय परिषद की बैठक के उद्घाटन में भाग लेते हुए, सीएम रेड्डी ने व्यवसाय और नवाचार के केंद्र के रूप में शहर के बढ़ते महत्व पर जोर दिया।

उद्योग के नेताओं के साथ बातचीत के दौरान, सीएम ने कहा कि राज्य ने राज्य का दर्जा प्राप्त करने के 10 साल पूरे कर लिए हैं और सरकार का तेलंगाना के विकास को लेकर एक सपना है और वह है तेलंगाना का उदय।उन्होंने आगे कहा कि सरकार भारत में एक बेहतरीन शहर बनाना चाहती है, जो सेवा क्षेत्र को समर्पित हो। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य भविष्य के शहर (हैदराबाद) को प्रदूषण मुक्त नेट-जीरो शहर के रूप में बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सार्वजनिक परिवहन के विद्युतीकरण को प्राथमिकता दे रही है, जिसमें तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगमको 3,200 इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा पेश करने की योजना है। सीएम ने जोर देकर कहा कि राज्य ने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए पंजीकरण और सड़क कर में छूट दी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में पहले से ही भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसे तेज़ बिक्री देखी गई है, जो राज्य की हरित भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। सीएम ने आगे बताया कि पाइपलाइन में एक और महत्वपूर्ण विकास मुसी कायाकल्प परियोजना है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य हैदराबाद में 55 किलोमीटर के हिस्से में मीठे पानी के प्रवाह को सुनिश्चित करते हुए मुसी नदी को बहाल और पुनर्जीवित करना है। यह परियोजना 2050 तक हैदराबाद की पेयजल आवश्यकताओं को सुरक्षित करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। बुनियादी ढांचे के संदर्भ में, मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) का निर्माण क्षेत्रीय रिंग रेलवे के साथ 360 किलोमीटर से अधिक तक फैला होगा। यह नेटवर्क बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करेगा और आउटर रिंग रोड (ओआरआर) और आरआरआर के बीच के क्षेत्र को एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद करेगा। इस क्षेत्र में फार्मास्यूटिकल्स, जीवन विज्ञान, एयरोस्पेस, रक्षा, इलेक्ट्रिक वाहन और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में उद्योग होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास, विशेष रूप से कृषि पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। रेड्डी ने कहा कि हम ओआरआर के बाहर ग्रामीण तेलंगाना में जैविक खेती, कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं और गोदामों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लॉजिस्टिक्स के मुद्दे को संबोधित करते हुए, सीएम ने एक ड्राई पोर्ट विकसित करने की सरकार की योजना पर प्रकाश डाला, जिसे समर्पित सड़क और रेल कनेक्शन के माध्यम से आंध्र प्रदेश के बंदर पोर्ट से जोड़ा जाएगा।

इस कदम का उद्देश्य क्षेत्र में व्यापार और लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देना है, जिससे तेलंगाना की तटरेखा की कमी की भरपाई हो सके। आर्थिक विकास के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए काम कर रही है जो न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में व्यापार करने में सबसे अधिक आसानी सुनिश्चित करता है। उन्होंने आग्रह किया, हम दुनिया भर के निवेशकों को तेलंगाना में आने और निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। आइए हम सब मिलकर चमत्कार करें।

एक शाम श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव दादा के नाम भक्ति संध्या आज

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव मंडल (हैदराबाद-सिकंदराबाद) द्वारा सप्तम विशाल भक्ति संध्या - एक शाम श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव दादा के नाम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। राजेश रांका द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उक्त आयोजन तेलंगाना क्षेत्र का प्रथम भव्य नाकोड़ा भक्ति मंडल द्वारा आयोजित प्रभु भक्ति का अद्वितीय अवसर होने वाला है । यह आयोजन प्रभु श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ एवं श्री नाकोड़ा भैरव देव की असीम कृपा से श्रद्धालुओं के लिए एक अद्वितीय भक्ति अनुभव का अवसर प्रदान करेगा।

यह कार्यक्रम शनिवार 11 जनवरी को सिकंदराबाद के बाँठिया गार्डन्स, बालमराई (मेवा नगर) में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6:31 बजे से होगी और यह प्रभु इच्छा तक चलेगा।भक्ति संध्या में भजन प्रस्तुतियों का विशेष आयोजन किया गया है, जिसमें हैदराबाद के युवा प्रतिभा संयम नाबेड़ा, बेंगलुरु से संगीत सम्राट विपिन पोरवाल, और इंदौर से मेलोडी किंग देवेश जैन अपनी मधुर और भक्तिमय प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए अखंड ज्योत, आलौकिक दरबार, और भव्य आंगी का आयोजन भी किया जाएगा। यह आयोजन प्रभु श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ एवं श्री नाकोड़ा भैरव देव की दिव्य उपासना के लिए समर्पित है।श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव मंडल सभी श्रद्धालुओं को सपरिवार और अपने ईष्ट-मित्रों के साथ इस भव्य आयोजन में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित करता है। सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे प्रसादी और प्रभावना ग्रहण कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करें।

श्रद्धालुओं से विशेष अनुरोध किया गया है कि काले वस्त्र और चमड़े की वस्तुओं के साथ भक्ति स्थल पर न पधारें। उक्त कार्यक्रम हेतु एक बैठक अशोक तातेड के निवास पर सम्पन्न हुई जिसमें मंडल के सदस्यों ने भव्य भक्ति के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया।

गोरखपुर में होगी आयुर्वेद योग और नाथपंथ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

गोरखपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों को समझने के लिए गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयोजित हो रही इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ 12 जनवरी को और समापन 14 जनवरी को होगा।

खास बात यह भी कि कई देशों के डेलीगेट्स की सहभागिता वाली अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन मुख्यमंत्री एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ का विशेष व्याख्यान होगा।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने बताया कि आयुर्वेद-योग-नाथपंथ विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ 12 जनवरी को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का पंचकर्म ऑडिटोरियम में पूर्वाह्न 11:30 बजे से होगा।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह करेंगे।

पटना में मिला 500 साल पुराना मंदिर, शिवलिंग की पूजा चालू

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

संभल में एक पुराना मंदिर खोजे जाने के बाद देश भर में मंदिरों के मिलने का सिलसिला जारी है। अब बिहार की राजधानी पटना में सैकड़ों वर्ष से बंद पड़े एक मंदिर को स्थानीय लोगों ने खोजा है। मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यहां एक पुराना शिवलिंग भी मिला है, यह पूरी तरह सुरक्षित है। इस मंदिर में पूजा-अर्चना भी चालू हो गई है। मंदिर में दर्शन के लिए लम्बी-लम्बी लाइन लग रही हैं। प्रशासन भी मंदिर के आसपास व्यवस्था के लिए काम कर रहा है।

पटना में यह मंदिर आलमगंज थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर इलाके में मिला है। यहां एक मठ भी है। स्थानीय लोगों को मठ से ही लगे हुए मंदिर के होने की कोई जानकारी नहीं थी। एक दिन मठ की चहारदीवारी के पास मिट्टी धंस गई। इसे मंदिर जैसे ढांचे का कुछ हिस्सा दिखने लगा। इसके बाद स्थानीयों की इस पर नजर पड़ी। इसके बाद यहां खुदाई चालू हुई। जब मिट्टी हटाई गई तो मंदिर का ऊपरी हिस्सा दिखा। इसके बाद तेजी से मिट्टी हटाना चालू कर दिया गया।

यहां एक छोटा मंडपनुपा मंदिर मिला। इसमें शिवलिंग भी स्थापित था। इसके बाद इसको साफ़ किया गया। यह शिवलिंग भी एकदम सुरक्षित था। इसके बाद इसकी सफाई की गई और पूजा अर्चना चालू कर दी गई। शिवलिंग विशेष प्रकार का बना है और काफी सुंदर है। शिवलिंग के आसपास बना मंडपनुमा मंदिर भी काफी सुंदर है और इसपर नक्काशी भी की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस छोटे मंदिर में यह शिवलिंग स्थापित है, वह एक बड़े मंदिर का हिस्सा है।

संभल शाही जामा मस्जिद विवाद पर यूपी सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने संभल की शाही जामा मस्जिद के विवाद में उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से दो हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। संभल शाही जामा मस्जिद प्रबंधक कमेटी की याचिका पर यह नोटिस जारी किया गया है। याचिका में मस्जिद कमेटी प्रबंधन ने मांग की थी कि जिलाधिकारी को निर्देश दिया जाए कि यथास्थिति बरकरार रखी जाए। दरअसल जिस निजी कुएं की खुदाई की जा रही है, वह मस्जिद की सीढ़ियों के पास स्थित है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन को यह भी निर्देश दिया है कि वे नगर पालिका के नोटिस पर कार्रवाई न करें, जिसमें सार्वजनिक कुएं को हरि मंदिर बताया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कुएं का इस्तेमाल अगर मस्जिद के बाहर से हो रहा है तो इसमें कोई आपत्ति नहीं है।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का नव वर्ष कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नव वर्ष कार्यक्रम अग्र महिला मंच तेलंगाना का कैफे खड़ाले सिकंदराबाद में हर्षोल्लास से मनाया गया।प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि 60 महिलाओं ने इस कार्यक्रम में आकर बहोत आनंद उठाया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्षा दीपा गर्ग के द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों के स्वागत संबोधन से हुई। महिलाओं के लिए मनोरंजक गेम्स प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी। मुख्य अतिथि एवं प्रतियोगिता की निर्णायिका अलका मिंडा ने विजेताओं स्नेहलता, संतोष गोयनका, चंचल अग्रवाल, सपना कानोड़िया, रश्मि अग्रवाल को मंच की ओर से पुरस्कृत किया। मंत्राणी अंजू गोयल व सपना अग्रवाल ने आकर्षक गेम्स खिलाए। रजिस्ट्रेशन का कार्यभार अमिता बगेड़िया और वंदना अग्रवाल ने संभाला। पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि अलका मिंडा को शॉल व मोमेंटो से सम्मानित किया गया।

अवसर पर नव वर्ष तम्बोला दीपा गर्ग और अंजू गोयल ने खिलाया, विजेता को नकद राशि से पुरस्कृत किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में प्रभावती अग्रवाल, मधु गोयल, सीमा पंसारी, मीता पंसारी सरला जिंदल व अन्यों का भी कार्य में सहयोग रहा।आरम्भ में ठंडे पेय पदार्थ, स्वादिष्ट स्नैक्स व मध्याह्न भोजन का सभी ने लुत्फ उठाया। अंत में सरला अग्रवाल के सभी को धन्यवाद् ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

विश्व हिंदी दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वीणावादिनी साहित्यिक समिति द्वारा शुक्रवार को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन सुलतान बाजार स्थित आर्य कन्या विद्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध समाज सेवी अमृत कुमार जैन उपस्थित थे। समिति की अध्यक्षा श्रीमती विभा भारती ने मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति द्वारा किये जाने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि अमृत कुमार जैन ने वीणावादिनी साहित्यिक समिति को बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने हिंदी के प्रचार प्रवार की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डाला और भविष्य में उक्त संस्था को अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

उपस्थित अतिथियों में विद्यालय के प्रबंधक समिति के सचिव प्रदीप जाजू, कोषाध्यक्ष भक्तराम, रविकुमार संजय आदि उपस्थिति थे। कार्यक्रम का प्रारम्भ श्रीमती शोभा देशपांडे की गणेश वन्दना से हुआ। कार्यक्रम में हिन्दी छात्राओं ने विशेष रूप से भाग लिया। जिन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम मेंहिन्दी अध्यापिकाओं को भी सम्मानित किया गया । सम्पूर्ण कार्यलय का संचालन समिति की सचिव सुधा ठाकुर ने किया।

आंध्र प्रदेश में वक्फ बोर्ड के सभी लेन-देन होंगे ऑनलाइन

अमरावती, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

देश भर में वक्फ बोर्ड की मनमानियों के बीच आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार ने बड़ा फैसला किया है। सरकार ने फैसला किया है कि अब से प्रदेश में एक फरवरी से वक्फ बोर्ड के सभी प्रकार के लेन देन ऑनलाइन कर दिए जाएंगे। इसके राजस्व और सम्पत्तियों का प्रबंधन भी ऑनलाइन होगा ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

स्टेट वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शेख अब्दुल अजीज ने बताया कि पूरे आंध्र प्रदेश में वक्फ बोर्ड की कुल 65,783 सम्पत्तियां हैं। इन सारी सम्पत्तियों को पूर्व में मस्जिदों, मजारों और दरगाहों के इस्तेमाल के लिए दान में दिया गया था। लेकिन, इसमें से 31590 एकड़ की जमीनों पर अतिक्रमण किया गया है। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष का कहना था कि कुछ लोगों ने जानबूझकर और कुछ लोगों ने अनजाने में वक्फ सम्पत्तियों को खरीद लिया। हम वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों की सुरक्षा करेंगे। अब्दुल अजीज का कहना है कि वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों को दानदाताओं द्वारा अल्लाह के लिए दान में दिया गया है। इन जमीनों से जो भी आय होगी, उसका इस्तेमाल मुस्लिमों के द्वारा किया जाएगा। इसी आय से वक्फ बोर्ड के कर्मचारियों के वेतन और भत्तों का भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा वक्फ की खाली पड़ी सम्पत्तियों को भी पट्टे पर दिया जाएगा।

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि इस तरह का कोई नियम नहीं है कि केवल मुस्लिम ही पट्टा लें और किसी और धर्म के लोग इसे पट्टा पर नहीं ले सकते हैं। बोर्ड के अध्यक्ष और चेयरमैन ही इसके ट्रस्टी हैं। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष का कहना है कि जिलों में अब तक 651 एकड़ जमीनों पर 40 शिकायतें मिली हैं, जिनको लेकर प्रशासन को कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। कब्जा करने वालों को जमीनें वापस करनी चाहिए।

रामकोट स्थित श्री सीतारामांजनेय मंदिर में वैकुण्ठ एकादशी के उपलक्ष्य में सजाई गई भगवान विष्णु की झाँकी के दर्शन करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, मल्लिकार्जन साथ में मंदिर कमेटी के सदस्य के. सत्यनारायण यादव, अशोक पंवार, प्रदीप कुमार, जयराज यादव एवं अन्य ।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,620/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,000/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

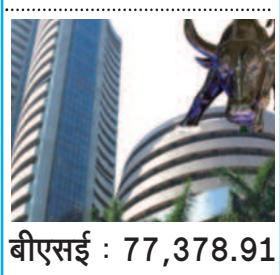

बीएसई : 77,378.91
-241.30 -0.31% ↓

एनएसई :23,431.50
-95.00 (-0.4%) ↓

सूर्यापेट-खम्मम राजमार्ग पर बस दुर्घटना में 5 की मौत

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सूर्यपेट जिले में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में ओडिशा के पांच प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। यह हादसा चिववेमला मंडल (ब्लॉक) में इलापुरम के पास हुआ, जब मजदूरों को ले जा रही एक निजी बस एक खड़े ट्रक से टकरा गई। बस चालक ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को देखा ही नहीं और पीछे से उसमें टक्कर मार दी। पुलिस जांच कर रही है कि क्या टायर फटने की वजह से टक्कर हुई। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि टायर फटने के बाद बस चालक ने नियंत्रण खो दिया और खड़ी ट्रक से टकरा गई। कुछ अन्य ने कहा कि टक्कर के बाद टायर फट गया। पीड़ित ओडिशा जिले के रायगढ़ा के रहने वाले थे, जो काम की तलाश में हैदराबाद जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को सूर्यपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। निजी बस में 32 लोग सवार थे, जिनमें से अधिकतर मजदूर थे, जो किसी एजेंसी के माध्यम से काम के लिए हैदराबाद जा रहे थे। दुर्घटना में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के कारण सूर्यपेट-खम्मम राजमार्ग पर यातायात जाम हो गया। पुलिस ने बस को सड़क से हटाने के लिए क्रेन तैनात की।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हाल के महीनों में राजमार्गों पर पार्क किए गए वाहनों के कारण कई दुर्घटनाएं हुई हैं। इनमें से अधिकतर दुर्घटनाएं रात के समय होती हैं। वाहन चालक राजमार्ग अधिकारियों से आग्रह कर रहे हैं कि वे सड़क उपयोगकर्ताओं को सचेत करने के लिए आवश्यक सावधानी बरते बिना राजमार्गों पर वाहन पार्क करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।इस बीच, शुक्रवार को हैदराबाद के गोशामहल इलाके में सड़क का एक हिस्सा ढहने से क्रशर लॉरी का चालक बाल-बाल बच गया। नाले से सटी सड़क उस समय ढह गई, जब लॉरी उस हिस्से से गुजर रही थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि दो साल में इसी इलाके में यह दूसरी घटना है। वर्ष 2022 में इसी प्रकार की घटना में कुछ लोग घायल हुए थे।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, PASUPULETI SUDHARANI Spouse of Service No. 2624987Y Nk PASUPULETI MADHU KRISHNA, R/o. H.No.5-30A, Vill:Thimmanapalli, Teh:Velugodu, Dist:Nandyal, Andhra Pradesh - 518533 have changed my name from PASUPULETI SUDHARANI to POLABOYINA SUDHARANI vide affidavit dt:9-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6497021W Hav/ASH VENKATESWARLU GUDIPALLI, R/o.13-40, Vill:G N Palem, Teh and Po:P V Palem, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522329 have changed my name from VENKATESWARLU GUDIPALLI to GUDIPALLI VENKATESWARLU vide affidavit dt:9-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-14656821P, NK Eswara Reddy Punuru R/o EME Depot Bn, C/o 56 APO, Secunderabad, Telangana PIN-500015. I have changed my Daughter name from P SIVA KAVYASREE to PUNURU SIVA KAVYA SREE add in my service documents Affidavit dated 10/01/2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SIVA KALYANI GUDIPALLI Spouse of Service No. 6497021W Hav/ASH GUDIPALLI VENKATESWARLU, R/o.13-40, Vill:G N Palem, Teh and Po:P V Palem, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522329 have changed my name from SIVA KALYANI GUDIPALLI to GUDIPALLI SIVA KALYANI vide affidavit dt:9-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ पर एमसीए में मौजूद रहेंगे तेंदुलकर, गावस्कर समेत कई भारतीय कप्तान

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के दिग्गज क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान 19 जनवरी को प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) में शामिल होंगे।

एमसीए की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ये कार्यक्रम 12 जनवरी को शुरू होंगे और 19 जनवरी को एक भव्य मुख्य कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक शाम होगी।

मुंबई के दिग्गज, पूर्व और वर्तमान भारतीय क्रिकेट कप्तान - जिनमें सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रवि शास्त्री, अजिंक्य रहाणे, दिलीप वेंगसरकर और डायना एडुल्जी शामिल हैं, वानखेड़े स्टेडियम के ऐतिहासिक महत्व को मनाने के लिए एकजुट होंगे। यह उत्सव खेल की विरासत में स्टेडियम की महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करने का वादा करता है।

मुख्य कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों से मुंबई के दिग्गज पुरुष और महिला खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

इस शाम की मेजबानी प्रतिभाशाली मंदिरा बेदी और प्रसन्ना संत करेंगे, जो आकर्षक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से दर्शकों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकारों अवधूत गुप्ते और अजय-अतुल प्रदर्शन से लोगों का मनोरंजन करेंगे, साथ ही लेजर शो का भी आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, जैसा कि हम प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, मैं सभी क्रिकेट प्रशंसकों को इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनने के लिए हार्दिक आमंत्रित करता हूँ। हमारे महान नायक इस समारोह में हमारे साथ शामिल होंगे, और साथ मिलकर हम वानखेड़े स्टेडियम की समृद्ध विरासत को ट्रिब्यूट देंगे जो मुंबई का गौरव है। आइए इस उत्सव को वास्तव में अविस्मरणीय बनाएं। समारोह के एक भाग के रूप में, एमसीए के पदाधिकारी और शीर्ष परिषद के सदस्य 19 जनवरी को एक कॉफी टेबल बुक जारी करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

दिनेश कार्तिक का अनुभव एसए20 सीजन 3 में फ्रेंचाइजी की मदद करेगा: डेविड मिलर

केपटाउन। पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की प्रशंसा की और कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज का अनुभव एसए20 सीजन 3 में फ्रेंचाइजी की मदद करेगा। एसए20 में डेविड मिलर की अगुआई वाली पार्ल रॉयल्स आज सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ टूर्नामेंट में अपना सफर शुरू करेगी। एसए20 सीजन 3 से पहले आधिकारिक कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिलर ने कहा कि रॉयल्स-आधारित फ्रैंचाइजी में कई नए चेहरे और रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। एसए20 रिलीज के अनुसार, मिलर ने कहा, मुझे लगता है कि इस साल हमारे पास कई नए चेहरे, कुछ रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। हमारे पास कुछ बेहतरीन प्रतिभाएँ हैं, इसलिए उन्हें पाकर हम बहुत उत्साहित हैं। साथ ही एक नया कोच, ट्रेवर पेनी, जिसके पास ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा और जिम्बाब्वे के चार पासपोर्ट हैं। इसलिए वह काफी अनुभवी है और उसने यात्रा की है। वह कई सालों से दुनिया भर में कोचिंग और खेल रहा है, इसलिए उसे सेट-अप में पाकर बहुत अच्छा लगा। इस साल के एसए20 का एक मुख्य आकर्षण दिनेश कार्तिक का शामिल होना है, जो पार्ल रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। मिलर ने कहा, इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाज जो रूट का अनुभव भी टी20 टूर्नामेंट के आगामी सत्र में फ्रैंचाइजी की मदद करेगा।

प्रीमियर लीग क्लब एवर्टन ने कोच सीन डाइचे को किया बर्खास्त

लंदन। प्रीमियर लीग क्लब एवर्टन ने अपने कोच सीन डाइचे को बर्खास्त कर दिया है। क्लब ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। क्लब ने एक बयान में कहा, एवर्टन फुटबॉल क्लब इस बात की पुष्टि करता है कि सीन डाइचे को तत्काल प्रभाव से सीनियर पुरुष टीम के प्रथम टीम मैनेजर के पद से मुक्त कर दिया गया है। बयान में कहा गया कि डाइचे के सहायक इयान वोन, स्टीव स्टोन, मार्क हावर्ड और बिली मर्सर भी क्लब छोड़ कर चले गए हैं। डाइचे ने बोर्नमाउथ से 1-0 की हार के बाद अपना पद छोड़ दिया, जिससे एवर्टन प्रीमियर लीग में 16वें स्थान पर आ गया, हालांकि इस कदम का समय आश्चर्यजनक है, क्योंकि उसी शाम एवर्टन को एफए कप के तीसरे दौर में पीटरबोरो से खेलना है। पूर्व खिलाड़ी लीटन बैन्स, जो वर्तमान में एवर्टन की अंडर-18 टीम के कोच हैं, को अस्थायी रूप से प्रभारी बनाया गया है, क्लब ने घोषणा की है कि वह स्थायी प्रतिस्थापन की तलाश शुरू कर रहा है। 53 वर्षीय डाइचे ने फ्रैंक लैम्पार्ड की जगह लेने के बाद लगभग दो सीजन के बाद पद छोड़ दिया, एवर्टन को रिलीगेशन ज़ोन में रखा गया और उन्होंने 2022-23 सीजन में इसे सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया, पिछले सीजन में 15वें स्थान पर रहा। हालाँकि इस अभियान में एवर्टन का डिफेंस मजबूत रहा है, लेकिन गोल करने में उसे संघर्ष करना पड़ा है, 19 लीग खेलों में उसने सिर्फ़ 15 बार गोल किया है।

दक्षिण अफ़्रीकी खेल मंत्री ने अफगानिस्तान क्रिकेट के बहिष्कार के आह्वान का किया समर्थन

नई दिल्ली। कई ब्रिटिश राजनेताओं द्वारा इंग्लैंड से अगले महीने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने की अपील के बाद, दक्षिण अफ्रीका के खेल मंत्री गेटन मैकेंजी ने भी महिलाओं के अधिकारों पर तालिबान सरकार की कार्रवाई का हवाला देते हुए बहिष्कार का समर्थन किया है। उन्होंने गुरुवार को एक बयान में कहा, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, अन्य देशों के महासंघों और आईसीसी को इस बारे में सावधानी से सोचना होगा कि क्रिकेट खेल दुनिया को क्या संदेश देना चाहता है, और खासकर खेल में महिलाओं को। खेल मंत्री के तौर पर यह अंतिम निर्णय लेना मेरे लिए नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका को अफगानिस्तान के खिलाफ क्रिकेट मैचों का सम्मान करना चाहिए या नहीं। अगर यह मेरा फैसला होता, तो निश्चित रूप से मैं खेलने से रोकता। उन्होंने कहा, मेरे लिए एक ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो ऐसी जाति से आता है, जिसे रंगभेद के दौरान खेल के अवसरों तक समान पहुंच की अनुमति नहीं थी, आज जब दुनिया में कहीं भी महिलाओं के साथ ऐसा ही व्यवहार किया जा रहा है, तो इस पर आंखें मूंद लेना पाखंड और अनैतिक होगा। इससे पहले, 160 से अधिक ब्रिटिश राजनेताओं ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को एक क्रॉस-पार्टी पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें मांग की गई थी कि इंग्लैंड 26 फरवरी को लाहौर में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने मैच का बहिष्कार करे। इस बीच, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने कहा कि पाखंड का आरोप लगने के बाद उन्हें हमारे द्वारा अपनाए गए रुख पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, हमने एक रुख अपनाया है, और हम गर्व से उस जगह पर खड़े हैं, जहां हमें लगता है कि हमें खड़ा होना चाहिए।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20

सीजन 3 के उद्घाटन समारोह में जलवा बिखेरेंगे शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े, सोनम बाजवा

दुबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 3 के उद्घाटन समारोह में 11 जनवरी शनिवार को बॉलीवुड के मेगास्टार शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े और सोनम बाजवा अपना जलवा बिखेरेंगे। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 का तीसरा सीजन 11 जनवरी से 9 फरवरी 2025 तक चलेगा।

शाहिद, पूजा और सोनम अपने ब्लॉकबस्टर गानों पर शानदार प्रदर्शन के साथ समारोह की शुरुआत करेंगे। इस अवसर को और भी शानदार बनाने के लिए, प्रसिद्ध बॉलीवुड निर्माता और अभिनेता जैकी भगनानी और रिधिमा पाठक उद्घाटन समारोह की मेज़बानी करेंगे।

उद्घाटन समारोह को लेकर शाहिद कपूर ने आयोजकों की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, अगर आप मुझे जानते हैं, तो आप जानते होंगे कि मुझे क्रिकेट और डांसिंग कितना पसंद है। और जब ये दोनों चीजें एक साथ आती हैं, तो आप दोनों दुनिया का सबसे अच्छा अनुभव प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं, यही वजह है कि मैं 11 जनवरी 2025 को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्सुक हूं। बॉलीवुड और क्रिकेट के जश्न के लिए अभी अपने टिकट खरीदें, जिसमें असली क्रिकेट-टेनमेंट की भावना हो।

उद्घाटन की शाम बॉलीवुड के बेहतरीन और टी20 क्रिकेट के शिखर का अनूठा संगम पेश करेगी, जो रिंग

ऑफ फायर के नाम से मशहूर डीआईएस की शानदार पृष्ठभूमि में होगा। सीजन के उद्घाटन के लिए टिकटों की बिक्री शानदार रही है, और डीआईएस में शनिवार की शाम को खास अंदाज में स्टेडियम खचाखच भरा हुआ है।

सीजन की पहली गेंद स्थानीय समयानुसार शाम 7:15 बजे फेंकी जाएगी, जब पिछले साल के ग्रैंड फिनाले के रोमांचक रीमैच में गत चैंपियन एमआई एमिरेट्स का सामना दुबई कैपिटल्स से होगा।

छह डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 फ्रेंचाइजी ने आंद्रे रसेल (अबू धाबी नाइट राइडर्स), सुनील नरेन (अबू धाबी नाइट राइडर्स), एलेक्स हेल्स (डेजर्ट वाइपर्स), शेरफेन रदरफोर्ड (डेजर्ट वाइपर्स), डेविड वार्नर (दुबई कैपिटल्स), रोवमैन पॉवेल (दुबई कैपिटल्स), क्रिस जॉर्डन (गल्फ जायंट्स), शिमरॉन हेटमायर (गल्फ जायंट्स), अकील होसैन (एमआई एमिरेट्स), निकोलस पूरन (एमआई एमिरेट्स), आदिल राशिद (सीजन 2 में शारजाह वॉरियर्स वाइल्डकार्ड पिक) और जॉनसन चार्ल्स (शारजाह वॉरियर्स) जैसे टी20 सुपरस्टार्स को रिटेन किया है।

इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल के महान खिलाड़ी जेसन रॉय (शारजाह वारियर्स) पिछले सीजन में अबू धाबी नाइट राइडर्स के लिए दो बार खेलने के बाद लीग में वापस आ गए हैं।

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान जेसन होल्डर अबू धाबी नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे, ऑलराउंडर पिछले सीजन में दुबई कैपिटल्स के लिए खेले थे। इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट और पाकिस्तान के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर सूफियान मुकीम भी अबू धाबी नाइट राइडर्स में शामिल हो गए हैं।

इसके अलावा, टिम साउथी (शारजाह वारियर्स), फखर जमान (डेजर्ट वाइपर्स), शाई होप (दुबई कैपिटल्स), लॉकी फर्ग्यूसन (डेजर्ट वाइपर्स), रोस्टन चेस (अबू धाबी नाइट राइडर्स), मैथ्यू वेड (शारजाह वारियर्स), इब्राहिम जादरान (गल्फ जायंट्स) और रोमारियो शेफर्ड (एमआई एमिरेट्स) सीजन 3 में अपना डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

बांग्लादेश श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज टीम में शामिल हुईं चेरी फ्रेजर, जैनिलिया ग्लासगो

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर चेरी-एन फ्रेजर और अनकैप्ड तेज गेंदबाज जैनिलिया ग्लासगो को वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है।

सफेद गेंद श्रृंखला 19 जनवरी को तीन वनडे मैचों के साथ शुरू होगी और 30 जनवरी को तीन टी20 मैचों के साथ समाप्त होगी। सेंट किट्स सभी मैचों की मेजबानी करेगा। तेज गेंदबाज शमिलिया कोनेल और मध्यक्रम की बल्लेबाज रशदा विलियम्स भारत दौरे पर टीम के साथ नहीं थीं। सीडब्ल्यूआई की विज्ञप्ति के अनुसार, वेस्टइंडीज अनुभवी ऑलराउंडर स्टेफनी टेलर के बिना ही खेलेगी, जो अभी भी घुटने की चोट से उबर रही हैं। फ्रेजर ने कुल 12 वनडे खेले हैं और इस प्रारूप में उनका आखिरी प्रदर्शन अक्टूबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था। हालाँकि, उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन पिछले साल जून में हंबनटोटा में श्रीलंका के खिलाफ टी20 में था। इस बीच, ग्लासगो ने चार टी20आई में हिस्सा लिया है, इनमें से आखिरी मैच मई 2024 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ था। हालाँकि वह 2023 से वेस्टइंडीज की वनडे टीम के साथ यात्रा कर रही है, लेकिन ग्लासगो को कभी भी वनडे में मौका नहीं मिला। सीडब्ल्यूआई की विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों ने तस्मानिया में राज्य क्रिकेट में सफल प्रदर्शन किया है और उन्हें शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज वर्तमान में महिला चैम्पियनशिप तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसमें शीर्ष छह टीमें इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए स्वत: योग्यता प्राप्त कर रही हैं। 21 मैचों में 14 अंकों के साथ, उनके लिए सीधे योग्यता प्राप्त करना असंभव है, भले ही वे बांग्लादेश पर 3-0 की जीत के साथ अधिकतम 20 अंक हासिल करें, जबकि न्यूजीलैंड 21 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। हालांकि, 21 मैचों में 19 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहने वाला बांग्लादेश न्यूजीलैंड को पीछे छोड़कर शीर्ष छह में जगह बना सकता है। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच शेन डेइट्ज ने कहा, बांग्लादेश का दौरा हमारी तैयारी के लिए एक आदर्श समय पर हुआ है। वे एक कुशल इकाई हैं, जिन्होंने प्रभावशाली विकास दिखाया है।

मिश्रित युगल बैउमिंटन

क्वालालंपुर में मिश्रित युगल बैउमिंटन मुकाबले में खेलते हुए फेंग यांजझी व हुआंग डोंगपिंग।

वर्ल्ड पैडल लीग का भारत में पदार्पण, मुंबई करेगा मेजबानी

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। यूएई में अपनी जबरदस्त सफलता के बाद, वर्ल्ड पैडल लीग (डब्ल्यूपीएल) भारतीय पैडल महासंघ (आईपीएफ) के समर्थन भारत में पदार्पण को तैयार है। इस लीग का आयोजन मुंबई के नेस्को सेंटर में 5 से 8 फरवरी तक किया जाएगा। लीग में 4 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें दुनिया के 32 शीर्ष पैडल खिलाड़ी भाग लेंगे। दर्शकों को 4 दिनों में कोर्टसाइड एक्शन का भरपूर आनंद मिलेगा।

क्लाउडिया फर्नांडीज सांचेज (महिला विश्व नंबर 3), मार्टा ऑर्टेगा गैलेगो (महिला विश्व नंबर 7), सोफिया अराउजो (महिला विश्व नंबर 8), एलेजांद्रा सालाजार बेंगोएचिया (महिला विश्व नंबर 15), फेडेरिको चिंगोटो (पुरुष विश्व नंबर 4), जॉन सैन्ज़ (पुरुष विश्व नंबर 9), कार्लोस डैनियल गुटिरेज़ (पुरुष विश्व नंबर 19) सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पैडल खिलाड़ी पहली बार भारतीय धरती पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रमुख शहरों में बढ़ती भागीदारी

और बढ़ते बुनियादी ढांचे के साथ, पैडल भारत में तेजी से बढ़ रहा है। डब्ल्यूपीएल और आईपीएफ के बीच साझेदारी खेल के विकास को और तेज करने के लिए तैयार है, जो खेल प्रेमियों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रेरित करेगी। वर्ल्ड पैडल लीग में अब एक महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में भारतीय पैडल महासंघ की अध्यक्ष स्नेहा अब्राहम सहगल ने कहा, वर्ल्ड पैडल लीग की तैयारियां जोरों पर हैं और हम भारत में इसके बहुप्रतीक्षित आगाज का इंतजार कर रहे हैं। पैडल के कुछ सबसे बड़े नाम अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, यह आयोजन भारत में खेल की लोकप्रियता को बढ़ाने का वादा करता है। यह निश्चित रूप से पैडल के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगा, जो सभी आयु समूहों के अधिक भारतीय प्रशंसकों को इस रोमांचक खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए मिस्बाह, इंजमाम, सईद, मुश्ताक

लाहौर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। इंजमाम-उल-हक, मिस्बाह-उल-हक, मुश्ताक मोहम्मद और सईद अनवर को 2024 के लिए पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को उक्त घोषणा की।

पीसीबी हर साल दो पूर्व क्रिकेटरों को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल करता है। लेकिन इस बार, 2024 के लिए चार खिलाड़ियों को शामिल किया गया, क्योंकि 2023 में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं था। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बोर्ड द्वारा जारी एक बयान में कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से, मैं इन चार क्रिकेट दिग्गजों को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं। यह सम्मान पाकिस्तान क्रिकेट और वैश्विक खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान सम्मान है। पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने वनडे क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया है, उनके नाम 11,701 रन दर्ज हैं। वह वर्तमान में 8,829 रन के साथ पाकिस्तान के टेस्ट रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। स्पिनरों के सबसे बड़े दु:स्वप्न इंजमाम ने 31 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से 11 जीते, नौ ड्रॉ रहे और 11 हारे। उन्होंने 87 वनडे मैचों में भी पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से 51 जीते, 33 हारे और 3 में कोई नतीजा नहीं निकला। उनके 25 टेस्ट शतकों में से 17 जीत के दौरान आए; उनके 10 वनडे शतकों में से सात पाकिस्तान की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मिस्बाह-उल-हक पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों के प्रतिभाशाली पूल में एक और खिलाड़ी हैं। अपनी बेदाग

तकनीक के लिए जाने जाने वाले मिस्बाह ने 56 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान का नेतृत्व किया और 26 जीते। उन्होंने 2015 विश्व कप और आठ टी 20 आई सहित 87 मैचों में भी टीम का नेतृत्व किया। अपने शानदार करियर के दौरान, मिस्बाह ने 162 एकदिवसीय मैचों में 5,122 रन बनाए, जो शतक बनाए बिना करियर में किसी भी व्यक्ति द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। 42 अर्धशतक बनाने के बावजूद, सितारे मिस्बाह के पक्ष में नहीं थे क्योंकि वह 50 ओवर के प्रारूप में तीन अंकों का आंकड़ा छूने में विफल रहे। हरफनमौला कौशल वाले आक्रामक चरित्र मुश्ताक मोहम्मद ने 1959-1979 तक 57 टेस्ट मैचों में 3,643 रन बनाए और 79 विकेट लिए। उन्होंने 1976 से 1979 के बीच 19 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की, जिसमें से आठ में जीत हासिल की, जिसमें 1977 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान की पहली टेस्ट जीत भी शामिल है, सात ड्रॉ रहे और चार हारे। सईद अनवर, जो अपने समय में एक तेजतर्रार बल्लेबाज थे, ने अपने तीसरे टेस्ट में 169 रन बनाए और 55 टेस्ट मैचों में 11 शतकों सहित 4,052 रन बनाए। उन्होंने सात टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी भी की। सईद का बल्ले से कौशल सिर्फ लाल गेंद के क्रिकेट तक ही सीमित नहीं था। उन्होंने 247 एकदिवसीय मैचों में उल्लेखनीय 8,824 रन बनाए, जिसमें घर से बाहर 205 एकदिवसीय मैचों में 7,227 रन शामिल हैं। नकवी ने कहा, मुश्ताक मोहम्मद को पाकिस्तान के बेहतरीन कप्तानों में से एक माना जाता है, जो अपनी शानदार नेतृत्व क्षमता और प्रेरणादायी शैली के लिए जाने जाते हैं। इंजमाम-उल-हक की अपार प्रतिभा और मैच जीतने की क्षमता ने खेल पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मिस्बाह-उल-हक ने चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान टीम की कमान संभाली, उसे टेस्ट रैंकिंग के शिखर पर पहुंचाया और कैरेबियाई में ऐतिहासिक श्रृंखला जीत हासिल की।

रेवंत रेड्डी ने जनजातीय कल्याण के लिए व्यापक उपायों की घोषणा की

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को सचिवालय में जनजातीय नेताओं और संगठनों के साथ बैठक के दौरान जनजातीय समुदायों के कल्याण और विकास के लिए कई महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की।मुख्य घोषणाओं में से एक जनजातीय योद्धा कोमुरामभीम की जयंती को आधिकारिक रूप से राजकीय समारोह के रूप में मनाने का निर्णय था। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव शांतिकुमारी को इस उद्देश्य के लिए तत्काल आदेश जारी करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान जनजातीय नेताओं ने परिवहन, कृषि, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा, रोजगार और वित्तीय मुद्दों सहित विभिन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने जनजातीय सदस्यों के खिलाफ दर्ज मामलों के बारे में भी चिंता व्यक्त की। ध्यान से सुनते हुए, मुख्यमंत्री ने तुरंत कई मुद्दों को संबोधित किया और अधिकारियों को अनसुलझे मामलों पर एक विस्तृत अध्ययन करने का निर्देश दिया, जिसकी रिपोर्ट बाद में दी जाएगी।मुख्यमंत्री ने जनजातीय नेताओं को नियमित रूप से जुड़ने का आश्वासन देते हुए कहा कि निर्णयों के कार्यान्वयन की समीक्षा और उभरते मुद्दों को संबोधित करने के लिए हर चार महीने में बैठकें आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान आदिवासियों के खिलाफ दर्ज किए गए किसी भी मामले को वापस लिया जाएगा, यदि आवश्यक हो तो विधायी समर्थन के साथ।

उन्होंने इंद्रवेली में अपनी पिछली बैठक के दौरान किए गए वादों के सफल क्रियान्वयन पर भी प्रकाश डाला, जिसमें इंद्रवेली शहीद स्मारक की स्थापना और शहीदों के परिवारों के लिए आवास शामिल हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आदिवासी छात्रों के लिए शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार के लिए केंद्रित प्रयासों की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को आदिवासी छात्रों के लिए एक समर्पित अध्ययन मंडल स्थापित करने का निर्देश दिया, जिसमें एक नया भवन और पर्याप्त धन शामिल हो। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी लंबित छात्रवृत्ति आवेदनों को मंजूरी दी जाएगी और आदिवासी नेताओं को मंत्री सीताक्का को विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

इसके अलावा, सीएम ने गोंडी भाषा में प्राथमिक शिक्षा शुरू करने पर व्यवहार्यता रिपोर्ट मांगी और उत्नूर और भद्राचलम में आदिवासी बी.एड कॉलेजों में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों को भरने का आदेश दिया। उन्होंने आदिवासी छात्रों को कौशल विश्वविद्यालय में प्राथमिकता वाले प्रवेश का आश्वासन दिया और उनके लिए पर्याप्त आवास की गारंटी दी। सीएम ने कौशल विकास को बढ़ाने के लिए आदिवासी क्षेत्रों में आईटीआई को उन्नत प्रशिक्षण केंद्र (एटीसी) में बदलने का भी प्रस्ताव रखा।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अंचल कार्यालय-हैदराबाद ने विश्व हिन्दी दिवस मनाया

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, हैदराबाद अंचल कार्यालय द्वारा सरकारी हाईस्कूल, बालमराय, नल्लागुट्टा, सिकंदराबाद में ..भारत को सबसे स्वच्छ देश कैसे बनाएं.. विषय पर हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार अजय कुमार, महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख तथा वीएसवी नागेश, उप महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख ने विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर अपने सम्बोधन मेंअजय कुमार ने कहा कि हिन्दी भाषा को समूचे विश्व में प्रसारित और प्रचारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है और यह खुशी की बात है कि इसकी शुरुआत अपने घर से हो रही है। इस अवसर पर बोलते हुए वीएसवी नागेश ने कहा कि भारत जैसे बहुभाषी देश में आप जितनी भाषाएँ सीखेंगे उतने ही सफल होंगे और हिन्दी भाषा के उपयोग से आप देश के किसी भी भाग में आसानी से कार्य कर सकते हैं। श्रीमती अरुणा, प्रधानाद्यापिका (प्रभारी) ने निबंध प्रतियोगिता आयोजन के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। डॉ पी. नरसिंग राव ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। निबंध प्रतियोगिता के आयोजन में सुश्री स्नेहा साव, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) का सहयोग प्राप्त हुआ।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद में दिनांक : 10.01.2025 को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी के मार्गदर्शन में 'लोककथा वाचन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. ए. गंगाग्नि राव, मुख्य वैज्ञानिक और श्री एम. आनंद कुमार, प्रशासन नियंत्रक की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों की लोकप्रिय लोककथा का वाचन किया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. ए. गंगाग्नि राव, मुख्य वैज्ञानिक ने सभी प्रतिभागियों को विश्व हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि लोककथा हमें अपनी संस्कृति, भाषा और लोक में बसे ज्ञान, भाव, संवेदना को संचित और संग्रहीत करने का माध्यम है। आइंस्टीन से एक महिला के हुए बात का जिक्र करते हुए कहा कि हमें अधिक से अधिक लोककथा को पढ़ना चाहिए। प्रशासन नियंत्रक श्री एम. आनंद कुमार ने अपने सम्बोधन मे कहा कि हमारी लोककथा मुहावरों, लोकोक्तियों और अनुभवों का भंडार है। हैरी पॉटर की लेखिका जे. के. रॉलिंग का जिक्र करते हुए लोककथा के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मराठी, मलयाली, उड़िया आदि भाषी-भाषा क्षेत्रों की लोककथाओं का हिंदी में वाचन किया गया। इन लोककथाओं में मानवीय संवेदना, ज्ञान, अनुभूति का भंडार है, जिसे कि प्रतिभागियों के साथ-साथ श्रोताओं ने आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान श्री संतोष कुमार, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना भी मौजूद थे। उन्होंने विभिन्न भाषाओं की लोककथाओं को हिंदी में सुनने के अपने अनुभव को रोचक कहा और अपने विचार साझा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ही हिंदी समृद्ध होगी। संस्थान के हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार ने लोककथा को केवल जादू-टोने, तंत्र-मंत्र, पशु, पक्षी तक सीमित न मानते हुए कल्पना शक्ति में इसके वैज्ञानिक महत्वों पर भी चर्चा की। अंत में सभी प्रतिभागियों को गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। श्री आदर्श कुमार, हिंदी अनुवादक ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सखी सहेली भजन मंडली, अमीरपेट द्वारा 12 मासिक गंगा स्नान सम्पन्न

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सखी सहेली भजन मंडली के अधिकतर सदस्यों द्वारा प्रति माह 12 महीने गंगा स्नान का आयोजन किया गया । प्रत्येक मास में विभिन्न स्थान पर नदी में स्नान एवं दर्शन हेतु धरमपुरी, बासर, विजयवाडा, कालेश्वर, सदाशिवपेट, नर्सोबावाडी, श्रीरंगपट्टनम्, कर्नूल, पण्डरपुर, हरिद्वार, ऋषिकेश, कनडकुरती व गंगासागर में कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। 12 मासिक गंगा स्नान के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर बालाजी राजस्थानी भवन, अमीरपेट में ब्राह्मणभोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी परिवार की बहुओं ने 12 माह स्नान करने के उपलक्ष्य में भजन मंडली की माहिलाओं (सासुओं) का पूजन कर सम्मान व अभिनंदन किया।इस सम्पूर्ण आयोजन में विशेष सहयोगकर्ता रमेश कुमार बंग का सम्मान किया गया।

रमेश कुमार बंग द्वारा प्रत्येक स्थान पर अल्प समय में भी प्राप्त सूचना पर सुगमतापूर्वक दर्शन कराने का प्रबंध किया गया। सम्पूर्ण यात्रा का फ़्लाइट, ठहरने की व गाड़ियों की व्यवस्था के आयोजन के लिए आदित्य मानधना व बस की व्यवस्था के लिये श्रीकांत बंग का सम्मान किया गया । अवसर पर रमेश कुमार बंग ने सखी सहेली भजन मण्डली द्वारा 12 मास अलग-अलग स्थानों पर गंगा स्नान के इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि परिवार के वरिष्ठ महिलाओं द्वारा परिवार के समक्ष इस तरह के आदर्श प्रस्तुत करना तथा परिवार के युवाओं को सनातन संस्कृति से जोड़ने का यह प्रयास सराहनीय है । अवसर पर सखी सहेली भजन मण्डली की सदस्याएँ अनुसया सारडा, छाया झंवर, सुमन सोनी, रीना लोया, सुलोचना मानधना, रेखा काबरा, लक्ष्मी भक्कड, सुरेखा पुगलिया, लीला काबरा, लता वर्मा, लक्ष्मी बजाज, मंजु डागा, चंद्रा मोहता, रजनी सादानी, मंगल राठी, मधु मानधना, सुचिता काबरा, सरला काबरा, सुजाता बंग, सुशीला राठी, प्रेमलता काबरा, बसंती काबरा, रामकन्या काबरा, संतोष लड्ढा, सुनीता विश्वकर्मा, तारा काकांनी, सुधा गनेरीवाल, उमा कोठारी, ऊषा सोनी, स्वरूपा सोमानी, ललीता गुप्ता, कल्पना भक्कड, निर्मला जोशी, पद्मा झंवर, कविता राठी, रामेश्वरी लड्ढा, सरोज लड्ढा, कमला भुतडा, शांता भुतडा, विमला मर्दा, सविता कुलवाल, संतोष बंग एवं उनके परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे ।

हिंदी प्रचार सभा में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में 10 जनवरी को आयोजित 'विश्व हिंदी दिवस' के अवसर पर सभा के प्रधानमंत्री एस. गैबुवली ने तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अनुरोध किया कि हिंदी भाषा को प्राथमिक स्तर से छात्रों को सीखाना आवश्यक है। राजभाषा हिंदी को प्राथमिक स्तर से ही छात्रों को सिखाने से उन में हिंदी के प्रति आदर-सम्मान बढ़ेगा। छात्रों को अपनी राजभाषा के बारे में जानकारी मिलेगी जिससे उनमें आगे चलकर हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने का अवसर प्राप्त होगा। इण्टर-डिग्री में हिंदी प्राध्यापकों की नियुक्ति होने पर छात्रों को हिंदी सीखने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने आगे कहा कि विश्व भर में 600 अधिक हिंदी विभाग खुले हैं। विश्व भर में हिंदी को ऐच्छिक भाषा के रूप में सीखने का मौका मिल रहा है। हिंदी सीखने से विश्व भर में राजगार के अवसर खुल रहे हैं। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए सभा की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त में बताया। 'विश्व हिंदी दिवस' के अवसर पर अयोजित कार्यक्रम में श्रीमती ममता साहू जी, उपनिदेशक (राजभाषा), आयकर विभाग हैदराबाद मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंदी विश्व की तीसरी भाषा बन चुकी है। विशेष अतिथि के रूप में पधारे सभा के कानूनी सलाहकार एवं प्रमुख हाई कोर्ट वकील जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी ने सभी को विश्व हिंदी दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर सभा के संचालन समिति सदस्य श्रीमती विजया वाघमोडे भी उपस्थित थीं।सभा के निर्वाचन संयोजक श्रुतिकांत भारती जी ने बताया की इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस का थीम - 10 जनवरी 2006 को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने पहली बार विश्व हिंदी दिवस मनाया था कहा। तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष श्री के. रामचंदर ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुषमा देवी ने किया। इस अवसर सभा के कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे, सी. शिवलिंगम, माया पाण्डेय, प्रतिभा कुलकर्णी, भानुदास पुजारे, विनोद कुमार रेड्डी, जी.आर. नरसिंग, श्रीकांत, अरुणा आदि उपस्थित थे।

हिन्दी निबंध प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यलय हैदराबाद, कोटी द्वारा सरकारी कन्या माध्यमिक विद्यालय, सुल्तान बाजार, हैदराबाद में कक्षा 8,9 एवं 10 के लिए हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता की और हिन्दी के प्रति अपनी रुचि दिखाई।

प्रतियोगिता के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद कोटी के मुख्य प्रबंधक के. वीएलएन सुरेश बाबू तथा कोटी क्षेत्र के राजभाषा प्रभारी कांबले साहेबराव उपस्थित रहें। कार्यक्रम के आयोजन में क्षेत्रीय कार्यलय हैदराबाद कोटी के स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ विद्यालय की प्रभारी सुश्री सुष्मिता, वरिष्ठ अध्यापिका सुश्री ललिता, हिन्दी विषय की अध्यापिका सुश्री लक्ष्मी एवं सुश्री सपना का पूर्ण सहयोग रहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.